अब यातायात नियमों का उल्लंघन किया... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कंगना से दोस्ती को तैयार हैं... 11

वर्ष - 01, अंक - 328 | गाजियाबाद / रविवार 01 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

विकसित भारत 2047 के विजन का ग्रोथ इंजन बनेगा राजस्थान: मोदी

● अजमेर में प्रधानमंत्री ने सीएम के कार्यकाल को सराहा

जयपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार सत्ता भाव से नहीं, संवेदनशीलता के साथ काम करती है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार राजस्थान को अवसरों की भूमि बनाने के लिए विरासत और विकास दोनों को साथ लेकर चल रही है। इन दो साल में राजस्थान विकास के नए पथ पर अग्रसर हुआ है। प्रधानमंत्री ने अजमेर स्थित कायड़ विश्राम स्थली में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास की सौगात देने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। मोदी ने कहा कि आज करीब 17 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण से सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में विकास को गति मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि आज डबल इंजन सरकार में युवाशक्ति और सशक्त हो रही है। उन्होंने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले 21,863 युवाओं को शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ उपस्थित रहे।

नारीशक्ति की समस्याओं का किया समाधान

प्रधानमंत्री ने कहा कि एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान का शुभारंभ देश की नारीशक्ति को सशक्त करने की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने कहा कि अगर मां स्वस्थ होती है, तो परिवार हर संकट का सामना करने में सक्षम रहता है। इसी भावना से केन्द्र सरकार ने महिलाओं को संबल देने वाली अनेक योजनाएं चलाई हैं।

सूरज की ताकत से समृद्धि कमाने वाली धरती

मोदी ने कहा कि राजस्थान अब सूरज की ताकत से समृद्धि कमाने वाली धरती बन रहा है। अब प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी योजनाओं से यही धूप आमजन के लिए बचत और कमाई का साधन बन रही है। इस योजना में सरकार लोगों को छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए 78 हजार रुपए की सहायता दे रही है। प्रदेश में सवा लाख से अधिक परिवार इस योजना से जुड़ चुके हैं।

राजस्थान में बढ़ रहे निवेश के अवसर

मोदी ने कहा कि आज का समय राजस्थान के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अच्छी सड़क, रेल और हवाई सुविधा से सिर्फ सफर आसान नहीं होता बल्कि पूरे क्षेत्र की किस्मत बदल जाती है, इसलिए हमारी सरकार राजस्थान में आधुनिक कनेक्टिविटी पर बहुत बल दे रही है। कनेक्टिविटी बढ़ने से राजस्थान में निवेश के लिए अवसर भी बढ़ रहे हैं।

ऑर्डनेंस फैक्ट्री सर्विस ऑफिसर पर केस दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने आय से अधिक संपत्ति (डीए) का मामला दर्ज किया है। यह मामला फिरोजाबाद के हजरतपुर स्थित ऑर्डनेंस इक्विपमेंट फैक्ट्री के तत्कालीन मुख्य महाप्रबंधक के खिलाफ दर्ज किया गया। आरोपी भारतीय ऑर्डनेंस फैक्ट्री सेवा (बैच 1998) के अधिकारी हैं, जो वर्तमान में कानपुर की ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड ट्रेनिंग अकादमी में पदस्थ हैं। आरोप है कि अधिकारी ने एक अप्रैल 2022 से 31 दिसंबर 2025 की अवधि के दौरान अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की। एजेंसी को उनके पास करीब 55 .58 लाख रुपए (73 .28 प्रतिशत) से अधिक की संपत्ति का पता चला, जिसका वह ठीक से हिसाब नहीं दे पाए।

जेपी इंफ्राटेक के पूर्व सीएमडी सहित तीन को मिली जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने जेपी इंफ्राटेक के पूर्व सीएमडी मनोज गौर को नियमित जमानत दी है। मनोज गौर पर फ्लैट खरीदने वालों से लिए गए कई हजार करोड़ रुपए के हेराफेरी का आरोप है। हालांकि, वे मनी लॉन्ड्रिंग केस में अभी भी जेल में बंद रहेंगे। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने समय पर खरीददारों को घर मुहैया न कराने के आरोप में दाखिल सीबीआई की चार्जशीट के बाद मनोज गौर को नियमित जमानत दी। उनके साथ समीर गौर और सुनील शर्मा को भी नियमित जमानत दी गई।

मेंढर में एलओसी के पास मिले 9 मोर्टार शेल

पुंछ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक गांव में जंग लगे नौ मोर्टार शेल बरामद किए गए। सेना की बम निरोधक टीम इन्हें निष्क्रिय कर दिया। ये शेल मनकोट इलाके में मिले, जो एलओसी के काफी नजदीक है। अधिकारियों के मुताबिक, सेना की टुकड़ी इलाके में एरिया डोमिनेशन पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान जवानों की नजर जमीन पर बिखरे पड़े धातु के संदिग्ध गोले पर पड़ी। करीब जाकर जांच की गई तो पता चला कि ये पुराने और बिना फटे मोर्टार शेल हैं। सुरक्षा के लिहाज से मामला बेहद संवेदनशील था, क्योंकि जंग लगे होने के बावजूद ऐसे गोले कभी भी फट सकते हैं। बरामदगी के तुरंत बाद पूरे इलाके को एहतियातन घेर लिया गया। आसपास के लोगों को वहां से दूर रहने की हिदायत दी गई।

25000 करोड़ के घोटाले में अजित पवार के परिवार को क्लीन चिट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट ने 25000 करोड़ रुपए के महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक (एमएससीबी) घोटाला मामले में बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने इस केस में इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। इससे दिवंगत नेता अजित पवार और उनके परिवार के कुछ सदस्यों को क्लीन चिट मिल गई। ईओडब्ल्यू की रिपोर्ट के मुताबिक, अजित पवार, उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार और उनके भतीजे रोहित पवार पर कोई क्रिमिनल केस नहीं बनता। ऐसे में अब तीनों को कोर्ट से क्लीन चिट मिल गई। रिपोर्ट में कहा गया कि बैंक और इसकी सहायक कंपनियों में हुई जो भी अनियमितताएं थीं, उनके लिए कोई कानूनी कार्रवाई जरूरी नहीं है। इसी के साथ कोर्ट ने अन्ना हजारे और अन्य एक्टिविस्ट्स द्वारा क्लोजर रिपोर्ट को चुनौती देने वाली पिटीशन भी खारिज कर दी। असल में, यह पूरा मामला राज्य की चीनी सहकारी समितियों, कताई मिलों और अन्य संस्थाओं से जुड़ा हुआ था। कहा गया था कि इन संस्थाओं ने जिला और सहकारी बैंकों से पैसे लिए और बैंक में हुई अनियमितताओं के कारण 1 जनवरी 2007 से 31 दिसंबर 2017 तक राज्य के खजाने को करीब 25,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इसी आरोप को लेकर कई बड़े नेताओं के नाम सामने आए थे।

शेयर बाजारों ने एनटीपीसी पर लगाया 10.86 लाख का जुर्माना

मुंबई (एजेंसी)। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के निदेशकमंडल में स्वतंत्र निदेशकों के अनुपात में कमी को लेकर शेयर बाजारों ने उस पर कुल 10 लाख 85 हजार 600 रुपये का जुर्माना लगाया है। एनटीपीसी ने शनिवार को शेयर बाजारों को बताया कि उसे 27 फरवरी को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से अलग-अलग नोटिस मिले हैं। दोनों ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सेबी के एलओडीआर (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) नियमावली के नियम 17(1) का पालन न करने के लिए 5,42,800 रुपये के एक समान जुर्माने लगाए हैं। जुर्माने की कुल राशि 10,85,600 रुपये है। नियम 17(1) निदेशकमंडल की संरचना से संबंधित है। यह नियम किसी भी सूचीबद्ध कंपनी के निदेशकमंडल में कम से कम एक महिला निदेशक और 50 प्रतिशत स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति को अनिवार्य बनाता है। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि एक सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते उसके निदेशकों की नियुक्ति का अधिकार राष्ट्रपति के पास है। वह ऊर्जा मंत्रालय के समक्ष पर्याप्त संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति का मसला उठाती रही है, ताकि सेबी के नियम 17(1) का अनुपालन किया जा सके। उसने शेयर बाजारों से आग्रह किया है कि इन बातों को ध्यान में रखते हुए उस पर जुर्माना नहीं लगाया जाना चाहिये।

बोत्सवाना से नौ और चीते कूनो पहुँचे

● कुल संख्या बढ़कर हुई 48

श्योपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले स्थित कूनो नेशनल पार्क में शनिवार सुबह बोत्सवाना से 12 घंटे की हवाई यात्रा के बाद 9 नए चीते भारत पहुंचे और हेलिकॉप्टर से कूनो लाकर सीधे क्वारंटीन बाड़ों में शिफ्ट कर दिए गए। इसके साथ ही देश में चीतों की कुल संख्या 39 से बढ़कर 48 हो गई। नई खेप में 6 मादा और 3 नर चीते हैं। चीतों के स्वागत के मौके पर केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव खुद कूनो पहुंचे।

यादव ने क्रेट का हैंडल घुमाकर तीन चीतों को क्वारंटीन बाड़े में रिलीज किया। बाकी चीतों को वन विभाग की प्रशिक्षित टीम ने तय प्रोटोकॉल के तहत शिफ्ट किया।

जानकारी के अनुसार कूनो पार्क में 12 महीने से अधिक उम्र के चीतों का गणित अब साफ तौर पर बदल गया है। पहले यहां 26 वयस्क चीते थे 14 नर और 12 मादा। अब 9 नए चीतों के जुड़ने से वयस्कों की संख्या 35 हो गई। अब कूनो एक पार्क नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय जेनेटिक प्रयोगशाला बन चुका है। यहां नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और अब बोत्सवाना तीन अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों के चीते मौजूद हैं।

हिमाचल में उद्योगों के लिए बिजली शुल्क बढ़ाने पर रोक

● हाईकोर्ट का फैसला

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को मध्यम और बड़े औद्योगिक उपभोक्ताओं से 16.5 प्रतिशत से ज्यादा बिजली शुल्क वसूलने से रोक दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया इतनी ज्यादा बढ़ोतरी कानूनी नियमों के खिलाफ लगती है। पास किए गए आदेश संख्या 2102 वर्ष 2026, जिसका शीर्षक- मैसर्स वर्मा स्टोन क्रशर बनाम हिमाचल प्रदेश राज्य व अन्य, में न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर और न्यायमूर्ति रंजन शर्मा की खंडपीठ ने बिजली शुल्क के बारे में याचिकाकर्ता की शिकायत

पर ध्यान दिया।

शनिवार को यहां मीडिया को जारी आदेश में पीठ ने कहा कि 20 जुलाई 2017 से 11 प्रतिशत तय शुल्क एक सितंबर 2023 की अधिसूचना के जरिये बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया और 18 जनवरी 2024 की अधिसूचना के जरिये इसे और बढ़ाकर 37.50 प्रतिशत कर दिया।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि लगातार की गई वृद्धियां हिमाचल प्रदेश बिजली (शुल्क) अधिनियम, 2009 की धारा 11(2) का उल्लंघन हैं। यह धारा अधिसूचना के माध्यम से बिजली शुल्क दरों में संशोधन की अनुमति तो देती है, लेकिन यह शर्त रखती है कि यह वृद्धि अधिनियम की धारा तीन के तहत पहले से निर्दिष्ट दरों के एक समय में 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। इस मामले को 23 अप्रैल 2026 को सीडब्लूपी संख्या 15413 वर्ष 2024 के साथ सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया है, क्योंकि इसमें शामिल कानूनी मुद्दा समान बताया गया है।

अफगानिस्तान ने तबाह किए पाकिस्तान के सैन्य ठिकाने

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान की वायुसेना ने शुक्रवार आधी रात के करीब पाकिस्तान के अंदर नए हवाई हमले कर उसके सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जिससे भारी नुकसान हुआ।

अफगानिस्तान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के सोशल मीडिया एक्स पर हमलों में मीरानशाह और स्पिनवाम सैन्य ठिकाने तबाह हो गए, जिससे भारी नुकसान हुआ और भारी लोग मारे गये। इसके अलावा अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों ने पूर्वी नंगरहार प्रांत में एक पाकिस्तानी

लड़ाकू विमान को मार गिराया और पायलट को हिरासत में ले लिया। वहीं अफगानिस्तान सरकार के उपप्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने कहा कि पाकिस्तान के साथ सीमा पर झड़पों के बाद अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत खोस्त और पक्तिका में कम से कम 19 लोग मारे गए और 26 अन्य घायल हो गए।

फितरत ने कहा कि मरने वालों में ज्यादातर औरतें और बच्चे हैं। दूसरी ओर, तालिबान के प्रवक्ता बीहुल्लाह मुजाहिद ने दावा किया कि काबुल और इस्लामाबाद के बीच तनाव बढ़ने के बाद पाकिस्तान में एक 'खास समूह' ने इलाके को अस्थिर करने का मिशन शुरू किया है।

गलत फैसले को सही करने के लिए हैं ऊपरी अदालतें: रिजिजू

धर्मशाला (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दिल्ली के तथाकथित शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को बरी किए जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर फैसला गलत लिया जाता है तो उसको सही करने के लिए ऊपरी अदालतें होती हैं। उन्होंने कहा कि निचली अदालत के फैसले में अगर कोई गलती रह जाती है तो उसके सुधार के लिए ऊपरी अदालत में मामले को ले जाया जाता है। गलत फैसला दिया गया या अगर तथ्यों की ठीक से जांच नहीं की गई।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने संस्कृत कार्यक्रम पर विवादित पोस्ट के लिए मांगी माफी

● कहा-लक्ष्मी मित्तल से कोई संबंध नहीं

वाशिंगटन (एजेंसी)। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के साउथ एशियन डिपार्टमेंट ने एक पोस्ट से संस्कृत कार्यक्रम की खराब छवि प्रस्तुत करने के लिए माफी मांगी है। कई हिंदू संगठनों ने यूनिवर्सिटी के रवैये की निंदा की है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यहां संस्कृत भाषा और इसकी परंपरा का अध्ययन-अध्यापन करने का लंबा इतिहास रहा है।

भविष्य में सोशल मीडिया पर किए जाने वाले सभी पोस्ट को विभाग की गरिमा के अनुकूल रखा जाएगा। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का इस विवाद से कोई लेना-देना नहीं है।

साथ ही, इस पोस्ट का लक्ष्मी मित्तल और उनके परिवार से भी कोई संबंध नहीं है। इस संबंध में मित्तल इंस्टीट्यूट ने भी यूनिवर्सिटी के बयान से सहमति जताई है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने बयान में कहा कि इस पुरातन भाषा ने दक्षिण एशिया में भाषाओं के उत्थान में अहम भूमिका निभाई है। अपने इसी गुणों के कारण इसे भगवान की भाषा भी कहा गया है। इस भाषा ने रामायण व महाभारत समेत अन्य महाकाव्यों में भी अपनी मौजूदगी सुनिश्चित की है। नार्थ अमेरिका के हिंदू संगठनों ने भी यूनिवर्सिटी के बयान से सहमति जताई है।

क्या है पूरा विवाद?

विवाद की शुरूआत तब हुई जब विभाग ने अपने 'प्रारंभिक संस्कृत पाठ्यक्रम' को बढ़ावा देने के लिए एक कलाकृति का उपयोग किया। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं और हिंदू संगठनों का आरोप है कि इस तस्वीर में संस्कृत भाषा और हिंदू धर्म को नकारात्मक और आपत्तिजनक तरीके से चित्रित किया गया था।

अमेरिका-इजराइल का ईरान पर हमला, 40 छात्राओं की मौत

● सर्वोच्च नेता खामनेई को सुरक्षित जगह भेजा

● कुवैत, कतर, बहरीन और सऊदी अरब में अमेरिकी बेस पर किए हमले

तेहरान (एजेंसी)। मध्य पूर्व में शनिवार को एक बड़ा सैन्य तनाव भड़क उठा। इजराइल ने ईरान के खिलाफ एहतियाती हमले शुरू करने का ऐलान कर दिया। अमेरिका और इजराइल के इस संयुक्त ऑप्रेशनक के बाद ईरान की राजधानी तेहरान में कई धमाके सुने गए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार तेहरान के अलावा इस्फहान, कराज और करमानशाह में भी विस्फोटों की गूंज सुनाई दी। सूत्रों के मुताबिक इजराइल ने कुछ शीर्ष ईरानी नेताओं के घरों को निशाना बनाया गया, क्योंकि उसे इन स्थानों से इजराइल पर मिसाइल या ड्रोन हमले की आशंका थी। इन हमलों में दक्षिणी ईरान में 40 छात्राओं की मौत हो गई जबकि 45 से ज्यादा घायल हैं।

हमलों से गुस्साए ईरान ने करारा जवाब देने का ऐलान कर दिया। ईरान ने इजराइल पर पलटवार करते हुए करीब 400 मिसाइलें दागीं और कुवैत, कतर, बहरीन और सऊदी अरब में मौजूद अमेरिकी बेस पर भी हमला किया। ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई को भी निशाना बनाया। दरअसल, इजराइल ने ईरान के खुफिया मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, सुप्रीम लीडर खामेनेई का ऑफिस और ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन को निशाना बनाया। हमले के बाद खामेनेई को सुरक्षित जगह शिफ्ट कर दिया गया। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल) ने अपनी जनता से तेहरान और उन बड़े शहरों को छोड़ने की कोशिश करने को कहा है, जिन पर हमले की आशंका है।

सरकार ने कहा कि उसने जनता की सभी जरूरतों का ख्याल रखते हुए पूरी तैयारी कर ली है, और लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने को लेकर निश्चिंत है। लोगों को शॉपिंग सेंटर में भीड़ लगाने से बचने की सलाह दी जाती है क्योंकि इससे उन्हें खतरा हो सकता है। बयान में आगे कहा गया कि स्कूल और विश्वविद्यालय अगली सूचना तक बंद रहेंगे, बैंक काम करना जारी रखेंगे और सरकारी कार्यालय 50 प्रतिशत क्षमता पर काम करेंगे।

इजराइल में हमले की आशंका के बीच सायरन बजने लगे और लोगों को सुरक्षित कमरों के पास रहने का निर्देश दिया गया। स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए, सार्वजनिक कार्यक्रमों पर रोक लगा दी गई। इसके साथ ही इजराइल और ईरान ने अपने हवाई क्षेत्रों को बंद करके सभी नागरिक उड़ानें रद्द कर दी। वहीं, कतर में अमेरिकी दूतावास ने भी एहतियातन शेल्टर-इन-प्लेस गाइडलाइंस लागू कर दी। ताजा घटनाक्रम ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रहे कूटनीतिक प्रयासों को और कमजोर कर दिया है और बड़े क्षेत्रीय संघर्ष की आशंका बढ़ा दी।

तेहरान में हमले के बाद उठता धुएं का गुब्बार।

"इजराइल और अमेरिका ने ईरान की सरकार से उत्पन्न 'अस्तित्व पर खतरे' को निष्प्रभावी करने के उद्देश्य से संयुक्त अभियान शुरू किया है। इस हत्यारे आतंकी शासन को परमाणु हथियारों से लैस होने की अनुमति नहीं दी जा सकती, जो पूरी मानवता को खतरे में डाल सकते हैं।

–बेंजामिन नेतन्याहू, इजराइल के प्रधानमंत्री

"ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के मेंबर्स, आर्म्ड फोर्सेज और सभी पुलिस वालों से मैं कहता हूं कि आपको अपने हथियार डाल देने चाहिए और पूरी इम्यूनिटी लेनी चाहिए, वरना आपको पक्की मौत का सामना करना पड़ेगा।

–डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी राष्ट्रपति

भारतीय दूतावासों ने जारी किए इमरजेंसी नंबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान पर अमेरिका और इजराइल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई के मद्देनजर ईरान और इजराइल स्थित भारतीय दूतावासों ने वहां मौजूद भारतीय नागरिकों को बेहद सावधानी बरतने की सलाह दी है और आपात स्थिति में संपर्क के लिए फोन नंबर जारी किए हैं। ईरान में आपात स्थिति के लिए 989128109115, 989128109109, 989128109102 और 989932179359 पर संपर्क करने के लिए कहा गया है। वहीं इजराइल में आपात स्थिति के लिए दो हेल्पलाइन नंबर 972-54-7520711 और 972-54-2428378 जारी किए गए हैं। सभी भारतीय नागरिकों को अत्यंत सावधानी बरतने, अनावश्यक आवाजाही से बचने और यथासंभव घरों के भीतर रहने की सलाह दी गई है।

साजिश का पर्दाफाश, अदालत से आप नेताओं को राहत : सुभाष चन्द्र लाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित आबकारी नीति प्रकरण में नामजद सभी 23 आरोपितों को माननीय न्यायालय द्वारा दोषमुक्त किए जाने पर आम आदमी पार्टी विश्वास नगर वार्ड के संयोजक सुभाष चन्द्र लाला ने इसे सत्य की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से स्पष्ट हो गया है कि आप के सभी नेताओं को एक बड़ी साजिश के तहत फंसाया गया था। सुभाष चन्द्र लाला के अनुसार राउज एवेन्यू स्थित अदालत ने अपने आदेश में कहा कि किसी भी आरोपित के विरुद्ध प्रथम दृष्ट्या आपराधिक साजिश या आपराधिक मंशा का कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जा सका और अभियोजन पक्ष की पूरी कहानी न्यायिक कसौटी पर टिक नहीं पाई। सुभाष चन्द्र लाला ने कहा कि अरविंद केजरीवाल शुरू से ही यह कहते रहे कि उन्हें और अन्य नेताओं को षड्यंत्रपूर्वक फंसाया जा रहा है, किन्तु अब अदालत के फैसले ने दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया है। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि जांच एजेंसी द्वारा साजिश की जो कहानी तैयार की गई वह केवल अनुमान और अटकलों पर आधारित थी तथा किसी भी आरोपित के विरुद्ध आरोप तय करने योग्य आधार अभिलेखों में उपलब्ध नहीं था। अदालत ने यह भी कहा कि आबकारी नीति में किसी व्यापक साजिश या आपराधिक इरादे का कोई प्रमाण नहीं मिला। अदालत ने अपने आदेश में जांच प्रक्रिया पर भी गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा कि किसी आरोपित को माफी देकर उसे सरकारी गवाह बनाना और फिर उसके कथनों के आधार पर जांच की कमियों को पूरा करना संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि यदि ऐसी कार्यप्रणाली को स्वीकार किया गया तो यह संवैधानिक मूल्यों का गंभीर उल्लंघन होगा। साथ ही सार्वजनिक सेवक कुलदीप सिंह को प्रकरण में प्रमुख आरोपित बनाए जाने के संबंध में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय जांच की संस्तुति करने की बात भी कही गई है। सुभाष चन्द्र लाला ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं और यह निर्णय उसी का प्रमाण है।

युवाओं की गिरफ्तारी से लोकतंत्र पर प्रहार : आदेश भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर की गई कार्रवाई को दिल्ली कांग्रेस ने लोकतंत्र पर प्रहार बताया है। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार असहमति की आवाज से भयभीत है और युवाओं को गिरफ्तार कर दमन का रास्ता अपना रही है, जबकि कांग्रेस इस प्रदर्शन को संवैधानिक अधिकार मानते हुए तानाशाही के विरुद्ध संघर्ष कर रही है। करावल नगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने कहा कि यह प्रदर्शन न तो हिंसक था और न ही राष्ट्र विरोधी, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सवालों से बचने के लिए विपक्षी नेताओं को जेल भेज रही है और विभिन्न मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। आदेश भारद्वाज ने कहा कि जब मणिपुर में महिलाओं के साथ अमानवीय घटना हुई और मध्यप्रदेश में एक दलित के साथ अपमानजनक कृत्य किया गया तब देश की गरिमा को ठेस पहुंची थी, इसलिए आज प्रदर्शन के तरीके पर सवाल उठाना उचित नहीं है। आदेश भारद्वाज ने मांग की कि गिरफ्तार सभी कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा किया जाए तथा सरकार युवाओं की बेरोजगारी जैसे मूल मुद्दों पर चर्चा करे। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई लोकतंत्र को बचाने की है और कांग्रेस युवाओं के साथ खड़ी है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष को दबाने के लिए पुलिस का दुरुपयोग किया जा रहा है, जबकि कांग्रेस तथ्यों के आधार पर अपना संघर्ष जारी रखेगी। देवेंद्र यादव ने जनता से अपील की कि वह इस दमन के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाए।

निजी विद्यालयों को उच्च न्यायालय से राहत, पुरानी फीस ही रहेगी लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने निजी विद्यालयों को बड़ी राहत देते हुए विद्यालय स्तर शुल्क विनियमन समितियों के गठन और आगामी तीन शैक्षणिक सत्रों के लिए प्रस्तावित फीस का विवरण देने संबंधी दिल्ली सरकार की अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस शैक्षणिक सत्र में विद्यालय पिछले वर्ष के समान ही शुल्क वसूल सकेंगे। न्यायालय ने कहा कि एक फरवरी को जारी अधिसूचना पर लगी यह रोक मामले की अंतिम सुनवाई तक प्रभावी रहेगी। यह आदेश विभिन्न निजी विद्यालयों द्वारा दायर उन याचिकाओं पर दिया गया, जिनमें समिति गठन तथा दस दिन के भीतर शुल्क संबंधी जानकारी भेजने के निर्देश को चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय के इस निर्णय से निजी विद्यालयों को तत्काल राहत मिली है, जबकि मामले में आगे की सुनवाई होने तक सरकार की अधिसूचना पर रोक जारी रहेगी।

सड़कों पर घूम रहे लावारिस पशु बन रहे हादसे की वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में लावारिस पशुओं के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। सड़कों और कूड़े के ढेर पर डेरा डाले ये लावारिस पशु जाम का कारण भी बन रहे हैं। लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद नगर निगम कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। सड़कों से लावारिस पशुओं को हटाने के दावों के बावजूद डेयरियों का संचालन करने वालों पर सख्ती नहीं की जा रही है। कई कॉलोनियों के नागरिक भी इन लावारिस पशुओं से परेशान हैं। उनका कहना है कि डेयरी मालिक गायों को खुला छोड़ देते हैं। जिससे वे भोजन की तलाश में सड़कों और कूड़े के ढेर पर भटकती रहती हैं। इस कारण आए दिन हादसे होते हैं। कॉलोनी के लोगों ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। राज्य सरकार के वन एवं पशुपालन विभाग के चार साल पहले के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में 80 हजार से अधिक लावारिस और डेयरियों में रखी गई गाय हैं। अभियान चलाया जा रहा नगर निगम प्रशासन के मुताबिक, सड़कों पर घूमने वाली लावारिस गायों और अवैध डेयरियों के संचालन के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है। बीते चार महीने में तीन सौ से अधिक लावारिस गायों को पकड़कर गौशालाओं में पहुंचाया गया है। इस मामले को लेकर लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। चार गौशालाओं में भेजे जा रहीं गाय सड़कों से गायों को पकड़ने के बाद नगर निगम उन्हें चार गौशालाओं में पहुंचाता है। अभी नजफगढ़ के सुरहेड़ा में स्थित गौशाला की क्षमता चार हजार गायों को रखने की है। वहीं, रेवला खानपुर में स्थित गौशाला की क्षमता 500, नरेला में हरेवली में मौजूद गौशाला की क्षमता 3200 और सुल्तानपुर डबास गौशाला की क्षमता 7600 गायों की है। दिल्ली में चारों गौशालाओं की क्षमता कुल 15 हजार 300 गायों की है।

आईपीयू में शोध प्रकाशन पर विशेष कार्यशाला आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रमुख संवाददाता गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (आईपीयू) के यूनिवर्सिटी इंफॉर्मेशन रिसोर्स सेंटर (यूआईआरसी) ने द्वारका कैंपस में रिसर्च पब्लिशिंग-टूल्स एंड टिप्स विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य संकाय सदस्यों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को आधुनिक अकादमिक प्रकाशन की रणनीतियों से परिचित कराना और उनकी शोध क्षमता को सशक्त बनाना था। यूआईआरसी की अध्यक्ष प्रो.श्रुति अग्रवाल ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध और नैतिक प्रकाशन पद्धतियां संस्थान की प्रतिष्ठा के प्रमुख आधार हैं। उद्योग परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करते हुए अल्पना सेगवाल ने स्प्रिंगर नेचर से जुड़े नवीनतम प्रकाशन अवसरों और पहलों की जानकारी दी। मुख्य वक्ता जेम्स फिनले ने पांडुलिपि की गुणवत्ता सुधार, साहित्यिक चोरी से बचाव और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जिम्मेदार उपयोग सहित शोध प्रकाशन के व्यावहारिक पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला में लगभग 100 प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी की।

पेटा ने सर्कस के लिए गलगोटिया से मांगा 'रोबो डॉग'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पशु अधिकार संगठन 'पेटा इंडिया' ने गलगोटिया यूनिवर्सिटी से उसके रोबोटिक कुत्ते 'ओरियन' को दान देने का अनुरोध किया है, ताकि सर्कस में इस्तेमाल होने वाले असली कुत्तों की जगह तकनीकी विकल्प अपनाए जा सकें और उन्हें पुनर्वास का मौका मिले। एआई समिट में प्रदर्शित किया गया यह रोबोटिक डॉग हाल ही में इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 में प्रदर्शित किया गया था। इसके कारण यूनिवर्सिटी विवाद में आ गया जब उस पर चीनी रोबोट को अपना बताने का आरोप लगा। कार्यक्रम आयोजकों ने बाद में संस्थान को स्टॉल हटाने और स्थल खाली करने को कहा था। पेटा इंडिया ने दावा किया कि रैम्बो और जेमिनी जैसे कुछ सर्कस पहले ही यांत्रिक जानवरों का इस्तेमाल शुरू कर चुके हैं। ओरियन दिखाएगा करतब संगठन की उपाध्यक्ष खुशबू गुप्ता ने लिखा कि यदि रोबो डॉग 'ओरियन' सर्कस को उपलब्ध कराया जाए तो असली कुत्तों को शो से हटाकर उन्हें सुरक्षित घरों या अभयारण्यों में बसाया जा सकता है। पत्र में यह भी कहा गया कि ऐसा कदम तकनीक के जरिए पशु पीड़ा कम करने की दिशा में उदाहरण बन सकता है और यूनिवर्सिटी के छात्रों को मानवीय तकनीकी विकल्प अपनाने में प्रशिक्षण देकर इस बदलाव का हिस्सा बन सकते हैं।

स्कूलों में बच्चों को सुबह मिले पौष्टिक भोजन, सरकार करेगी सुनिश्चित: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज अक्षय पात्र फाउंडेशन के 'सुबह के पोषण कार्यक्रम' के शुभारंभ के अवसर पर कहा कि दिल्ली में बच्चों के लिए सुबह के पोषण अभियान की शुरुआत की जा रही है। दिल्ली सरकार अक्षय पात्र फाउंडेशन के सहयोग से यह सुनिश्चित करेगी कि स्कूल पहुंचने पर बच्चों को सुबह पौष्टिक भोजन मिले। उन्होंने कहा कि बच्चे सक्रिय और ऊर्जावान रहें ताकि वे अच्छी तरह से पढ़ाई कर सकें, जिसके लिए उनका आहार और पोषण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने अक्षय पात्र फाउंडेशन को दिल्ली में 6 वर्षों की निरंतर सेवा और 'सुबह के पोषण कार्यक्रम' के शुभारंभ के लिए साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरकार इस पुनीत प्रयास में पूर्ण सहयोग के साथ आपके साथ दृढ़ता से खड़ी है। सेवा का यह संकल्प निरंतर आगे बढ़ता रहे, यही कामना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम पोषण, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून और पोषण अभियान ने देश में पोषण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। आज हर बच्चे के स्वस्थ भविष्य को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। यह संकल्प केवल योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सशक्त निर्माण की मजबूत आधारशिला है।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्याम जाजू तथा अक्षय पात्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भरतर्षभ दास, उपाध्यक्ष चंचलपति दास, दिल्ली नगर निगम शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा उपस्थित रहे।

अक्षय पात्र फाउंडेशन के 'सुबह के पोषण कार्यक्रम' की दिल्ली में शुरुआत के साथ एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया गया है। यह एक पूरक पोषण पहल है जिसे स्कूली शिक्षा के शुरुआती घंटों में पोषण की गंभीर कमी को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। जहां एक पौष्टिक दोपहर का भोजन दिनभर के लिए ऊर्जा प्रदान करता है, वहीं एक पौष्टिक शुरुआत बच्चे के मन और शरीर के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है।

हर सुबह, कई बच्चे ठीक से नाश्ता किए बिना स्कूल आते हैं। नतीजतन, सुबह के शुरुआती घंटों में उनमें ऊर्जा की कमी होती है, जिससे उनकी संज्ञानात्मक क्षमता प्रभावित होती है और कक्षा में उनका ध्यान कम हो जाता है। लंबे समय में, इससे सीखने में कमी आ सकती है और उनके शैक्षणिक प्रदर्शन पर बुरा असर पड़ सकता है।

कार्यालय जिला पंचायत, शामली।

पत्रांकः 1096/जि0पं0शा0/2025-26 **दिनांकः 24.02.2026**

विज्ञप्ति

संख्या 4375/प्र0अ0/एल0बी0सी0/तेईस/223-बी/2015-उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 यथा संशोधित 1994 की धारा 239(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत, शामली के ग्रामीण क्षेत्रों में कारखाना (फैक्ट्री) को नियमित एवं विनियमित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत शामली द्वारा बनायी गयी उपविधि में संशोधित दरों को बोर्ड बैठक दिनांक-27.01.2026 के प्रस्ताव सं0-05 में उपविधि में संशोधन (दर में) करने हेतु प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किया गया। जो उल्लिखित अधिनियम की धारा 242(2) के प्रयोजनार्थ सर्वसाधारण को सूचनार्थ एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है। उक्त उपविधि की दरों में संशोधन में यदि किसी को कोई आपत्ति है तो वह प्रकाशन के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में या डाक द्वारा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

जिला पंचायत शामली कारखाना उपविधियों में संशोधन

उपविधि-3 ख-कारखाने से निकलने वाले गन्दे पानी अथवा किसी गन्दे क्षोभकर अथवा हानिप्रद पदार्थ के किसी नदी तालाब या जल सम्भरण के अन्य स्त्रोत या उससे किसी ऐसे निर्दिष्ट भाग में जिसका पानी साधारणतया पीने या स्नान करने के प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाया हो, नही डाला जायेगा। कारखाना स्वामी को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रमाणित ऐसे यन्त्र लगाना अनिवार्य होगा, जिससे स्वच्छ व स्वास्थ्यप्रद पानी कारखाना के बाहर निकले।

उपविधि-8 जो व्यक्ति जनपद के ग्रामीण क्षेत्र में कारखाना की स्थापना व संचालन करना चाहता है वह कारखाना की स्थापना से एक माह पूर्व कारखाने के प्रोजेक्ट सहित निर्धारित प्रपत्र पर लाईसेन्स हेतु प्रार्थना-पत्र देगे। प्रार्थना-पत्र कार्यालय से दस रूपये मूल्य पर उपलब्ध होगा। तब तक कारखाना की स्थापना नही की जायेगी जब तक उसने तत्सम्बन्धित लाईसेन्स न प्राप्त कर लिया हो। अवहेलना की दशा में सीआर0पी0सी0 की धारा 133 के अन्तर्गत कार्यवाही जिला प्रशासन द्वारा की जायेगी।

उपविधि-11 कारखाना उपविधियों के अन्तर्गत आगामी वर्ष के लिए लाईसेन्स का नवीनीकरण 30 सितम्बर तक करा लेने की दशा में निम्नलिखित शुल्क देय होगा। एक अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक लाईसेन्स नवीनीकरण कराने के लिए निम्न शुल्क के अतिरिक्त 25 प्रतिशत पैनल्टी का भुगतान देय होगा। 31 दिसम्बर के बाद कारखाना स्वामी के विरूद्ध चालान की कार्यवाही की जायेगी।

क्र.सं.	मद	वर्तमान दरें रू0	संशोधित दरें रू0
1.	2.	3.	4.
1.	आटा पीसने की चक्की	250.00	375.00
2.	धान कूटने की मशीन (राइस हलर)	500.00	750.00
3.	धान कूटने का मिल (राईस सेलर)	5,000.00	7,500.00
4.	लकड़ी चीरने की मशीन (आरा मशीन)	1,000.00	1,500.00
5.	तेल निकालने का कोल्हू	300.00	450.00
6.	एक्सपेलर	500.00	750.00
7.	रूई अथवा ऊन धूनने की मशीन	150.00	225.00
8.	खराद मशीन	250.00	375.00
9.	बर्मा मशीन	250.00	375.00
10.	शेपर मशीन	250.00	375.00
11.	हवा भरने की मशीन	200.00	300.00
12.	वैल्डिंग मशीन	250.00	375.00
13.	रसायन मशीन	250.00	375.00
14.	कपड़ा बनाने की खड्डी	600.00	900.00
15.	सरिया बनाने का कारखाना	25,000.00	37,500.00
16.	लोहा गलाने का कारखाना (प्रति भट्टी)	5,000.00	7,500.00
17.	बर्फ अथवा आईसक्रीम का कारखाना	5,000.00	7,500.00
18.	गत्ता अथवा कागज बनाने का कारखाना		
	क- 10 टन क्षमता से 20 टन तक	5,000.00	7,500.00
	ख- 20 टन क्षमता से 30 टन तक	15,000.00	22,500.00
	ग- 30 टन से अधिक क्षमता	50,000.00	75,000.00
19.	दूध का पाउडर तथा दूध से अन्य पदार्थ बनाने का कारखाना	10,000.00	15,000.00
20.	स्टील आयरन आदि से पाईप बनाने का कारखाना	10,000.00	15,000.00
21.	मशीन के पूर्जे, कील, कांटे, नटबोल्ट बनाने का कारखाना	4,000.00	6,000.00
22.	फल, सब्जियाँ, खाद्य पदार्थ सुरक्षित रखना	7,500.00	10,750.00
23.	पत्थर तथा ईट की रोडी या सुरखी बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
24.	रबर की वस्तुएं बनाने का कारखाना	2,500.00	3,750.00
25.	चीनी के बर्तन व टायल बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
26.	पीतल, एल्यूमीनियम, स्टील, शीशे, तांबे, टीन आदि की वस्तुएं बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
27.	वनस्पति घी बनाने का कारखाना	12,500.00	18,750.00
28.	शराब, स्प्रिट या एल्कोहल बनाने का कारखाना	50,000.00	75,000.00
29.	कृषि सम्बन्धी यन्त्र बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
30.	फर्टिलाईजर या कीटनाश दवाएं बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
31.	खाण्डसारी उद्योग के यन्त्र बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
32.	प्लास्टिक दाना या फिल्म बनाने का कारखाना	2,500.00	3,750.00
33.	कोयले को राख से बाई प्रोडक्ट या टिक्ली बनाने का कारखाना	2,500.00	3,750.00
34.	प्लास्टिक के पाईप, टंकी बनाने का कारखाना	7,500.00	11,250.00
35.	बिजली का सामान बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
36.	कपड़ा, कम्बल आदि की रंगाई, फिनिसिंग का कारखाना	5,000.00	7,500.00
37.	गन्धक फिटकरी या कलमी शोरा बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
38.	सीमेन्ट बनाने का कारखाना	12,500.00	18,750.00
39.	दाल मिल	7,500.00	11,250.00
40.	फ्लोर मिल	7,500.00	11,250.00
41.	रिनफोर्सड,सीमेन्ट,कंकरीट या पाईप बनाने का कारखाना	7,500.00	11,250.00

क्र.सं.	मद	वर्तमान दरें रू.	संशोधित दरें रू.
1.	2.	3.	4.
42.	टेलीविजन बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
43.	माचिस बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
44.	बटन बनाने का कारखाना	2,500.00	3,750.00
45.	मोमबत्ती बनाने का कारखाना	2,500.00	3,750.00
46.	प्लाईवुड या माइका बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
47.	पेय पदार्थ बनाने का कारखाना	12,500.00	18,750.00
48.	दवाई बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
49.	मसाले की इंटे आदि बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
50.	गत्ते के डिब्बे बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
51.	कैमिकल्स बनाने का कारखाना	10,000.00	15,000.00
52.	डबल रोटी, बिस्कुट बनाने का कारखाना	3,000.00	4,500.00
53.	गैस आदि बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
54.	गैस सिलैण्डर बनाने का कारखाना	7,500.00	11,250.00
55.	वैल्डिग रोड्स बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
56.	ढ़लाई का कारखाना (कोयले द्वारा)	5,000.00	7,500.00
57.	स्टील अलमारी, बक्से, फर्नीचर बनाने का कारखाना	12,500.00	18,750.00
58.	पशु आहार बनाने का कारखाना	3,500.00	5,250.00
59.	हड्डी मिल	7,500.00	11,250.00
60.	धागा बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
61.	चमड़े का सामान बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
62.	कपड़ा, दरी, कालीन आदि बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
63.	चिलिंग प्लान्ट	10,000.00	15,000.00
64.	साबुन डिटर्जेन्ट पाउडर आदि बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
65.	सर्वे व ड्राइंग का सामान बनाने का कारखाना	2,500.00	3,750.00
66.	रबड़ के टायर/ट्यूब बनाने का कारखाना	25,000.00	37,500.00
67.	कांच का सामान बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
68.	तिरपाल/मच्छरदानी/गाडियों के कवर बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
69.	मिनिरल वाटर बनाने का कारखाना	7,500.00	11,250.00
70.	दूध, मसाले, खादय पदार्थ पैकिंग करने का कारखाना	7,500.00	11,250.00
71.	पेय पर्दाथ, फल, आदि का भण्डार गृह	2,500.00	3,750.00
72.	समस्त प्रकार के बर्तन बनाने का कारखाना	2,500.00	3,750.00
73.	रबड़ फूकाई कर तेल निकालने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
74.	मुर्गा/मुर्गी फार्म (पांच हजार पक्षियों तक)	2,000.00	3,000.00
75.	मुर्गा/मुर्गी फार्म (पांच हजार पक्षियों से अधिक)	20,000.00	30,000.00
76.	लकड़ी/प्लास्टिक/थर्माकोल की चम्मच, दोने, पत्तल, गिलास आदि बनाने का कारखाना	10,000.00	15,000.00
77.	रूई से पैकेट/बण्डल बनाने का कारखाना	5,000.00	7,500.00
78.	पटाखे, आतिशबाजी व फूलझडी आदि बनाने का कारखाना	10,000.00	15,000.00
79.	बैट्री/बैट्रा बनाने का कारखाना	15,000.00	22,500.00
80.	बैट्री गलाना/बैट्री की प्लेट (लैड ईंगट) बनाने का कारखाना	10,000.00	15,000.00
81.	रिम/धुरे बनाने का कारखाना	15,000.00	22,500.00
82.	उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य कारखाना (कुटीर उद्योग)	2,500.00	3,750.00
83.	उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य कोई कारखाना (लघु उद्योग)	5,000.00	7,500.00
84.	उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य कोई कारखाना (वृहद उद्योग)	25,000.00	37,500.00

दण्ड

उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 (यथा संशोधित) की धारा 240 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत शामली निर्देश देती है कि जो व्यक्ति इन उपविधियों का उल्लंघन करेगा वह अर्थदण्ड से दण्डित होगा जो रूपये 1000.00 (रूपये एक हजार मात्र) तक हो सकेगा और जब ऐसा उल्लंघन जारी रहे तो अतिरिक्त अर्थदण्ड से दण्डित किया जायेगा जो प्रथम दोष सिद्धि के पश्चात् ऐसे प्रत्येक दिन के लिए जिसके बारे में यह सिद्ध हो जाये कि अपराधी अपराध करता रहा है रूपये 50.00 (रूपये पचास मात्र) तक हो सकेगा अथवा अर्थदण्ड का भुगतान न किया जाये तो कारावास के दण्ड से दण्डित किया जायेगा जो तीन मास तक हो सकेगा।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, शामली

अध्यक्ष
जिला पंचायत, शामली

डीएम की अध्यक्षता में हुई जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महात्मा गाँधी सभागार कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक आहूत हुई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग से सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों एवं शिक्षा विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार, पंचायती राज विभाग आदि के द्वारा प्रतिभाग किया गया। साथ ही आयुष्मान भारत कार्यक्रम में जनपद में बनाये गये आयुष्मान कार्ड की भी समीक्षा की गयी, जिसमे शेष समस्त लाभार्थी जिनका आयुष्मान कार्ड अब तक नहीं बना है। राशन डीलर से समन्वय करते हुए 31 मार्च तक शेष समस्त लाभार्थियों का कार्ड बनाने हेतु आदेशित किया गया। जिन राशन डीलर के द्वारा कार्य में सहयोग नहीं किया जायेगा उनपर भी कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी। इसके साथ की कार्य की प्रगति हेतु जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी की मॉनिटरींग में प्रत्येक दिन अपराहन 4 बजे गूगल मीट के द्वारा सम्बंधित विभागों की दैनिक प्रगति की समीक्षा की जाएगी। सर्वप्रथम सभी चिकित्सालयों को ओपीडी बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया एवं जिन भी विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी की सर्जरी न्यूनतम है, उन्हें नोटिस जारी करने के आदेश दिए गये। जनपद के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की प्रतिमाह न्यूनतम दो बार जनपद स्तरीय अधिकारियों के द्वारा औचक निरीक्षण किया जायेगा। उक्त निरीक्षण में अनुपस्थित कर्मियों पर कड़ी कारवाई की जाएगी। उक्त समीक्षा के दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से 4 बजे तक कार्य करने के आदेश दिया गया। साथ ही जिन केन्द्रों पर सीएचओ की तैनाती नहीं है वहां एएनएम के द्वारा नियमित कार्य किये जाने के आदेश दिए गए साथ ही केन्द्रों पर औषधि, टेस्ट किट की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु नोडल अधिकारी को आदेशित किया गया।

जनपद में शेष बची आशा के रिक्त पदों पर अविलम्ब चयन करने के निर्देश दिए गए एवं अब तक शून्य संस्थागत प्रसव कराने वाली एवं प्रतिमाह औसत रुपए 4000 से कम प्रोत्साहन राशि पाने वाली आशाओं को चिन्हित कर उन्हें पुनः प्रशिक्षण दिया जाय। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एमएमजी हॉस्पिटल, एसीएमओ सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शेरकोट क्षेत्र में सड़क किनारे मिला गुलदार का शव, हाई वोल्टेज विद्युत लाइन की चपेट में आने से मौत की आशंका

बिजनौर (शिखर समाचार) जनपद के शेरकोट क्षेत्र में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब नया गांव मार्ग पर स्थित एक पटाखा निर्माण इकाई के समीप सड़क किनारे एक गुलदार का शव पड़ा मिला। राहगीरों की नजर जैसे ही मृत गुलदार पर पड़ी, क्षेत्र में खबर आग की तरह फैल गई और मौके पर भारी भीड़ एकत्र हो गई। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह कुछ युवक जब मार्ग से गुजर रहे थे तो उन्होंने सड़क किनारे एक बड़े जंगली जानवर को पड़ा देखा। पास जाकर देखने पर वह गुलदार मृत अवस्था में मिला। इसकी सूचना तत्काल पुलिस और वन विभाग को दी गई। सूचना पर पुलिस टीम के साथ वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। डिप्टी रेंजर हरदेव सिंह के नेतृत्व में पहुंची वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। आसपास जांच करने पर सड़क किनारे खड़े यूकेलिप्टस के एक विशाल पेड़ पर काफी ऊंचाई तक गुलदार के पंजों के निशान पाए गए। प्राथमिक जांच के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि गुलदार किसी शिकार का पीछा करते हुए पेड़ पर चढ़ा होगा और उसी दौरान ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने के कारण वह नीचे गिर पड़ा, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। डिप्टी रेंजर हरदेव सिंह ने बताया कि मृत गुलदार नर है और उसकी आयु लगभग पांच वर्ष आंकी गई है। शरीर पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर गुलदार के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि की जा सकेगी। वन विभाग ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वन्य जीवों की गतिविधियों की सूचना तत्काल विभाग को दें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह से बचें। घटना के बाद से आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है, वहीं वन विभाग पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है।

आशुतोष शर्मा के नेतृत्व में भव्य होली मिलन समारोह, सर्वसमाज की सहभागिता से गूंजा सौहार्द का संदेश

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में होली के पावन अवसर पर एक भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन गढ़मुक्तेश्वर स्थित ली ग्रैंड होटल में किया गया, जिसमें सर्वसमाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में फूलों की होली खेलकर उपस्थित जनों ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं तथा आपसी भाईचारे, प्रेम और सहयोग का संदेश दिया। समाजवादी नेता आशुतोष शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। समारोह को संबोधित करते हुए आशुतोष शर्मा ने कहा कि गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा का प्रत्येक व्यक्ति उनके परिवार का सदस्य है और वे निरंतर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से परिवार रूपी इस समाज से जुड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज के आयोजन में समाज के सम्मानित लोगों का अभिनंदन किया गया तथा पारंपरिक तरीके से फूलों की होली खेली गई। उन्होंने यह भी कहा कि उनके प्रत्येक कार्यक्रम में हजारों लोगों की सहभागिता रहती है, जो उनकी सबसे बड़ी ताकत है। आने वाले समय में और अधिक ऊर्जा तथा समर्पण के साथ क्षेत्र के विकास और सामाजिक एकता के लिए कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन के नेता आदेश गुर्जर, सुनील शर्मा, ब्राह्मण सभा के पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र शर्मा, सरवन शर्मा, प्रदीप शर्मा, शौर्य शक्ति फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, अंकित भढ़ाना, विक्रम कसाना, अंकित कौशिक, जुगल किशोर शर्मा, महेश शर्मा, भूपेंद्र शर्मा, तरुण कश्यप, विनय यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह का समापन आपसी सौहार्द और एकता के संकल्प के साथ हुआ।

जेवर में भारतीय किसान यूनियन यूनिक की बैठक, किसानों की समस्याओं पर 9 मार्च तक समाधान का आश्वासन

जेवर (शिखर समाचार) भारतीय किसान यूनियन यूनिक की एक महत्वपूर्ण बैठक तहसील सभागार जेवर में राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर महेश सिंह के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी दुर्गेश सिंह ने की। बैठक में क्षेत्र के किसानों एवं आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से उठाया गया। इस दौरान सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, रजिस्ट्री कार्यालय तथा तहसील के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय महासचिव संजीव शर्मा ने बताया कि किसानों से जुड़ी अनेक समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। रजिस्ट्री विभाग में 12 वर्षों से अटकी फाइलें, तहसील में खतौनी से संबंधित त्रुटियां, लेखपालों के स्तर पर लापरवाही, विद्युत विभाग की जर्जर लाइनें, ट्रांसफार्मरों की कमी और गलत बिजली बिलों की शिकायतें प्रमुख रूप से उठाई गईं। इसके अलावा सिंचाई विभाग से रजवाहों में पानी की कमी, नहरों की शिफ्टिंग, जेवर नगर में लगने वाला जाम तथा खस्ता हाल सड़कों की समस्या भी अधिकारियों के समक्ष रखी गई। उप जिलाधिकारी दुर्गेश सिंह ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए माना कि अधिकांश समस्याएं वास्तविक हैं और किसानों व क्षेत्रीय जनता से सीधे जुड़ी हुई हैं। उन्होंने मौके पर ही कुछ समस्याओं का तत्काल समाधान कराया तथा संबंधित विभागों को लंबित शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही 09 मार्च 2026 तक सभी प्रमुख समस्याओं के समाधान का आश्वासन भी दिया। बैठक में अनिल शर्मा (राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि), मास्टर धर्म सिंह (राष्ट्रीय सलाहकार), सुभाष प्रधान, श्रीपाल भाटी, विकास शर्मा, हरिओम भाटी, अनिल तलान, चेतन शर्मा, अवनीश भाटी, समय सिंह, उमेश गर्ग, नवाब कुरैशी, भोला पहलवान, पिंकी सिंह, मास्टर प्रताप सिंह, संजू सिंह, कमल सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शामली जिला बार एसोसियेशन के चुनाव में बिजेन्द्र कुमार की वापसी, 74 मतों से दर्ज की जीत

शामली (शिखर समाचार) शामली जिला बार एसोसियेशन के अध्यक्ष पद पर बिजेन्द्र कुमार ने करीब तीन वर्ष बाद जोरदार वापसी करते हुए शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी तथा वर्तमान अध्यक्ष समर्थित चन्द्रभान सिंह को 74 मतों के रिकॉर्ड अंतर से पराजित कर अध्यक्ष पद पर कब्जा किया। वहीं सचिव पद पर सत्येन्द्र कुमार शर्मा ने भी तीन साल बाद पुनः जीत हासिल कर वापसी की। जिला बार एसोसियेशन के चुनाव में कुल 306 वैध मतों में से 288 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता बिजेन्द्र कुमार ने मतगणना के प्रारंभ से ही बढ़त बनाए रखी। उन्हें 181 मत प्राप्त हुए, जबकि चन्द्रभान सिंह को 107 मतों से संतोष करना पड़ा। इस प्रकार बिजेन्द्र कुमार ने 74 मतों के अंतर से चुनाव में सफलता हासिल की। महासचिव पद पर सत्येन्द्र कुमार शर्मा को 147 मत मिले। उनके प्रतिद्वंद्वी सतीश चौहान को 90 मत तथा चन्द्रवीर सिंह को 51 मत प्राप्त हुए। कोषाध्यक्ष पद के लिए आस मोहम्मद और मौहम्मद दिलशाद के बीच कड़ा मुकाबला रहा। दिलशाद को 142 मत मिले, जबकि आस मोहम्मद को 135 मत प्राप्त हुए। 10 अधिवक्ताओं ने नोटा का विकल्प चुना। सहसचिव पुस्तकालय पद पर प्रवीण कुमार 183 मतों के साथ विजयी रहे। कनिष्ठ सदस्य पद पर सुनील कुमार को 219, मधु को 191, दीपक को 180, फरियाद को 174, सना परवीन को 158 और प्रदीप को 157 मत प्राप्त कर जीत हासिल हुई। चुनाव के दौरान अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान, बार भवन में सुविधाओं के विस्तार और युवा अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। इन घोषणाओं ने बिजेन्द्र कुमार को व्यापक समर्थन दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पूर्व प्रातः 10:30 बजे से सदर तहसील स्थित बार भवन में मतदान प्रक्रिया शुरू हुई, जो शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों ने मिठाइयां बांटकर, ढोल-नगाड़ों की धुन पर और फूलमालाएं पहनाकर विजेताओं का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष राकेश शर्मा सहित मुकेश गर्ग, प्रदीप पंवार, रामकुमार वर्मा, विवेक कुमार, मनोज देशवाल, केडी शर्मा, मणिकांत शर्मा, सतेन्द्र खैवाल, सत्यनारायण सिंह और हिमांशु गौतम सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

डासना में गरजा जीडीए का बुलडोजर : तीन बड़ी अवैध कॉलोनियों को किया गया जमींदोज

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार) गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनाइजर्स के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को जारी रखते हुए शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। उपाध्यक्ष के कड़े निदेर्शों के बाद, प्रवर्तन जोन 3 की टीम डासना और कल्लू गढ़ी क्षेत्र में विकसित की जा रही तीन प्रमुख अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

विरोध के बावजूद जारी रही कार्रवाई

कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद स्थानीय निर्माणकताओं और भूमाफियाओं ने जमकर हंगामा किया और सरकारी काम में बाधा डालने की कोशिश की। माहौल को तनावपूर्ण होता देख प्राधिकरण के पुलिस बल ने स्थिति को संभाला और विरोध कर रहे लोगों को सख्ती से नियंत्रित किया। पुलिस के कड़े घेरे के बीच ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

इन क्षेत्रों में हुई बड़ी कार्रवाई

प्राधिकरण की टीम ने चिन्हित किए गए निम्नलिखित खसरा नंबरों पर ध्वस्तीकरण किया गया।

ग्राम कल्लू गढ़ीः खसरा संख्या 1380 में रेलवे लाइन के पास सतीश द्वारा विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी।

ग्राम डासनाः खसरा संख्या 1410 पर यासीन द्वारा किए जा रहे अवैध निर्माण।

कल्लू गढ़ी (डासना लाइन): खसरा संख्या 1348 और 1386 पर रविन्द्र चौधरी, रोहित चौधरी और ओमवीर चौधरी द्वारा बसाई जा रही कॉलोनी के निमार्णों को ढहा दिया गया।

मौके पर मौजूद रहा भारी अमला

प्रभारी प्रवर्तन जोन 3 के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, समस्त सुपरवाइजर और मेट मौजूद रहे। साथ ही, किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय पुलिस और प्राधिकरण का भारी पुलिस बल तैनात रहा।

चेतावनीः जीडीए ने साफ कर दिया है कि बिना मानचित्र स्वीकृत कराए और अवैध रूप से काटी जा रही कॉलोनियों के खिलाफ यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा। जनता से अपील की गई है कि वे ऐसी कॉलोनियों में निवेश न करें।

सीकरी खुर्द महामाया देवी मंदिर के विस्तार पर बनी समिति, 25 करोड़ से होगा सौंदर्यीकरण

मोदीनगर (शिखर समाचार) नगर के प्रसिद्ध एवं पौराणिक सीकरी खुर्द स्थित महामाया देवी मंदिर के खाते में जमा करीब 25 करोड़ रुपये की धनराशि अब मंदिर के विस्तारीकरण और सौंदर्यीकरण कार्यों में खर्च की जाएगी। इस संबंध में शनिवार को मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों एवं ग्रामीण प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। समिति द्वारा लिए गए निर्णयों के आधार पर ही आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में उपजिलाधिकारी अजीत सिंह, तहसीलदार रजत सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्रा सहित ग्रामीणों की ओर से किसान नेता बबली गुर्जर, राहुल प्रधान, नीरज प्रजापति, निर्दोष खटाना तथा तिलक राज समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में मंदिर के समग्र विकास, श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार तथा आगामी धार्मिक आयोजनों को अधिक सुव्यवस्थित और भव्य बनाने पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर के खाते में जमा धनराशि से विस्तारीकरण के लिए आसपास के किसानों से उचित मूल्य पर भूमि क्रय की जाएगी, जिससे मंदिर परिसर का दायरा बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में दो भव्य और विशाल प्रवेश द्वारों का निर्माण कराया जाएगा, जो इसकी धार्मिक गरिमा और आकर्षण को और बढ़ाएंगे। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए बेहतर मार्ग, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता और अन्य आधारभूत सुविधाओं को भी सुदृढ़ किया जाएगा। बैठक में विशेष रूप से चैत्र मास के नवरात्र के अवसर पर लगने वाले विशाल मेले की तैयारियों पर चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि इस वर्ष मेले को पहले से अधिक भव्य और सुव्यवस्थित रूप दिया जाएगा, ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सुरक्षा, पेयजल, साफ सफाई, यातायात व्यवस्था और अस्थायी दुकानों के सुव्यवस्थित संचालन की रूपरेखा भी समिति द्वारा तैयार की जाएगी।

पालिका अध्यक्ष ने यह भी बताया कि मेले के दौरान आसपास के किसानों की फसलों को होने वाले संभावित नुकसान की भरपाई के लिए पहले मुआवजा दिया जाता रहा है, लेकिन कई बार इसमें विलंब हो जाता था। अब निर्णय लिया गया है कि किसानों को फसल का मुआवजा अग्रिम रूप से प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े। समिति गठन के बाद मंदिर के विकास कार्यों को पारदर्शिता और नियोजित ढंग से आगे बढ़ाने पर बल दिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि सभी कार्य नियमानुसार और जनसहभागिता के साथ संपन्न कराए जाएंगे। बैठक के अंत में उपस्थित लोगों ने मंदिर के विस्तार और सौंदर्यीकरण को क्षेत्र की आस्था और विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सहयोग का भरोसा दिलाया।

मिश्रित अवैध आतिशबाजी पटाखों बनाने वाले 2 अभियुक्तों को लोनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लोनी पुलिस ने मिश्रित अवैध आतिशबाजी पटाखे बनाने वाले 2 अभियुक्त शहनावाज और अनीस को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 42 किलो विस्फोटक, 4 मशीन पटाखे बनाने वाली, 40 किलो फेवीकोल व 26 कट्टे प्लास्टिक के कट्टों में मिश्रित अवैध पटाखे बनाने का समान बरामद किया। यह दोनों फारुखनगर से पटाखा बनाने का सामान लाकर बेचा करते है। थाना अध्यक्ष लोनी ने बताया कि चेकिंग के दौरान इन दोनों को गिरफ्तार किया गया है। यह दोनों पटाखों का कच्चा सामान लाकर पटाखे बनाने का काम किया करते है। यह इस सामान को फरुखनगर से लाया करते है। सामान लाने के बाद पटाखे बनाकर शादी और कार्यक्रमों में लिए बेचा करते है। उससे कमाए गए पैसों को आपस में बांट लेते हैं। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह दोनों मशीन के माध्यम से पटाखे बनाने का काम किया करते है। पटाखे बनाने के लिए उनके पास कोई लाइसेंस नहीं है। पटाखे बनाने के बाद कार्यक्रमों में इनकी सप्लाई किया करते हैं।

शामली नगर पालिका का 1.37 अरब का बजट पारित, विकास कार्यों को मिली रफ्तार

शामली (शिखर समाचार) शहर के चहुंमुखी विकास और सौंदर्यकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए शामली नगर पालिका की बोर्ड बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1 अरब 37 करोड़ रुपये का प्रस्तावित बजट सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता पालिका चेयरमैन अरविंद संगल ने की। पालिका सभागार में आयोजित बैठक में प्रस्ताव संख्या एक के तहत प्रस्तुत बजट को करतल ध्वनि के साथ मंजूरी प्रदान की गई। चेयरमैन ने कहा कि लगभग 48 करोड़ रुपये की लागत से शहर के प्रमुख मार्गों, नालों और सार्वजनिक स्थलों का व्यापक विकास कराया जाएगा, जिससे शामली की सूरत बदलेगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। बैठक में स्व कर निर्धारण प्रणाली के अंतर्गत भवनकर व जलकर जमा करने में आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। जनहित को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 31 मार्च 2026 तक कर अदायगी पर 10 प्रतिशत की छूट देने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया। इससे नागरिकों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। चेयरमैन ने बताया कि मुख्य मार्गों के डिवाइडरों के सौंदर्यकरण और प्रकाश व्यवस्था के लिए 2 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वार्ड संख्या 3 और 4 में एक एक बारात घर के निर्माण पर 2 करोड़ रुपये, रविदास मंदिर स्थित सामुदायिक केंद्र की दूसरी मंजिल पर हाल निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपये तथा काका नगर में सामुदायिक केंद्र निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। पंडित दीनदयाल योजना के तहत लगभग 4 करोड़ रुपये के विकास कार्य कराए जाएंगे। नगरीय पेयजल योजना के अंतर्गत 2 करोड़ रुपये से ट्यूबवेल उपकरण, सबमर्सिबल पंप और स्वचालित पैनल लगाए जाएंगे। मल्टीलेयर पार्किंग के लिए 2 करोड़ रुपये तथा प्रमुख स्थानों पर वाटर कूलर लगाने के लिए 1 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सड़कों के सुद्दढ़ीकरण और वार्ड विकास कार्यों के लिए लगभग 15 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके अतिरिक्त पार्कों के सौंदर्यकरण पर 2 करोड़ रुपये, धार्मिक स्थलों के विकास पर 2 करोड़ रुपये, नए बस स्टैंड के निर्माण पर 2 करोड़ रुपये, छात्राओं के लिए डिजिटल लाइब्रेरी हेतु 2 करोड़ रुपये, ओपन जिम के लिए 1 करोड़ रुपये, तिरंगा चौक के विकास पर 1 करोड़ रुपये, पालिका के नए भवन के निर्माण पर 7 करोड़ रुपये तथा नमो पार्क के विकास पर 2 करोड़ रुपये के प्रस्ताव भी पारित किए गए। बैठक में अधिशासी अधिकारी विनोद सोलंकी सहित सभासद रोबिन गर्ग, साजिद, सेठपाल, गुलजार मंसूरी, संदीप कुमार, बॉबी, निशीकांत संगल और विनोद तोमर आदि उपस्थित रहे।

शामली में सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित, नैनो उर्वरकों के प्रयोग पर दिया गया जोर

शामली (शिखर समाचार) इफको द्वारा सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड, शामली पर जिला गन्ना अधिकारी रणजीत सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बसंतकालीन गन्ना फसल की बुवाई के दौरान नैनो उर्वरकों के वैज्ञानिक एवं संतुलित प्रयोग के प्रति कर्मचारियों और किसानों को जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में इफको के उप महाप्रबंधक ब्रजवीर सिंह, क्षेत्र प्रबंधक विवेक सिंह, ओम प्रकाश सिंह सचिव गन्ना समिति शामली, अजीत सिंह सचिव गन्ना समिति ऊन, प्रेम नारायण शुक्ला ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गन्ना समिति शामली, डीएन पाण्डेय ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गन्ना समिति ऊन तथा मारकंडे मौर्य ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गन्ना समिति थाना भवन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिला गन्ना अधिकारी रणजीत सिंह कुशवाहा ने उपस्थित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे बसंतकालीन गन्ना बुवाई में किसानों को नैनो उर्वरकों की प्रयोग विधि और उनके लाभ विस्तार से समझाएं। उन्होंने कहा कि यदि वैज्ञानिक पद्धति से नैनो उर्वरकों का उपयोग किया जाए तो उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। इफको के उप महाप्रबंधक ब्रजवीर सिंह ने जानकारी दी कि गन्ने के बीज को प्रति लीटर पानी में 10 मिलीलीटर नैनो डीएपी एवं जैविक कंसोर्टिया से उपचारित कर बुवाई करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त नैनो यूरिया प्लस, नैनो जिंक और नैनो कॉपर के प्रयोग की विधि एवं लाभों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि इन उर्वरकों के उपयोग से अंकुरण बेहतर होता है तथा फसल की प्रारंभिक वृद्धि सशक्त होती है।

क्षेत्र प्रबंधक विवेक सिंह ने दानेदार उर्वरकों और रासायनिक पदार्थों के अंधाधुंध प्रयोग से मृदा एवं फसलों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति आगाह किया। उन्होंने संतुलित मात्रा में उर्वरकों के प्रयोग पर बल देते हुए कहा कि गन्ने की पड़ी फसल में ऊपर से डीएपी उर्वरक डालने के बजाय नैनो डीएपी से उपचारित करना अधिक लाभकारी है। खड़ी फसल में नैनो डीएपी 500 मिलीलीटर एवं सागरिका 500 मिलीलीटर प्रति एकड़ की दर से पत्तियों पर छिड़काव करने की सलाह दी गई। इससे अधिक अंकुरण, अधिक कल्ले तथा अंततः उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित होती है।

ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक ऊन डीएन पाण्डेय ने इफको के नैनो उर्वरकों को भविष्य का उर्वरक बताते हुए सभी कर्मचारियों से इसके व्यापक प्रचार प्रसार का आह्वान किया।

कार्यक्रम में गन्ना सुपरवाइजर सहित लगभग 40 कर्मचारी उपस्थित रहे। इफको से शिवम शर्मा और कपिल कुमार भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। प्रशिक्षण के दौरान नैनो उर्वरकों के व्यवहारिक उपयोग, संतुलित पोषण प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विशेष बल दिया

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जूनियर हाईस्कूल में हर्षोल्लास से मनाई गई होली, कक्षा आठ के विद्यार्थियों को दी विदाई

शामली (शिखर समाचार) शहर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जूनियर हाईस्कूल में होली का पावन पर्व बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में रंगों की उमंग और खुशियों का वातावरण देखने को मिला। छात्र छात्राओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली खेली और आपसी प्रेम, सद्भाव तथा भाईचारे का संदेश दिया। विद्यालय परिवार की ओर से सभी विद्यार्थियों को सुरक्षित और प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की प्रेरणा दी गई। प्रधानाचार्य संजय सैनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि होली रंगों और उल्लास का पर्व है, जिसे हमें पूरी सावधानी और संयम के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रासायनिक और हानिकारक रंगों से बचते हुए प्राकृतिक रंगों का ही उपयोग करना चाहिए, ताकि किसी के स्वास्थ्य को हानि न पहुंचे। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि यह पर्व आपसी भेदभाव मिटाने, गले मिलकर मतभेद दूर करने और समाज में प्रेम तथा एकता को सुदृढ़ करने का संदेश देता है। इस अवसर पर कक्षा आठ के विद्यार्थियों के लिए विदाई एवं आशीर्वाद समारोह का भी आयोजन किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे की पढ़ाई परिश्रम, लगन और अनुशासन के साथ करने का संदेश दिया गया। आशीर्वचन और गीतों के माध्यम से शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। विदाई समारोह के दौरान भावुक क्षण भी देखने को मिले, जब विद्यार्थियों ने अपने विद्यालय जीवन की स्मृतियों को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान विवेक संगल, पल्लवी ऐरन, रविंद्र कुमार, सुधीर कुमार, आशीष जैन, मोहित कुमार, रवि कुमार, राजीव शर्मा, शिवकुमार धीमान और सोमदत्त शर्मा सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर रंगोत्सव का आनंद लिया और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर प्रधान चुने जाने का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना पिलखुवा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत रघुनाथपुर चंदपुरा के प्रधान हेमचंद के खिलाफ फर्जी प्रमाणपत्र बनवाकर चुनाव जीतने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले में प्रशासन ने पत्राचार के आधार पर पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए थे, जिसके बाद कोतवाली पिलखुवा में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। शिकायत के अनुसार प्रधान हेमचंद ने अनुसूचित जाति वर्ग का कूटरचित और फर्जी प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर आरक्षित श्रेणी का लाभ उठाया। आरोप है कि इसी प्रमाणपत्र के आधार पर उन्होंने पंचायत चुनाव लड़ा और विजयी हुए, साथ ही अन्य शासकीय सुविधाएं भी प्राप्त कीं। शिकायतकर्ता ने प्रमाणपत्र की सत्यता पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए इसे अवैध बताया है। बताया गया है कि 23 फरवरी 2026 को जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय की ओर से मामले की जांच के संबंध में पत्र जारी किया गया था। इसके अगले दिन 24 फरवरी को सहायक विकास अधिकारी ने प्रभारी निरीक्षक को पत्र प्रेषित कर स्पष्ट रूप से प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए। संबंधित पत्रों की प्रतियां साक्ष्य के रूप में संलग्न की गई हैं। प्रशासनिक स्तर पर पत्राचार के उपरांत कोतवाली पिलखुवा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दस्तावेजों की गहन जांच प्रारंभ कर दी है। प्रमाणपत्र की सत्यता, संबंधित अभिलेखों और चुनावी दस्तावेजों का मिलान कराया जा रहा है। क्षेत्राधिकारी अनीता चौहान ने बताया कि उपलब्ध अभिलेखों की गंभीरता से जांच की जा रही है। यदि आरोप प्रमाणित होते हैं तो संबंधित के विरुद्ध विधिक प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की तह तक जाने में जुटी है।

किसान डिग्री कॉलेज के खेल समागम में सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) सिम्भावली स्थित किसान डिग्री कॉलेज में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता एवं खेल समागम कार्यक्रम में अमरोहा लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों की उपस्थिति रही।

सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने कॉलेज परिसर में सीसी रोड से नई बिल्डिंग के गेट तक लगभग 13 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीसी सड़क का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में मूलभूत सुविधाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण मिल सके और वे शिक्षा के साथ साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। इसके उपरांत सांसद ने वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्र छात्राओं को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक मजबूती ही नहीं देते, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का भी विकास करते हैं। युवाओं को शिक्षा के साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रोफेसर विजय गर्ग, सचिव संदीप, अध्यक्ष संदीप कुमार, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य, शिक्षकगण, छात्र छात्राएं और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

ईयर फोन लगाकर ट्रैक पार कर रहे युवक की वंदे भारत एक्सप्रेस से कटकर मौत

मोदीनगर (शिखर समाचार) हापुड़ रोड रेलवे फाटक के पास शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में ईयर फोन लगाकर रेलवे ट्रैक पार कर रहे युवक की वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर के समय हापुड़ रोड रेलवे फाटक बंद था, क्योंकि इसी ट्रैक पर मेरठ से गाजियाबाद की ओर वंदे भारत एक्सप्रेस गुजरने वाली थी। इसी दौरान एक युवक कानों में ईयर फोन लगाए रेलवे लाइन पार करने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने ट्रेन को आते देख युवक को कई बार आवाज लगाई, लेकिन कानों में ईयर फोन होने के कारण उसे किसी की आवाज सुनाई नहीं दी।

देखते ही देखते तेज रफ्तार ट्रेन युवक को टक्कर मारते हुए काफी दूर तक घसीटती ले गई। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने का प्रयास शुरू किया।

कुछ देर बाद मृतक की पहचान 22 वर्षीय अतुल कुमार निवासी गांव कनकपुर, थाना भोजपुर के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए परिजनों को सूचना दे दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक पार करते समय सतर्कता बरतने और ईयर फोन का उपयोग न करने की अपील की है, ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

सरस्वती कॉलेज आफ फामेर्सी में पशु मुक्त औषधि परीक्षण पर राष्ट्रीय कार्यशाला

पिलखुवा/हापुड़ (शिखर समाचार) सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन हापुड़ के अंतर्गत संचालित सरस्वती कॉलेज आफ फामेर्सी में भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन मंत्रालय की समिति पशुओं पर प्रयोगों के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण समिति के सहयोग से 28 फरवरी को पशु मुक्त परीक्षण की नवाचार विधियाँ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य औषधीय अनुसंधान में नैतिकता, वैज्ञानिक नवाचार और आधुनिक वैकल्पिक परीक्षण पद्धतियों को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के महाप्रबंधक एन. वरदराजन ने की। इस अवसर पर चिकित्सा संस्थान की प्राचार्या डॉ. बरखा गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार डॉ. आर. के. सहगल, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मेजर जनरल जी. एस. अहलूवालिया, नर्सिंग

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. मनोहरी, मानव संसाधन प्रबंधक एल. रुबावती तथा लेखा प्रबंधक डी. सरवणन सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। सरस्वती कॉलेज आफ फामेर्सी के प्राचार्य डॉ. नितिन कुमार ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं सम्मान पत्र देकर स्वागत किया तथा संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान गतिविधियों और भावी शोध योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में औषधि अनुसंधान के क्षेत्र में पशु मुक्त परीक्षण विधियों का महत्व तेजी से बढ़ रहा है और संस्थान इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। कार्यशाला में बताया गया कि जटिल मानव रोगों के उपचार हेतु विकसित की जा रही नई दवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परंपरागत रूप से विभिन्न पशु प्रजातियों पर परीक्षण किए जाते रहे हैं, जिनमें कई बार पशुओं को कष्टदायक प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। ऐसे में वैज्ञानिक और नैतिक दृष्टि से वैकल्पिक परीक्षण पद्धतियों का विकास अत्यंत आवश्यक है। भारत में पशु परीक्षण केवल उन्हीं संस्थानों में किए जा सकते हैं जिन्हें पशुओं पर प्रयोगों के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण समिति से मान्यता प्राप्त है। समिति समय समय पर दिशा निर्देश जारी कर यह सुनिश्चित करती है कि पशुओं पर होने वाले प्रयोग यथासंभव पीड़ारहित हों तथा उनके स्थान पर प्रयोगशाला आधारित, कोशिका संस्कृति, संगणकीय प्रतिरूपण और अन्य पशु मुक्त तकनीकों को बढ़ावा दिया जाए। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में समिति के प्रतिनिधि डॉ. विवेक त्यागी, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा के आणविक चिकित्सा विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. सुब्रजीत विश्वास तथा स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के फामेर्सी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. शोकिंद्र कुमार ने अपने विचार रखे। डॉ. विवेक त्यागी ने भारत में पशु प्रयोगों के नियामक ढांचे, समिति की भूमिका और कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रोफेसर डॉ. सुब्रजीत विश्वास ने विषाक्तता परीक्षण, पूर्व नैदानिक औषधि खोज और जोखिम मूल्यांकन में नवाचार आधारित वैकल्पिक तकनीकों की उपयोगिता पर बल दिया। प्रोफेसर डॉ. शोकिंद्र कुमार ने पशु अनुसंधान में नैतिक और वैज्ञानिक संतुलन स्थापित करने के विभिन्न उपायों की विस्तार से जानकारी दी। राष्ट्रीय कार्यशाला में विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के निदेशक, शिक्षक तथा बड़ी संख्या में शोधार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। संवादात्मक सत्रों में प्रतिभागियों ने पशु मुक्त परीक्षण तकनीकों, नियामक अपेक्षाओं और भविष्य की शोध संभावनाओं पर विशेषज्ञों से विस्तृत चर्चा की। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। संस्थान के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. जे. रामचंद्रन तथा उपाध्यक्ष रम्या रामचंद्रन ने कार्यशाला के सफल आयोजन पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए पूरी टीम को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार और नेहा वर्मा ने किया, जबकि धन्यवाद प्रस्ताव प्रोफेसर डॉ. शिव कुमार गुप्ता और डॉ. निधि त्यागी ने प्रस्तुत किया। आयोजन को सफल बनाने में प्रोफेसर डॉ. नेहा सिंह, डॉ. सुप्रियो मैटी, डॉ. रश्मि शर्मा, दीपेश, प्रशांत सारस्वत, मनीष, खुर्शीद, विशाल, अजय, अनुपमा, योगेश, मोहित, संजय, अनुज, सुवलिहा और शादाब सहित समस्त टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह कार्यशाला औषधीय अनुसंधान में नैतिकता और नवाचार के समन्वय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई, जिसने शोधार्थियों और शिक्षकों को भविष्य की वैज्ञानिक चुनौतियों के प्रति नई दृष्टि प्रदान की।

यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने नगीना में तेज की संगठन विस्तार की मुहिम, पत्रकारों को वितरित किए परिचय पत्र

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन द्वारा संगठन विस्तार की दिशा में नगीना में महत्वपूर्ण पहल की गई। कस्बे के मोहल्ला अंबेडकर नगर स्थित मीडिया हाउस में तहसील स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन की जड़ों को कस्बा स्तर तक मजबूत करने और अधिक से अधिक पत्रकारों को यूनियन से जोड़ने पर जोर दिया गया। बैठक में बड़ी संख्या में पत्रकारों ने भाग लेकर संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष ज्योति लाल शर्मा ने की तथा संचालन मनोज वाल्मीकि ने किया। इस दौरान पत्रकारों की समस्याओं, उनके अधिकारों की सुरक्षा और संगठन की भावी कार्ययोजना पर विस्तार से विचार विमर्श हुआ। कार्यक्रम के दौरान यूनियन के सदस्यों को उनके नए परिचय पत्र भी वितरित किए गए। परिचय पत्र वितरण को संगठनात्मक मजबूती की दिशा में अहम कदम बताया गया। जिला अध्यक्ष ज्योति लाल शर्मा ने कहा कि संगठन का मूल उद्देश्य पत्रकारों की समस्याओं का प्रभावी समाधान करना और उन्हें एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के लिए मजबूत संगठन का होना आवश्यक है। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों से एकजुट होकर यूनियन से जुड़ने और संगठन को मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ रतेंद्र बिश्नोई ने अपने संबोधन में कहा कि मीडिया कर्मियों के आपसी बिखराव के कारण ही विभिन्न स्तरों पर उनका शोषण होता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर समाचार

प्रेषित करने के साथ-साथ आपसी एकता को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान समय में सबसे बड़ी आवश्यकता पत्रकारों की एकजुटता है, जिससे उनकी आवाज प्रभावी ढंग से उठाई जा सके।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही नगीना तहसील स्तर पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही तहसील मुख्यालय से जुड़े आसपास के सभी कस्बों के पत्रकारों को संगठन से जोड़कर यूनियन का व्यापक विस्तार किया जाएगा, ताकि पत्रकार हितों की रक्षा के लिए मजबूत संरचना तैयार की जा सके। इस अवसर पर अभय बिश्नोई, अफसर सिद्दीकी, धर्मेंद्र चौधरी, मुकेश त्यागी, नंदकिशोर, अक्षय चौहान, विकास अग्रवाल, अंकुर कुमार, आमन समशी, कोतवाली देहात से मनोज कुमार, डॉ संदीप शर्मा, पुरैनी से सुनील कुमार, राकेश उर्फ राके सहित क्षेत्र के अनेक पत्रकार और संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फाल्गुन एकादशी पर सती मंदिर में सजा भक्ति का दरबार, बाबा श्याम के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

शामली (शिखर समाचार) शहर के मोहल्ला पंसारियान स्थित सती मंदिर में फाल्गुन एकादशी के पावन अवसर पर भक्ति और उल्लास के साथ फाल्गुन महोत्सव मनाया गया। देर रात्रि तक चले इस धार्मिक आयोजन में बाबा श्याम के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और भजनों की स्वर लहरियों पर पूरा मंदिर परिसर भक्तिरस में डूब गया। शहर के श्री श्याम मंदिर सती वाला में ओम श्री बाबा श्याम परिवार सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित महोत्सव में बाहर से पधारे भजन गायक अनुराग मित्तल (भिवानी) और गौरव (दिल्ली) ने बाबा श्याम के एक से बढ़कर एक मनमोहक भजन प्रस्तुत किए। हारे के सहारे और श्याम तेरी बंसी पुकारे जैसे भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। पूरा वातावरण श्याम बाबा की जय के उद्घोष से गूंजायमान रहा। कार्यक्रम के दौरान सजे दरबार की भव्य सजावट और आकर्षक प्रकाश व्यवस्था श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। नमन गोयल

और नमन कुच्छल ने बाबा का मनोहारी श्रृंगार किया, जिसे देखने के लिए श्रद्धालु देर रात तक मंदिर परिसर में डटे रहे। देर रात्रि बाबा श्याम की महाआरती संपन्न हुई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। आरती के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। महोत्सव को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष सचिन जिंदल सहित विकास गर्ग, सचिन तायल, मनीष तायल, नितिन जिंदल, विकास गोयल, दिनेश जिंदल, नितेश जिंदल, अखिल तायल, सचिन गोयल, नीरज गोयल, संदीप गोयल, सुनील गोयल समेत अनेक श्रद्धालुओं का सक्रिय सहयोग रहा। आयोजन के माध्यम से समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और भक्ति भावना का संदेश भी दिया है।

लेनदेन विवाद में युवक को आत्महत्या के लिए उकसाने वाला आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार) जनपद के बिजनौर में लेनदेन के विवाद से जुड़े आत्महत्या प्रकरण में चांदपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर आत्महत्या करने वाले युवक के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को दबोच लिया, जबकि दूसरे फरार आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चांदपुर निवासी एक युवक ने कुछ दिन पूर्व फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। आत्मघाती कदम उठाने से पहले युवक ने एक वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया था। वीडियो में उसने अपनी मौत के लिए दो व्यक्तियों को जिम्मेदार ठहराया था और रुपयों के लेनदेन को लेकर मानसिक उत्पीड़न का

आरोप लगाया था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया था।

मामले में मृतक के पिता की तहरीर पर 3 फरवरी को संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाते हुए तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय स्तर पर पूछताछ के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की।

शनिवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नौगावां सादात थाना क्षेत्र के गांव सिकरिया निवासी सुलेमान पुत्र इकबाल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि सुलेमान और उसका साथी त्यागी नामक व्यक्ति मृतक युवक से रुपयों के लेनदेन को लेकर लगातार दबाव बना रहे थे। परिजनों का आरोप है कि आरोपियों द्वारा दी जा रही प्रताड़ना और मानसिक दबाव से क्षुब्ध होकर युवक ने यह कठोर कदम उठाया। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जा रहा है। मामले में नामजद दूसरे आरोपी त्यागी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूरे प्रकरण की गहनता से जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कांधला पुलिस की बड़ी कार्रवाई : नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार) जनपद के थाना कांधला क्षेत्र में नाबालिग के साथ दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस के अनुसार थाना कांधला क्षेत्र के ग्राम नाला निवासी विपिन पुत्र सतेंद्र पर आरोप है कि उसने वादिया की नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किया तथा घटना की जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर 26 फरवरी 2026 को थाना कांधला में मुकदमा अपराध संख्या 81/26 धारा 64(1), 115(2), 351(3) बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में चलाए जा रहे महिला अपराधियों के

खिलाफ अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी कैराना के पर्यवेक्षण में थाना कांधला पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी विपिन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक नरेंद्र कुमार वर्मा, हेड कांस्टेबल रविंद्र, कांस्टेबल नितिन कुमार, कांस्टेबल मोनू नागर शामिल रहे, जिन्होंने आरोपी की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डबल इंजन सरकार की विकास रफ्तार तेज, उज्ज्वला से महिला सशक्तिकरण को नई ऊर्जा

शामली (शिखर समाचार) होली के पावन अवसर पर डबल इंजन सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में 1.86 करोड़ उज्ज्वला परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी के रूप में 1500 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की। प्रदेश स्तर पर यह राशि योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा अंतरित की गई।

जनपद स्तर पर एम.एस. फार्म बैंकट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश स्तरीय आयोजन का सजीव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में वीरेन्द्र सिंह, प्रसन्न चौधरी, अशरफ अली, जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान, जिला पूर्ति अधिकारी अंकुर यादव सहित विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत होली पर्व की शुभकामनाओं के साथ करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र पर कार्य करते हुए हर पात्र लाभार्थी तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को प्राथमिकता दे रही है। जिन परिवारों को पहले कभी

रसोई गैस सिलेंडर नहीं मिला, उन्हें नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सिलेंडर उपलब्ध कराया गया है, जिससे महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप देश और प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उज्ज्वला योजना ने ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाकर स्वास्थ्य और सम्मान दोनों प्रदान किए हैं। कार्यक्रम के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी अंकुर यादव ने जानकारी दी कि जनपद शामली में 117570 उज्ज्वला लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी राशि उनके खातों में अंतरित की गई है। इससे होली के अवसर पर परिवारों को बड़ी राहत मिली है। कार्यक्रम के उपरांत एमएलसी वीरेन्द्र सिंह, शामली विधायक प्रसन्न चौधरी, विधायक अशरफ अली, जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान तथा ब्लॉक प्रमुख शामली जयदेव मलिक ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सब्सिडी के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए। इस अवसर पर उज्ज्वला योजना के जिला नोडल अधिकारी नवीन यादव, पूर्ति निरीक्षक कैराना, शामली, ऊन तथा समस्त आपूर्ति विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में लाभार्थियों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण बना दिया।

जिम्स कॉलेज में डिग्री से परे: एक सफल आपराधिक अधिवक्ता बनने के वास्तविक गुण विषय पर संगोष्ठी आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जिम्स इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस के विधि विभाग द्वारा डिग्री से परे: एक सफल आपराधिक अधिवक्ता बनने के वास्तविक गुण विषय पर बाह्य मार्गदर्शन सत्र का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विधि विद्यार्थियों को आपराधिक विधि के व्यावहारिक, नैतिक तथा पेशेवर आयामों से अवगत कराना था, ताकि वे केवल शैक्षणिक अध्ययन तक सीमित न रहकर विधिक पेशे की वास्तविक चुनौतियों को भी समझ सकें। संस्थान के संगोष्ठी कक्ष में आयोजित इस शैक्षणिक कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता विक्रांत डाबस ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि मात्र डिग्री प्राप्त कर लेना किसी अधिवक्ता की सफलता की गारंटी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायालयीन अनुभव, गहन विधिक शोध, तर्कशक्ति, प्रभावी संवाद क्षमता, नैतिक आचरण और निरंतर अध्ययन की प्रवृत्ति ही एक सफल आपराधिक अधिवक्ता की वास्तविक पहचान बनाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को न्यायालय की कार्यप्रणाली, वाद की रणनीति निर्माण, मुवक्किल से व्यवहार कौशल तथा अधिवक्ता के पेशेवर दायित्वों से जुड़े महत्वपूर्ण अनुभव साझा किए। उनके व्याख्यान से विद्यार्थियों को विधिक पेशे के व्यावहारिक पक्ष की गहरी

समझ प्राप्त हुई। यह कार्यक्रम जिम्स समूह के अध्यक्ष डॉ. अमित गुप्ता के संरक्षण तथा जिम्स इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल परिसर के निदेशक प्रो. (डॉ.) सचिन यादव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) पल्लवी गुप्ता एवं प्रो. (डॉ.) ए. के. त्यागी भी मंचासीन रहे।

विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) पल्लवी गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे मार्गदर्शन सत्र विद्यार्थियों को कक्षा अध्ययन से आगे बढ़कर विधिक क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों, नैतिक जिम्मेदारियों और पेशेवर अपेक्षाओं से परिचित कराते हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की पहल विद्यार्थियों के समग्र व्यावसायिक विकास, आत्मविश्वास और व्यावहारिक दक्षताओं को सुदृढ़ करने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होती है। कार्यक्रम के सफल संचालन में संकाय समन्वयक राधा गुप्ता तथा गौरव यादव (सहायक प्राध्यापक, विधि) की विशेष भूमिका रही। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई और प्रश्नोत्तर चरण में सक्रिय रूप से अपने जिज्ञासापूर्ण प्रश्न रखे, जिनका मुख्य वक्ता ने विस्तार से समाधान किया। अंत में गौरव यादव द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने मुख्य वक्ता, अतिथियों, संस्थान के नेतृत्व, संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। यह बाह्य मार्गदर्शन सत्र विधि विद्यार्थियों को व्यावसायिक दिशा प्रदान करने तथा उन्हें सक्षम, संवेदनशील और उत्तरदायी कानूनी पेशेवर के रूप में विकसित करने की दिशा में संस्थान की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण साबित हुआ।

सेवानिवृत्ति पर प्राचार्य राज सिंह यादव का सम्मान, शिक्षकों ने दी भावभीनी विदाई

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ गौतम बुद्ध नगर इकाई के जिलाध्यक्ष निरंजन सिंह नागर के नेतृत्व में शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने उप शिक्षा निदेशक तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, दनकौर के प्राचार्य राज सिंह यादव के सेवानिवृत होने पर डायट कार्यालय पहुंचकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने शिक्षा विभाग में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, समर्पण और अविस्मरणीय योगदान के लिए उन्हें बधाई देते हुए स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि राज सिंह यादव ने अपने कार्यकाल के दौरान शैक्षिक गुणवत्ता सुधार, प्रशिक्षण व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने और शिक्षकों को नवीन शिक्षण पद्धतियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में संस्थान ने कई रचनात्मक पहलें कीं, जिनका लाभ जनपद के शिक्षकों और विद्यार्थियों को दीर्घकाल तक मिलता रहेगा।

मेरठ मंडल के अध्यक्ष उमेश राठी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपकी सेवानिवृत्ति एक प्रेरणादायी युग के समापन का प्रतीक है। आपने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन किए और अनगिनत शिक्षकों को नई दिशा दी। आपकी दूरदर्शिता, सकारात्मक सोच और मार्गदर्शन सदैव हमारा पथ प्रदर्शन करता रहेगा। उन्होंने कामना की कि जीवन के इस नए अध्याय में आपको उत्तम स्वास्थ्य, सुख और नई उपलब्धियां प्राप्त हों।

इस अवसर पर प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष नागर, मेरठ मंडल अध्यक्ष उमेश राठी, जिलाध्यक्ष निरंजन सिंह नागर, मंडल उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा, जिला उपाध्यक्ष संजय भाटी, दनकौर ब्लॉक अध्यक्ष सत्यवीर सिंह सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने प्राचार्य राज सिंह यादव के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) ग्रेटर नोएडा द्वारा भव्य गौर पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) ग्रेटर नोएडा की ओर से 1 से 3 मार्च 2026 तक तीन दिवसीय गौर पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह पावन उत्सव चैतन्य महाप्रभु के अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन इस्कॉन मंदिर, ए 49, जीटा 1, ग्रेटर नोएडा (आम्रपाली ग्रैंड सोसायटी के समीप स्थित मैदान) में होगा। इस वर्ष महोत्सव में भक्तिमय होली, श्री श्री राधा कृष्ण नौका विहार, भगवान का अभिषेक, गौर कथा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा नाट्य लीला प्रमुख आकर्षण रहेंगे। तीनों दिनों में संध्या समय भव्य कीर्तन तथा भंडारा प्रसाद की विशेष व्यवस्था की जाएगी। श्रद्धालु भक्त आध्यात्मिक वातावरण में होली का आनंद ले सकेंगे और श्री श्री राधा कृष्ण की विशेष झांकी एवं नौका विहार के दर्शन कर सकेंगे। उत्सव

विभागाध्यक्ष अचिंत्य गोविंद प्रभु ने जानकारी देते हुए बताया कि नौका विहार के लिए 25 गुणा 60 फुट का कृत्रिम सरोवर तैयार किया जा रहा है, जिसे 400 किलोग्राम पुष्पों से सजाया जाएगा। भगवान के अभिषेक हेतु 500 किलोग्राम पुष्पों की व्यवस्था भक्तों द्वारा की गई है। 3 मार्च को अभिषेक के पश्चात भगवान को 1100 व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाएगा तथा श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण होगा। उत्सव कार्यकारिणी अध्यक्ष मुरली वदन प्रभु ने बताया कि इस वर्ष इस्कॉन के संस्थापकाचार्य ए. सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के वरिष्ठतम शिष्यों में से एक परम पूज्य लोकनाथ स्वामी महाराज का भी दिव्य सान्निध्य प्राप्त होगा, जिससे महोत्सव की आध्यात्मिक गरिमा और बढ़ जाएगी। इस्कॉन ग्रेटर नोएडा ने समस्त शहरवासियों एवं आसपास के क्षेत्रों के निवासियों से आग्रह किया है कि वे अपने परिवार एवं मित्रों सहित इस दिव्य उत्सव में पधारकर आध्यात्मिक आनंद का लाभ उठाएं। उत्सव में सहयोग एवं दान के लिए त्वरित प्रतिक्रिया संकेत (क्यूआर कोड) के माध्यम से भी योगदान दिया जा सकता है।

पीएम श्री विद्यालय में पीबीएल मेले का आयोजन, बच्चों ने प्रदर्शित किए विज्ञान मॉडल

मुरादनगर (शिखर समाचार)। पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय बसंतपुर सैंथली में प्रैक्टिस बाय लर्निंग योजना के अंतर्गत पीबीएल मेले का भव्य आयोजन किया गया। ग्राम बसंतपुर सैंथली स्थित विद्यालय परिसर में आयोजित इस मेले में छात्र छात्राओं ने अपने द्वारा तैयार किए गए विभिन्न विज्ञान संबंधी मॉडलों का आकर्षक प्रदर्शन किया और उनके कार्य सिद्धांतों की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की। मेले में विज्ञान के विविध विषयों पर आधारित मॉडल प्रदर्शित किए गए, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, सौर

ऊर्जा, जल संरक्षण, स्वच्छता व्यवस्था, प्रदूषण नियंत्रण तथा विज्ञान के दैनिक जीवन में उपयोग से जुड़े प्रकल्प विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ उपस्थित जनों को अपने-अपने मॉडल की कार्यप्रणाली समझाई और जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं अभिभावकों ने मेले का अवलोकन कर बच्चों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछकर उनके ज्ञान और समझ की परख की तथा उनकी प्रस्तुति शैली की सराहना की। अभिभावकों ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के साथ साथ उन्हें व्यावहारिक शिक्षा से भी जोड़ती हैं। इस अवसर पर प्रधानाचार्या अलका परिहार ने कहा कि प्रैक्टिस बाय लर्निंग के माध्यम से शिक्षा को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि उसे व्यवहारिक अनुभवों से जोड़ना आवश्यक है। ऐसे आयोजन बच्चों के बौद्धिक, मानसिक और रचनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का संचार होता है और वे मंच पर अपनी बात रखने का साहस विकसित करते हैं। विद्यालय परिवार ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षिक मेले और प्रदर्शनी आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच मिल सके और उनमें नवाचार की भावना प्रबल हो। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली का पर्व उल्लासपूर्वक मनाया। विद्यालय परिसर रंगों और खुशियों से सराबोर हो गया तथा पूरे वातावरण में उत्साह और सौहार्द का भाव दिखाई दिया।

जेवर में इस्कॉन मंदिर का भूमि पूजन, सैकड़ों भक्तों की रही सहभागिता

जेवर (शिखर समाचार) यमुना एक्सप्रेसवे के निकट और निमार्णाधीन नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से कुछ दूरी पर स्थित ढूंढेरा ग्राम में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के भव्य मंदिर के निर्माण हेतु भूमि पूजन समारोह श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच लोकनाथ स्वामी महाराज के करकमलों द्वारा कराया गया। इस अवसर पर उन्होंने भक्तों को संबोधित करते हुए श्रीकृष्ण कथा का रसपान कराया और संकीर्तन के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। समारोह में दिल्ली, नोएडा सहित आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया। क्षेत्रीय श्रद्धालुओं की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह रहे,

जिन्होंने मंदिर निर्माण को क्षेत्र के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस्कॉन जेवर के अध्यक्ष राधा कुंड ने बताया कि जिस प्रकार यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण हो रहा है और उसकी सहायता से लोग एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंच सकेंगे, उसी प्रकार भविष्य में यह मंदिर लोगों को भगवद्धाम तक पहुंचाने का आध्यात्मिक माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि मंदिर न केवल कृष्ण भक्ति का केंद्र होगा, बल्कि युवाओं में नैतिक मूल्यों और संस्कारों का संचार भी करेगा। उन्होंने आगे बताया कि प्रस्तावित परिसर में भविष्य में एक विशाल एवं भव्य मंदिर, गुरुकुल तथा गौशाला का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे धार्मिक, शैक्षिक और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर हरीश शर्मा, बंशीधर, अतुल, कृष्ण, राधा कुंड, जय नारायण सहित अनेक गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 : आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की के-एंड-के कंपनी में हुई सम्पन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की के एंड के कंपनी में सम्पन्न हुई, जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन (एनजीओ) की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुषो को कानून के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया की यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके, उसका समाधान करने का प्रयास करेगी। यदि समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा और यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है। मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

आईटीएस मोहननगर की सेलिब्रिटी नाइट में लक्ष्य कपूर का जलवा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहननगर में आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव NAVTARANG–WYSIWG 2026 का भव्य समापन प्रसिद्ध गायक लक्ष्य कपूर की ऊर्जावान प्रस्तुतियों के साथ हुआ। इंटर कॉलेज कल्चरल फेस्ट के दूसरे दिन आयोजित सेलिब्रिटी नाइट विद्यार्थियों और उपस्थित जनसमूह के लिए अविस्मरणीय बन गई। कार्यक्रम की शुरूआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। जैसे ही लक्ष्य कपूर मंच पर पहुंचे, तालियों और जयकारों से पूरा प्रांगण गूंज उठा। उन्होंने अपने लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति देकर छात्रों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मोबाइल फ्लैशलाइट्स की रोशनी और युवाओं के उत्साह ने पूरे परिसर को संगीतमय जश्न में बदल दिया। आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा NAVTARANG–WYSIWG केवल सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति का सशक्त मंच है। ऐसे आयोजन आत्मविश्वास, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं। इस वार्षिकोत्सव में कुल 23 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें क्विज, क्रॉसवर्ड, बिजनेस प्लान, सोलो एवं ग्रुप डांस, टी शर्ट पेंटिंग, क्रिएटिव राइटिंग, नेल आर्ट, स्ट्रीट प्ले, सोलो सिंगिंग, बैटल ऑफ बैंड, पोस्टर मेकिंग, फेस पेंटिंग, फैशन शो, पोएट्री, मिमिक्री, अंताक्षरी, डुएट सिंगिंग, डिबेट, रंगोली, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और सुडोकु जैसी गतिविधियां शामिल रहीं। दिल्ली, मेरठ, हापुड़, गाजियाबाद,

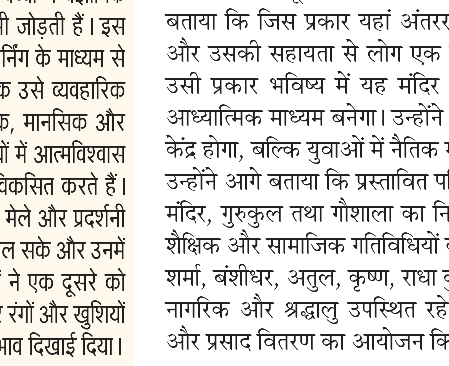

मोदीनगर, दादरी, नोएडा और ग्रेटर नोएडा सहित 100 से अधिक संस्थानों के लगभग 1500 छात्र छात्राओं ने इसमें भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। लक्ष्य कपूर ने गीतों के साथ साथ दर्शकों से संवाद कर कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। हर प्रस्तुति के बाद तालियों की गड़गड़ाहट से आईटीएस का प्रांगण गुंजायमान होता रहा। समापन अवसर पर आईटीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डायरेक्टर डॉ. अजय कुमार, डायरेक्टर डॉ. सुनील कुमार पांडेय, यूजी कैंपस की प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. नैंसी शर्मा, अकादमिक डीन डॉ. विदुषी सिंह सहित समस्त संकाय सदस्य, इवेंट कोऑर्डिनेटर्स और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

एसीपी उपासना पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई थाना कोतवाली नगर पर पीस मीटिंग, क्षेत्र में किया फ्लैग मार्च

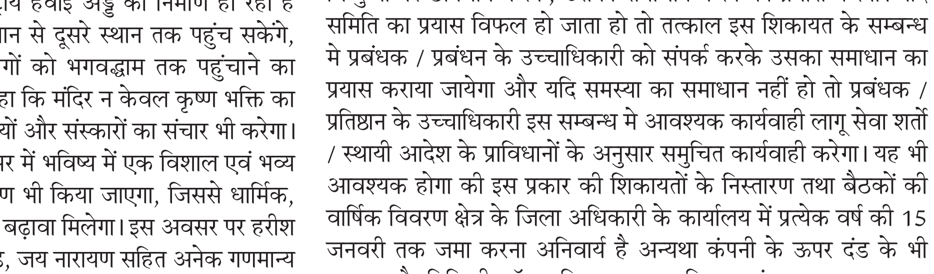

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। होली के महापर्व को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न करने के लिए गाजियाबाद में पुलिस अलर्ट मोड पर है। जगह-जगह सख्त चेकिंग अभियान चलाते हुए संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही है। इसके अलावा पुलिस फ्लैग मार्च निकालते हुए लोगों से लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करने की अपील भी कर रही है। शनिवार को एसीपी कोतवाली नगर उपासना पाण्डेय की अध्यक्षता में थाना कोतवाली नगर पर पीस मीटिंग का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के सम्मानित लोगों से पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई। मीटिंग में उन्हें कहा गया कि वह त्योहार पर क्षेत्र के अंदर शांति बनाए रखने में पुलिस का पूर्ण सहयोग करें। अगर कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दे। क्षेत्र का माहौल किसी भी स्थिति में बिगड़ने नहीं दे। एसीपी ने मीटिंग में कहा कि अगर किसी ने भी लॉ एंड ऑर्डर बिगाड़ते हुए माहौल खराब करने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने थाना कोतवाली नगर पुलिस के साथ क्षेत्र में फ्लैग मार्च भी किया। फ्लैग मार्च के दौरान एक बार पुनः लोगों से लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने की अपील की गई। पीस मीटिंग के दौरान थाना अध्यक्ष कोतवाली नगर सचिन कुमार भी मौजूद रहे।

रबूपुरा में मुठभेड़ के बाद पांच गौवध आरोपी गिरफ्तार, दो पुलिस की गोली से घायल

रबूपुरा (शिखर समाचार)। शुक्रवार रात थाना रबूपुरा पुलिस और गौवध के आरोपियों के बीच हुई मुठभेड़ में पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गौवध में प्रयुक्त होने वाले औजार व अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार रात में वाहन चेकिंग के दौरान गांव रौनिजा के पास एक ऑटो को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक वाहन मोड़कर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया तो ऑटो में सवार बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश घायल हो गए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। उनके कब्जे से दो तमंचे और कारतूस बरामद किए गए। घायलों की पहचान ओखला, नई दिल्ली निवासी सैयद और मेवात क्षेत्र, हरियाणा निवासी गोरामियां के रूप में हुई है। इस दौरान उनके अन्य साथी मेवात निवासी मुंसर कमाल, मोहम्मद बिलाल तथा मदनपुर खादर निवासी पुष्पेंद्र कुमार को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक ऑटो, गौवध के लिए रखे गए दो चाकू, चार सिरिंज, चार इंजेक्शन की शीशियां, दो आरी ब्लेड, लोहे का नुकीला सरिया, प्लास्टिक के खाली कट्टे और रस्सी आदि सामान बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक गुरुवार को थाना क्षेत्र में गौवंश के अवशेष मिलने के बाद गौवध निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आरोपी उसी प्रकरण में वांछित चल रहे थे। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक इतिहास की विस्तृत जानकारी जुटाने में लगी है।

विजय मंडी में खराब स्ट्रीट लाइटें हुईं दुरुस्त, क्षेत्रवासियों को मिली बड़ी राहत

मुरादनगर (शिखर समाचार)। विजय मंडी क्षेत्र में लंबे समय से खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को आखिरकार दुरुस्त कर दिया गया है। लाइटें खराब होने के कारण रात्रि के समय क्षेत्रवासियों को अंधेरे में आवागमन करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए यह स्थिति काफी असुविधाजनक और असुरक्षित बनी हुई थी। स्थानीय लोगों द्वारा कई बार समस्या उठाए जाने के बाद सभासद नितिन कुमार ने मामले को गंभीरता से लिया और संबंधित विभाग से संपर्क कर त्वरित कार्रवाई कराई। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप कालोनी में लगी सभी खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कर उन्हें पुनः चालू करा दिया गया। स्ट्रीट लाइटें चालू होने से जहां रात्रि में आवागमन सुगम हुआ है, वहीं क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत हुई है। अंधेरा छंटने से असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर भी अंकुश लगने की उम्मीद जताई जा रही है। क्षेत्रवासियों में अब संतोष और राहत का माहौल है। कालोनी निवासी बुद्धप्रकाश गोयल, रामकिशन बंधु, मंगलसैन गर्ग, नवनीत गुप्ता, रजनीश कुमार और सचित गोयल सहित अन्य लोगों ने सभासद नितिन कुमार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को इसी तरह जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहना चाहिए।

गढ़ कोतवाली पुलिस ने बांग्लादेशी महिला व उसके पति को किया गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ़ कोतवाली क्षेत्र के गांव दोताई में अवैध रूप से रह रही एक बांग्लादेशी महिला और उसके पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। महिला पासपोर्ट और वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रही थी। मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और जांच के बाद कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बांग्लादेश की रहने वाली महमूदा बेगम भारत आकर गांव दोताई में रानी बेगम के नाम से रह रही थी। वह गांव निवासी अपने पति मोहम्मद मशरूफ के साथ रह रही थी। बताया गया है कि उसकी एसआईआर की प्रक्रिया भी कराई गई थी, लेकिन प्रशासन को संदेह होने पर मामले की जांच कराई गई। जांच में पाया गया कि महिला की पासपोर्ट और वीजा अवधि समाप्त हो चुकी थी, इसके बावजूद वह भारत में निवास कर रही थी। जांच के बाद गढ़ कोतवाली पुलिस ने महिला महमूदा बेगम उर्फ रानी

बेगम और उसके पति मोहम्मद मशरूफ के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आवश्यक दस्तावेज भी अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में विनीत भटनागर ने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच अधिकारियों से कराई जा रही है। यदि जांच के दौरान किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की गहनता से पड़ताल कर रही है और यह भी जांच की जा रही है कि महिला किन परिस्थितियों में यहां रह रही थी तथा उसके दस्तावेजों की सत्यता क्या है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध रूप से भारत में निवास करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

समाचार पत्र पंजीयन (केन्द्रीय) कानून के अन्तर्गत अपेक्षित राष्ट्रीय शिखर गाजियाबाद नामक समाचार पत्र से सम्बन्धित स्वामित्व और अन्य बातों का ब्यौरा

प्रपत्र-4

1. प्रकाशन का स्थान — गाजियाबाद
2. प्रकाशन अवधि — दैनिक
3. मुद्रक का नाम — रजनी कुमारी-मैसर्स साई प्रंटिंग प्रेस
क्या भारत का नागरिक है — हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश) — XXXXXXXXXXXXXXX
पता — D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर (उ० प्र०)
4. प्रकाशक — अनीता शर्मा
क्या भारत का नागरिक है — हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश) — XXXXXXXXXXXXXXX
पता — जी-271, एच.आई.जी. प्रताप विहार गाजियाबाद (उ०प्र०)
5. सम्पादक का नाम — अतुल शर्मा
क्या भारत का नागरिक है — हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश) — XXXXXXXXXXXXXXX
पता — जी-271, एच.आई.जी. प्रताप विहार गाजियाबाद (उ०प्र०)

6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के 1 प्रतिशत के साझेदार या हिस्सेदार हों : कोई नहीं

मैं अनीता शर्मा एतद्वारा घोषित करती हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के आनुसार ऊपर दिए विवारण सत्य हैं ।

दिनांक 01 मार्च, 2026

हस्ताक्षर / अनीता शर्मा
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

संपादकीय

मथुरा-वृंदावन की होली: आस्था, अर्थव्यवस्था और व्यवस्था के बीच संतुलन की चुनौती

रंगों का पर्व होली केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। जब बात मथुरा वृंदावन की होली की आती है, तो यह उत्सव एक आध्यात्मिक अनुभव, सांस्कृतिक विरासत और वैश्विक आकर्षण का अनूठा संगम बन जाता है। फाल्गुन मास के आगमन के साथ ही श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा और राधारानी की लीला स्थली वृंदावन में होली का उल्लास आरंभ हो जाता है, जो धूलेंडी तक निरंतर चरम पर रहता है। आज 28 फरवरी 2026 को जब पूरा देश होली की तैयारियों में जुटा है, तब मथुरा वृंदावन की होली केवल रंगों की छटा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान, पर्यटन अर्थव्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था की परीक्षा का भी विषय बन गई है।

मथुरा और वृंदावन की होली की विशेषता यह है कि यहाँ रंग केवल गुलाल तक सीमित नहीं रहते, बल्कि परंपराएँ भी रंग बिखेरती हैं। बरसाने की लठमार होली, नंदगांव की हुरंगा, फूलों की होली, विधवा महिलाओं की होली ये सभी आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक संदेश भी देते हैं। श्री बांके बिहारी मंदिर में खेली जाने वाली फूलों की होली विश्वभर से आए श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर देती है। यह वह क्षण होता है जब भक्ति और उल्लास का भेद मिट जाता है और रंगों में डूबी भीड़ एक सामूहिक भाव में बंध जाती है। किन्तु इस भव्यता के पीछे कई गंभीर प्रश्न भी खड़े होते हैं। हर वर्ष लाखों की संख्या में देशी विदेशी पर्यटक यहाँ पहुँचते हैं। होली के सप्ताह में इन शहरों की जनसंख्या कई गुना बढ़ जाती है। परिणामस्वरूप यातायात, स्वच्छता, सुरक्षा और आवास जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं पर भारी दबाव पड़ता है। प्रशासन की चुनौती यह है कि आस्था और परंपरा को अक्षुण्ण रखते हुए व्यवस्था को भी संतुलित रखा जाए। यदि भीड़ नियंत्रण में कमी रह जाए तो भगदड़ जैसी घटनाएँ घट सकती हैं, जो उत्सव को त्रासदी में बदल देती हैं। दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष पर्यावरण का है। परंपरागत प्राकृतिक रंगों की जगह रासायनिक रंगों का बढ़ता प्रयोग न केवल त्वचा और आँखों के लिए हानिकारक है, बल्कि यमुना नदी के जल को भी प्रदूषित करता है। यमुना पहले ही प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रही है। होली के बाद बड़ी मात्रा में रंग, प्लास्टिक की पिचकारियाँ और अन्य अपशिष्ट नदी और आसपास के क्षेत्रों में पहुँच जाते हैं। यह स्थिति हमारी धार्मिक आस्था और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच टकराव को उजागर करती है। क्या यह संभव नहीं कि मथुरा वृंदावन की होली प्राकृतिक रंगों, जैविक गुलाल और पर्यावरण अनुकूल व्यवस्थाओं के साथ एक आदर्श उदाहरण बने? सामाजिक दृष्टि से भी मथुरा वृंदावन की होली परिवर्तन का प्रतीक बनी है। कुछ वर्ष पहले तक वृंदावन की विधवाओं को सामाजिक रूप से रंगों के उत्सव से दूर रखा जाता था। परंतु अब वे भी गुलाल उड़ाती हैं, गीत गाती हैं और समाज के मुख्य प्रवाह में शामिल होती दिखाई देती हैं। यह परिवर्तन केवल उत्सव का विस्तार नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में आए बदलाव का संकेत है। होली यहाँ समानता और समावेश का संदेश देती है कि रंगों के इस उत्सव में कोई पराया नहीं। आर्थिक दृष्टि से यह पर्व क्षेत्र की जीवनरेखा बन चुका है। होटल, गेस्ट हाउस, परिवहन, हस्तशिल्प, मिठाई और फूलों के व्यवसाय को इस अवधि में अभूतपूर्व बढ़ावा मिलता है। स्थानीय कलाकारों, कीर्तन मंडलियों और सांस्कृतिक समूहों को भी मंच मिलता है। पर्यटन से जुड़ी आय हजारों परिवारों की आजीविका सुनिश्चित करती है। परंतु इसके साथ ही अनियंत्रित व्यावसायीकरण का खतरा भी बढ़ता है। यदि होली केवल इवेंट बनकर रह जाए और आध्यात्मिकता पीछे छूट जाए, तो इसकी मूल आत्मा आहत होगी।

~ मौलिक चिंतन ~

बड़े बड़े सपने देखने वाले कभी बूढ़े नहीं होते, क्योंकि सपने साकार करने की ज़िद उन्हें हमेशा जवान रखती है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

इस क्षेत्रीय युद्ध को वैश्विक संकट में बदलते हुए देर नहीं लगेगी

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम एशिया एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ा है और इस बार चिंगारी किसी सीमा विवाद या छाया संघर्ष की नहीं, बल्कि खुली सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिका और इजराइल ने जिस समन्वित अभियान के तहत ईरान पर प्रहार किया है, उसने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन को झकझोर दिया है। सवाल यह है कि क्या यह कदम वास्तव में परमाणु खतरे को रोकने के लिए था, या फिर पश्चिम एशिया की राजनीति को अपने अनुकूल ढालने की एक सुनियोजित चाल है?

तेहरान पर सीधे हमले, सर्वोच्च नेतृत्व को निशाना बनाने की कोशिश और शासन परिवर्तन के संकेत, यह सब किसी सीमित सैन्य कार्रवाई की परिभाषा में नहीं आता। यह शक्ति प्रदर्शन है। यह संदेश है कि जो अमेरिकी रणनीति के खिलाफ खड़ा होगा, उसे सैन्य कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन इतिहास गवाह है कि बाहरी हस्तक्षेप से पैदा हुई अस्थिरता अक्सर नियंत्रण से बाहर हो जाती है। इराक और अफगानिस्तान के अनुभव अभी पुराने नहीं हुए हैं।

ईरान का जवाब भी उतना ही आक्रामक है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाना और खाड़ी देशों तक मिसाइलों की पहुंच दिखाना यह बताता है कि संघर्ष सीमित नहीं रहेगा। यदि खाड़ी के देश भी अपनी जमीन पर हुए हमले के विरोध में ईरान के खिलाफ सीधे युद्ध में उतरते हैं तो यह आग कई सीमाओं को लांघ सकती है। इससे समुद्री मार्गों, तेल आपूर्ति और सामरिक जलडमरूमध्य पर खतरा बढ़ेगा जिससे संकट केवल क्षेत्रीय स्तर पर नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर फैल जायेगा।

सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है। यदि वहां अवरोध पैदा होता है तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ टूट सकती है। तेल की कीमतों में उछाल केवल बाजार का आंकड़ा नहीं होता, वह विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर देता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर हैं, वह सीधे प्रभावित होंगे। महंगाई बढ़ेगी, राजकोषीय दबाव बढ़ेगा और आम नागरिक की जेब पर बोझ पड़ेगा।

यह भी स्पष्ट है कि इस टकराव का असर केवल सैन्य या आर्थिक नहीं है। हवाई क्षेत्र बंद हो रहे हैं, उड़ानें रद्द हो रही हैं, प्रवासी समुदायों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में बसे लाखों भारतीयों की सुरक्षा का प्रश्न हमारे लिए केवल कूटनीतिक मुद्दा नहीं, मानवीय दायित्व भी है।

सबसे खतरनाक पहलू यह है कि बड़ी शक्तियां अलग अलग खेमों में बंटती दिख रही हैं। यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है और अन्य शक्तियां भी खुलकर पक्ष लेने लगती हैं, तो यह टकराव बहुध्रुवीय युद्ध का रूप ले सकता है। विश्व युद्ध शब्द का प्रयोग भले अभी अतिशयोक्ति लगे, पर वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक गठबंधनों पर पड़ने वाला प्रभाव इसे विश्वव्यापी संकट अवश्य बना सकता है।

बहरहाल, आज जरूरत है संयम की, संवाद की और कूटनीतिक साहस की। शक्ति प्रदर्शन से अस्थायी बढ़त मिल सकती है, स्थायी शांति नहीं। यदि पश्चिम एशिया को फिर से युद्धभूमि बनाया गया, तो उसकी कीमत केवल वहां के लोग नहीं, पूरी दुनिया चुकाएगी। भारत को संतुलित, दृढ़ और दूरदर्शी कूटनीति के साथ अपनी ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। देखा जाये तो युद्ध की आंधी में विवेक ही सबसे बड़ा हथियार होता है।

वोट के लिए मुफ्त की रेवड़ी से कर्जे के अंधकूप में देश

योगेन्द्र योगी

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओ त्से-तुंग ने कहा था कि किसी आदमी को एक मछली दो और तुम उसे एक दिन के लिए खिलाओगे। उसे मछली पकड़ना सिखाओ और तुम उसे ज़िंदगी भर खिलाओगे। आज के भारतीय शब्दों में यह है कि हर नेता जो मुफ्त चीजों का वादा करता है, असल में यह कह रहा है कि मैं तुम्हें एक अच्छी रोजी-रोटी और रेगुलर इनकम की इज्जत नहीं दे सकता। इसलिए अभी के लिए यह कुछ है, इसी से काम चला लो। चुनाव आते ही मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए राजनैतिक दलों में मुफ़्त की रेवड़ी बाँटने की होड़ लग जाती है। कोई मुफ़्त बिजली और पानी देने की बात करता है तो कोई स्मार्टफोन, लैपटॉप, साइकिल और टीवी की बात करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निःशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। बिजली वितरण कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में विद्युत संशोधन नियम, 2024 के एक नियम को चुनौती दी थी।

इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों का रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए। अगर आप सुबह से शाम तक मुफ्त भोजन देना शुरू कर देंगे, फिर मुफ्त साइकिल, मुफ्त बिजली देंगे, तो कौन काम करेगा और फिर कार्य संस्कृति का क्या होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से कहा कि वैलफेयर के तौर पर आप उन लोगों को देना चाहते हैं जो बिजली का चार्ज नहीं दे सकते, लेकिन जो लोग खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते, उनके बीच फर्क किए बिना, आप बांटना शुरू कर देते हैं। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। इसमें अनुमान के मुताबिक, राज्य का कुल बकाया कर्ज बढ़कर 10.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस बढ़ते कर्ज के लिए वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने केंद्र को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु में वित्तीय अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की मंजूरी नहीं दे रही है और केंद्र प्रायोजित योजनाओं का फंड रोक रही है। उन्होंने जीएसटी दरों में कटौती और 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर भी निराशा जताई।

मंत्री थेन्नारसु के अनुसार संघीय ढांचे में राज्यों के साथ ऐसा अनुचित व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। द्रमुक (डीएमके) सरकार ने अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के लिए फंड की कमी नहीं होने दी। महिलाओं के लिए ह्यविदियाल पयानमह्ण योजना (मुफ्त बस यात्रा) के लिए 4,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसके अलावा, छात्रों के लिए बस किराए की योजना हेतु 1,782 करोड़ रुपये और डीजल सब्सिडी के लिए 1,857 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कुल मिलाकर परिवहन विभाग को 13,062 करोड़ रुपये मिले। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए भी सरकार ने 5,463 करोड़ रुपये का बड़ा हिस्सा अलग रखा है। तमिलनाडु में पिछले 4 वर्षों में प्रति परिवार कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 3.7 लाख रुपए तक पहुंच गया है, जो राज्य की गंभीर वित्तीय स्थिति को दर्शाता है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु पर देश में सर्वाधिक 8.34 लाख करोड़ रुपये कर्ज है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है। इस पर 7.69 लाख करोड़ रुपये कर्जा है। इसी तरह महाराष्ट्र पर 7.22 लाख करोड़, पश्चिम बंगाल पर 6.58 लाख करोड़ रुपये, कर्नाटक पर 5.97 लाख करोड़ रुपये, राजस्थान पर 5.62 लाख करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश पर 4.85 करोड़ रुपये का कर्जा है। गुजरात पर 4.67 लाख करोड़ रुपये, केरल पर 4.29 लाख करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश पर 4.18 लाख करोड़ रुपये, तेलंगाना पर 3.89 लाख करोड़ रुपये, पंजाब पर 3.51 लाख करोड़ रुपये, हरियाणा पर 3.36 लाख करोड़ रुपये, बिहार पर 3.19 लाख करोड़ रुपये और असम पर 1.51 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। वर्ष 2016-17 के बाद कर्ज पर निर्भरता लगातार बढ़ती गई।

वोट बैंक की राजनीतिक के कारण ऐसी लोकलुभावन मुफ्त की योजनाओं के कारण छोटा पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश डेब्ट ट्रैप में फंस गया है। आलम यह है कि हिमाचल सरकार के पास लिए गए कर्ज की मूल रकम व उस पर लगने वाले ब्याज को चुकाने के लिए भी पर्याप्त पैसा नहीं है। वहीं, कर्ज लेने की लिमिट सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए है। अगले वित्तीय वर्ष में कर्ज व ब्याज चुकाने के लिए 13 हजार करोड़ चाहिए। अब लोन को चुकाने के लिए मार्केट से कर्ज लेकर भी बात नहीं बन रही और तीन हजार करोड़ रुपए अपने बजट से चुकाने होंगे। सोलहवें फाइनेंस कमीशन की रिपोर्ट में हिमाचल सहित अन्य कुछ राज्यों की रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) खत्म कर दी है। इससे हिमाचल सरकार के खजाने पर भारी चोट लगी है।

हिमाचल प्रदेश पर कुल देनदारियां 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई हैं, जिससे यह पहाड़ी राज्य कर्ज लेने वाले भारतीय राज्यों में 5वें स्थान पर पहुंच गया है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 'स्टेट फाइनेंस' रिपोर्ट (2025-26) में कहा है कि मुफ्त की ऐसी योजनाओं के चलते राज्यों के बजट पर दबाव बढ़ रहा है। हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में बुनियादी ढांचे (सड़क, स्कूल, अस्पताल) पर खर्च कुल बजट का 10% से भी कम रह गया है। मुफ्त की रेवड़ी बांटने में कोई पीछे नहीं है। केंद्र में बतौर विपक्षी पार्टी आलोचना करने वाली कांग्रेस अपनी सत्ता वाले राज्यों में खुल कर 'रेवड़ियां' बांटती रही है। उसी तरह केंद्र में खुल कर यह काम करने वाली भाजपा, राज्यों में कांग्रेस व अन्य पार्टियों का इसके लिए विरोध करती है। बीते नौ साल में प्रति व्यक्ति कर्ज तीन गुना बढ़ गया है। इसका एक बड़ा कारण केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा जनता को खुले आम 'रेवड़ियां' बांटना भी है। देश में प्रति व्यक्ति कर्ज 1,86,206 रुपए हो जाने का अनुमान है। अहम बात यह है कि राजनीतिक दलों को यह भी बताना चाहिए कि इन मुफ्त की योजनाओं के लिए धन कहां से आएगा। अब हमारी फाइनेंशियल पॉलिटिक्स में ईमानदारी और जवाबदेही वापस लाने का समय आ गया है।

आबकारी नीति मामले में आप नेताओं का बरी होना बड़ी संजीवनी

ललित गर्ग

लोकतंत्र की शक्ति उसके संस्थानों की विश्वसनीयता में निहित होती है। जब न्यायालय निर्भीक होकर जांच की कमियों को इंगित करता है, तो वह व्यवस्था को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करता है। आवश्यकता इस बात की है कि इस निर्णय को किसी दलगत लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए।

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा कथित आबकारी नीति प्रकरण में आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा अन्य आरोपितों को दोषमुक्त किए जाने का निर्णय समकालीन राजनीतिक और विधिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अर्थात सीबीआई द्वारा पंजीकृत किया गया था और लंबे समय से सार्वजनिक बहस के केंद्र में था। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत आरोप ठोस साक्ष्यों और विश्वसनीय गवाहियों पर आधारित नहीं हैं तथा आरोपपत्र में वर्णित दावे न्यायिक परीक्षण की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। न्यायालय की यह टिप्पणी कि अनुमानों और अटकलों को विधिसम्मत प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, न केवल इस विशेष प्रकरण बल्कि समग्र अन्वेषण प्रक्रिया के लिए भी गंभीर संकेत देती है। आबकारी नीति मामले यह फैसला आप के लिए एक बड़ी संजीवनी या ह्यप्राणवायुह्णके समान है। यह फैसला आप को ह्यकट्टर ईमानदारह्ण की छवि वापस पाने और आगामी चुनावों के लिए एक आक्रामक रुख अपनाने में मदद करेगा, जिससे विपक्षी दलों का मनोबल भी बढ़ा है। कोर्ट से मिली क्लीन चिट ने आप नेताओं की साख बहाल की है जिससे पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। यह निर्णय ह्यराजनीतिक प्रतिशोधह्ण के नैरेटिव को बल देता है जिससे आप अपनी छवि को बेदाग साबित कर पा रही है। विपक्षी दल इस घटना को केंद्रीय एजेंसियों सीबीआई एवं ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ एक जीत के रूप में देख रहे हैं जिससे उन्हें केंद्र के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। इस फैसले से दिल्ली और पंजाब में आप को मजबूती मिलेगी और वह आगामी चुनावों के लिए आक्रामक प्रचार कर सकती है।

विवाद का मूल वर्ष 2021 में लागू की गई नई आबकारी नीति से जुड़ा था। उस समय दिल्ली सरकार ने तर्क दिया था कि शराब व्यापार में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से राजस्व में वृद्धि होगी, भ्रष्टाचार कम होगा और व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी। किंतु नीति के क्रियान्वयन के बाद उस पर अनियमितताओं तथा कथित पक्षपात के आरोप लगाए गए। यही आरोप आगे चलकर आपराधिक प्रकरण का आधार बने। जुलाई 2022 से यह मुद्दा राजनीतिक विमर्श का प्रमुख विषय बन गया और चुनावी सभाओं में इसे व्यापक रूप से उठाया गया। अब जबकि ट्रायल कोर्ट ने अभियोजन के तर्कों को अपर्याप्त पाया है, तो स्वाभाविक है कि इसका राजनीतिक प्रभाव भी पड़ेगा। हालांकि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस निर्णय को दिल्ली उच्च न्यायालय, में चुनौती देने की घोषणा की है। अतः अंतिम विधिक स्थिति अभी स्पष्ट नहीं मानी जा सकती। साथ ही प्रवर्तन निदेशालय, अर्थात ईडी ने यह कहा है कि उससे संबंधित धनशोधन प्रकरण की जांच स्वतंत्र आधारों पर चल रही है। यदि उच्च न्यायालय भी निचली अदालत के निर्णय को बरकरार रखता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठेगा कि समान घटनाक्रम से जुड़े विभिन्न अन्वेषणों की विधिक संगति किस प्रकार सुनिश्चित की जाएगी।

इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष संस्थागत विश्वसनीयता से जुड़ा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अन्वेषण एजेंसियों की भूमिका अत्यंत संवेदनशील होती है। वे केवल अपराध की जांच ही नहीं करतीं, बल्कि न्याय व्यवस्था के प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व भी करती हैं। यदि न्यायालय यह टिप्पणी करता है कि जांच पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है या पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए, तो यह केवल एक तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत शुचिता पर प्रश्नचिह्न बन जाता है। न्याय का मूल सिद्धांत है कि अभियुक्त तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि उसका दोष विधिसम्मत प्रमाणों के आधार पर सिद्ध न हो जाए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोपों का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शासन की समग्र विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो कठोर दंड आवश्यक है; किंतु यदि आरोप पर्याप्त प्रमाणों के अभाव में टिक नहीं पाते, तो इससे राजनीतिक विमर्श की विश्वसनीयता पर भी आघात पहुँचता है। लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु आरोपों का उपयोग यदि मुख्यतः चुनावी रणनीति के रूप में किया जाता है और वे न्यायालय में प्रमाणित नहीं हो पाते, तो इससे जनता के मन में संदेह की स्थिति उत्पन्न होती है।

इस निर्णय के बाद स्वाभाविक रूप से आम आदमी पार्टी को नैतिक बल प्राप्त हुआ है। किंतु इस तथ्य को केवल किसी एक दल की विजय या पराजय के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इससे व्यापक स्तर पर यह संदेश भी जाता है कि न्यायिक प्रक्रिया स्वतंत्र है और वह अभियोजन की कमजोरी को रेखांकित करने से संकोच नहीं करती। न्यायालय की कठोर टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि केवल आरोपों की गंभीरता पर्याप्त नहीं है; उन्हें प्रमाणों की दृढ़ता से पुष्ट करना भी अनिवार्य है। दूसरी ओर, यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यदि वास्तव में किसी नीति में अनियमितता हुई थी, तो उसके समर्थन में ठोस साक्ष्य क्यों प्रस्तुत नहीं किए जा सके। क्या अन्वेषण प्रक्रिया में तकनीकी कमियाँ रहीं? क्या साक्ष्य-संग्रह में सावधानी का अभाव था? या फिर आरोपों का प्रारूपण ही पर्याप्त स्पष्ट नहीं था? ये प्रश्न केवल इस प्रकरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जांच प्रक्रियाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकते हैं।

भ्रष्टाचार-निरोध की दिशा में प्रभावी कदम तभी संभव हैं जब अन्वेषण निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत हो। राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार-विरोध का नैतिक आग्रह तभी प्रभावी है जब वह स्वयं प्रमाण-आधारित हो। यदि आरोपों का आधार कमजोर होगा, तो वे न्यायिक समीक्षा में टिक नहीं पाएंगे और इससे वास्तविक भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष भी कमजोर पड़ेगा। इस घटनाक्रम ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है-अन्वेषण एजेंसियों की स्वायत्तता और उत्तरदायित्व का संतुलन। लोकतंत्र में एजेंसियों को स्वतंत्रता आवश्यक है, किंतु वह स्वतंत्रता विधिक मानकों और न्यायिक नियंत्रण के अधीन रहती है। न्यायालय की टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि प्रक्रिया की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। यदि अभियोजन पक्ष पर्याप्त तैयारी के बिना आरोप प्रस्तुत करता है, तो उसका परिणाम यही होगा कि मामला प्रारंभिक चरण में ही कमजोर पड़ जाएगा।

निश्चित तौर पर यह प्रकरण हमें यह स्मरण कराता है कि कानून का शासन केवल दंड देने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि न्यायसंगत प्रक्रिया की गारंटी भी है। आरोप सिद्ध करने की जिम्मेदारी राज्य पर होती है और वह भी संदेह से परे प्रमाणों के आधार पर। यदि यह मानक पूरा नहीं होता, तो किसी भी व्यक्ति को केवल सार्वजनिक धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस निर्णय का अंतिम परिणाम चाहे जो भी हो-क्योंकि उच्च न्यायालय में चुनौती लंबित है फिर भी यह अवसर अवश्य प्रदान करता है कि हम भ्रष्टाचार-निरोध की अपनी कार्ययोजना को अधिक सुदृढ़ और प्रमाण-आधारित बनाएं। राजनीतिक विमर्श को आरोपों की तीव्रता से आगे बढ़कर प्रमाणों की गुणवत्ता पर केंद्रित करना होगा। अन्वेषण एजेंसियों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी कार्रवाई निष्पक्षता और विधिक दृढ़ता का उदाहरण बने।

लोकतंत्र की शक्ति उसके संस्थानों की विश्वसनीयता में निहित होती है। जब न्यायालय निर्भीक होकर जांच की कमियों को इंगित करता है, तो वह व्यवस्था को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करता है। आवश्यकता इस बात की है कि इस निर्णय को किसी दलगत लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि ऐसा किया जाता है, तो यह प्रकरण केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं रहेगा, बल्कि शासन-प्रणाली की परिपक्वता का प्रमाण भी बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

सराफा का 244 ग्राम सोना लेकर कारीगर हुआ गायब

मेरठ, एजेंसी। देहली गेट थाना क्षेत्र के सौरभ रस्तोगी ने अपने कारीगर पर 244 ग्राम सोना लेकर भागने का आरोप लगाया है। सौरभ ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। सराफा बाजार निवासी सौरभ रस्तोगी ने बताया कि तीन फरवरी को पश्चिम बंगाल निवासी आरोपी कारीगर उनकी दुकान पर आया था। आरोपी ने सौरभ से 244 ग्राम सोना जेवर बनाने के लिए ले लिया था। उसने 14 फरवरी तक जेवर तैयार करके देने के लिए कहा था। सौरभ ने 16 फरवरी को आरोपी के नंबर पर संपर्क किया लेकिन नंबर बंद आ रहा था। सौरभ आरोपी के डालमपाड़ा वाले किराए के मकान पर पहुंचे लेकिन वहां ताला लगा हुआ था। सौरभ के अनुसार आरोपी का नंबर लगातार बंद आ रहा है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह का कहना है कि तहरीर मिल गई है। जल्द आरोपी को पकड़ लिया जाएगा। पुलिस ने आरोपी के नंबर को सर्विलांस पर लगा दिया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को अदालत ने दी 20 साल की सजा, 65 हजार जुर्माना

वाराणसी, एजेंसी। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट विनोद कुमार की अदालत ने नाबालिग लड़की को भरोसे में लेकर साथ ले जाने और शारीरिक शोषण के मामले में पीएसी रामनगर निवासी आरोपी संगम कुमार को दोषी करार देते हुए 20 साल की सजा सुनाई। साथ ही 65 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। वादी ने रामनगर थाने में तहरीर देकर बताया कि एक मार्च 2025 की रात 8.30 बजे नाबालिग पुत्री घर से लापता हो गई। इससे पहले 28 सितंबर 2024 को भी वह स्कूल ड्रेस में घर से निकली थी और वापस नहीं लौटी थी, जिसकी सूचना भी रामनगर थाना प्रभारी को दी गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर आरोपी संगम कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसकी निशानदेही पर चार दिन बाद पड़ाव क्षेत्र के एक बंद कमरे से पीड़िता को बरामद किया। वादी पक्ष ने दुष्कर्म का आरोप लगाया था। आरोपी को घटना से पहले भी घर के आसपास देखे जाने की बात कही थी। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया।

कचहरी व अधिवक्ता को बम से उड़ाने की धमकी के आरोप में अरेस्ट, हादसे में मौत

वाराणसी, एजेंसी। वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीनाथ त्रिपाठी निवासी भेलूपुर को फोन पर मैसेज भेजकर कचहरी समेत बम से उड़ने की धमकी देने वाले आरोपी युवक अजीत कुमार सरोज निवासी रैसीपुर सत्तनपुर को भेलूपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने पड़ोसी को फंसाने के लिए ऐसा किया था। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी का किसी लड़की से प्रेम प्रसंग रहा। परिजनों के विरोध और पकड़े जाने पर लड़की के मोबाइल सिम का धमकी भरा मैसेज करने के लिए प्रयोग किया था। ताकि परिजनों को फंसा सके। मामला संज्ञान में आने के बाद श्रीनाथ त्रिपाठी ने जिला जज को पत्र लिखकर अवगत कराया। एसीपी और कैंट थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्र ने जानकारी ली। बताया कि उनके मोबाइल पर ये मैसेज बुधवार रात 2 23 बजे दिखा। लिखा था कि बनारस कचहरी को हम बम से उड़ा देंगे, तुम्हें भी। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से उस नंबर को ट्रेस किया। एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। फरवरी में दो बार कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी सामने आ चुकी है।

आम के बाग में मिला महिला का शव, लाल टॉप और स्वेटर में मिली मृतका

कानपुर, एजेंसी। फर्रुखाबाद जिले में कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव श्यामनगर स्थित एक आम के बाग में शुक्रवार सुबह 30 वर्षीय महिला का शव मिला है। सुबह वहां से गुजरीं महिलाओं ने शव पड़ा देखा। महिलाओं ने गांव में बताया, तो ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी मदन मोहन चतुर्वेदी और कस्बा चौकी प्रभारी बलवीर सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और शव को येलो टेप से कवर किया है। घटनास्थल पर काफी भीड़ जमा हो गई, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी है। महिला लाल रंग की टॉप और नीले रंग प्रिंटेड पैजामी, लाल स्वेटर पहने हैं। शव की शिनाख्त के लिए उसके फोटो सोशल मीडिया पर साझा किए हैं। पुलिस का कहना है कि पहचान होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है।

होली पर मिलावट का जहरः दूध, खोआ और घी में सबसे ज्यादा मिलावट, 273 नमूने फेल

आगरा, एजेंसी। खाद्य विभाग की जांच में जनवरी में आए 795 नमूनों में से 273 फेल और 53 नकली पाए गए, जिनमें सबसे ज्यादा मिलावट दूध, खोआ और घी में मिली। अधिकारियों ने मिलावटखोरों पर जुर्माना और एफआईआर की कार्रवाई शुरू की है, जबकि आमजन को सतर्क रहने और शिकायत नंबर 1800 1805533 पर सूचना देने की अपील की गई है। खाद्य विभाग को जनवरी में 795 नमूनों की रिपोर्ट मिली, जिसमें 273 नमूने फेल पाए गए। इनमें से 53 नमूने नकली मिले। 200 नमूने घटिया और मिलावटी व 20 नमूनों पर गलत जानकारी दर्ज मिली। ये नमूने फुटकर दुकानों, डेयरी के साथ ही प्लांट से लिए गए थे। सहायक आयुक्त खाद्य महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि दूध, खोआ, मसाले, पनीर के नमूने नकली मिले हैं। विक्रेताओं के खिलाफ जुर्माना लगाने के साथ ही प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। जांच में दूध के 111 में से 81 नमूने फेल मिले, जिसमें 10 नकली थे। खोआ के 28 में से 18 फेल मिले, जिसमें पांच नकली थे। घी की बात करें तो 51 में से 33 नमूने फेल पाए गए जिसमें 14 नमूने नकली मिले। आटा भी घटिया पाया गया। इसके 44 में से 15 नमूने फेल मिले और तीन नकली पाए गए। डिप्टी सीएमओ डॉ. नंदन सिंह ने बताया कि मिलावटी और नकली सामग्री से एलर्जी, पेट में संक्रमण तेजी से होते हैं। बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी प्रभावित होती है। लंबे समय तक इसके उपयोग करने से हृदय रोग, कोलेस्ट्रॉल, किडनी, लिवर रोग का खतरा अधिक है।

बरेली में आस्था और अध्यात्म का संगम

कैलाश खेर के सुरों पर थिरका शहर, शिवभक्ति में डूबे लोग

बरेली, एजेंसी। लेजर लाइटों से जगमगाता शिवोहम का मंच, हर-हर महादेव उद्घोष से गूंजता परिसर और पद्मश्री कैलाश खेर के स्वर। इन सबका संगम हुआ तो बृहस्पतिवार को बरेली में शाहजहांपुर रोड स्थित कॉम्पिटेंट इंटरनेशनल सिटी में सजे मंच की गूंज पूरे शहर ने महसूस की। 15 हजार शहरवासियों ने शिव का वर्चुअल साक्षात्कार किया। पूरी नाथ नगरी बगड़ बम बबम... की स्वर लहरी पर झूम उठी। अमर उजाला की ओर से आयोजित शिवोहम के शुभारंभ से दो घंटे पूर्व ही सैकड़ों की तादाद में शहरवासी पहुंचने लगे थे। शाम छह बजे से मंच पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का दौर शुरू हुआ।

सबसे पहले कैलासा बैंड ने शिवोहम अर्थात मैं ही शिव हूं... की प्रस्तुति दी। 12 ज्योतिर्लिंग की उत्पत्ति और शिव-शक्ति के मिलन की कथा की आकर्षक प्रस्तुति से श्रोता झूम उठे। एलईडी स्क्रीन पर रुद्राभिषेक और काशी विश्वनाथ धाम में पूजा का सजीव प्रसारण देखकर लोग आस्था और अध्यात्म के रंग में रंगे नजर आए। कैलाश खेर ने आदियोगी के भजनों के साथ मंच पर कदम रखा तो परिसर तालियों से गूंज उठा। क्रमशः मैं तो तेरे प्यार में दीवाना हो गया, आओ जी.. आओ जी, तौबा तौबा रे तेरी सूरत, तू जाने ना, सोई सोई सेज, पिया के रंग रंगदीनी ओढ़नी, कौन है वो कौन है कहां से वो आया, क्या कभी अंबर से सूर्य बिछड़ता है, प्रीत की लत मोहे ऐसी लगी आदि भजन और फिल्मी गीत सुनाकर लोगों को थिरकने पर विवश कर दिया।

महादेव की नगरी है बरेली, सनातन संस्कृति से जुड़ने का आह्वानः दर्शकों से रूबरू कैलाश खेर ने कहा कि बरेली की पहचान दशकों पहले झुमका गिरा रे गीत से हुई, लेकिन यहां के नाथ मंदिर सदियों पुराने हैं। इसे नाथ नगरी नहीं, बल्कि महादेव नगरी के नाम से पुकारा जाना चाहिए।

हजारों लोगों की मौजूदगी इसका प्रमाण है कि बरेली वाले जाग गए हैं। जो नहीं जागे हैं, उनसे सनातन संस्कृति की ओर लौटने का आह्वान किया। कैलाश खेर ने कहा कि बरेली में प्रस्तुति के लिए उत्साहित था, लेकिन बरेली वाले ज्यादा ही उत्साहित हैं। यही जीवंतता का प्रतीक है। ये परमात्मा का खेला है। भौतिक जीवन में अध्यात्म का पुट संपूर्णता का अहसास कराता है।

सम्मानित हुए पुरोहित : प्रस्तुति के दौरान कैलाश खेर ने महंत कालू गिरि, पंडित ईश्वर सरन, धर्मेंद्र गिरि महाराज, पंडित घनश्याम, पंडित राम अवध मिश्रा, पंडित सुनील, पंडित रजनीश, पंडित रजनीश, आचार्य प्रखर मिश्र को सम्मानित किया।

वैदिक मंत्रोचार के साथ हुआ रुद्राभिषेक, गूंजा हर-हर महादेव : शिवोहम के आध्यात्मिक वातावरण के बीच रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। पंडित जनार्दन पांडेय ने अनुष्ठान को संपन्न कराया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान आशुतोष का दुग्धाभिषेक और जलाभिषेक किया गया। पंडित जनार्दन पांडेय ने कहा कि रुद्राभिषेक भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी कृपा पाने के लिए किया जाने वाला वैदिक अनुष्ठान है। इसमें मंत्रोच्चारण के साथ शिवलिंग पर अभिषेक किया जाता है। यह जीवन से दुखों, रोगों, दरिद्रता और नकारात्मकता को नष्ट करता है। साथ ही, सुख-समृद्धि, सफलता और मानसिक शांति की प्राप्त होती है।

ताज महोत्सव में गूंजे ठहाके, मंच पर छाए कृष्णा अभिषेक; बोले- आगरा का प्यार और पेठा, दोनों लाजवाब

आगरा, एजेंसी। मुक्ताकाशीय मंच पर मशहूर कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक ने अपने चुटीले अंदाज और दमदार पंच लाइनों से दर्शकों को लोटपोट कर दिया। समसामयिक मुद्दों और लोकप्रिय किरदारों की झलक के साथ कॉमेडी नाइट ठहाकों और तालियों से गूंज उठी।

ताज महोत्सव के मुक्ताकाशीय मंच पर बृहस्पतिवार की शाम हंसी और ठहाकों के नाम रही। सांस्कृतिक कड़ियों में मशहूर कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक ने अपनी कॉमेडी नाइट से दर्शकों को लोटपोट कर दिया।

मंच पर आते ही कृष्णा ने अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज और पंच लाइनों से दर्शकों का दिल जीत लिया। उन्होंने समसामयिक विषयों, बॉलीवुड और पारिवारिक रिश्तों पर ऐसे चुटकुले सुनाए कि पंडाल में ठहाके गूंज उठे। कॉमेडी सर्कस और द कपिल शर्मा शो के अपने प्रसिद्ध किरदारों की झलक पेश कर उन्होंने स्थानीय लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। महोत्सव में उमड़ी भारी भीड़ ने उनके डांस मूव की भी सराहना की। सुहानी शाम में कृष्णा की कॉमेडी ने मौसम को खुशनुमा कर दिया। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे ताकि प्रशंसक अपने पसंदीदा कलाकार को करीब से देख सकें।

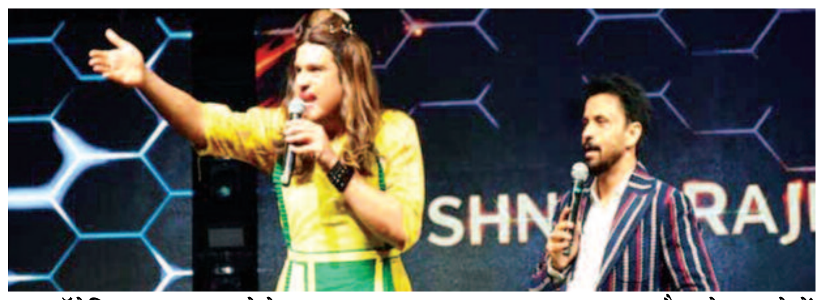

कॉमेडियन कृष्णा बोले-वाह ताज: फतेहाबाद रोड स्थित टाटा मैदान पर चल रहे ताज महोत्सव में दर्शकों को गुदगुदाने के लिए मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कृष्णा अभिषेक बृहस्पतिवार को आगरा आए। महोत्सव के मंच पर अपनी प्रस्तुति देने से पहले कृष्णा ने ताजमहल का दीदार किया। सफेद संगमरमरी हुस्न को देखकर कृष्णा मंत्रमुग्ध नजर आए।

जैसे ही कृष्णा अभिषेक ताजमहल परिसर में पहुंचे, पर्यटकों की भारी भीड़ उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़ी। द कपिल शर्मा शो में सपना के किरदार से घर-घर में मशहूर हुए कृष्णा को अपने बीच पाकर लोग उत्साहित दिखे। उन्होंने प्रशंसकों को निराश नहीं किया, मुस्कुराते हुए लोगों का अभिवादन किया और डायना बेंच के पास खड़े होकर कई तस्वीरें खिंचवाई।

आगरा का प्यार और पेठा, दोनों लाजवाब : ताजमहल भ्रमण के दौरान कृष्णा ने कहा कि ताजमहल को जितनी बार देखो, कम ही लगता है। यह सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि अहसास है। आगरा की मेहमाननवाजी और यहां का प्यार हमेशा खींच लाता है।

ताज महोत्सव में वनटांगिया बेटियों ने किया कैटवॉक : फतेहाबाद रोड स्थित टाटा मैदान पर हो रहे ताज महोत्सव में बृहस्पतिवार को रैंप पर आधुनिक मॉडल्स के साथ वनटांगिया समुदाय की बेटियों ने कैटवॉक किया। बेटियों के आत्मविश्वास को देखकर पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। निर्देशन फैशन कोरियोग्राफर सुगम सिंह शेखावत ने किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वनटांगिया गांवों को गोद लेकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ा था।

क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता का निधन, अस्पताल में कई दिनों से चल रहा था कैंसर का इलाज

नोएडा, एजेंसी।

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता का कई दिनों से ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में इलाज चल रहा था। रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह स्टेज-4 लिवर कैंसर से जूझ रहे थे।

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा और विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का लंबी बीमारी के बाद देर रात निधन हो गया है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में अंतिम सांस ली। रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह स्टेज-4 लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। वह करीब तीन दिन से अस्पताल में भर्ती थे। रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। पिता की गंभीर स्थिति की सूचना मिलते ही रिंकू सिंह टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच ही अपने पिता से मिलने आए थे। लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले दोबारा टीम के साथ जुड़ गए थे। पिता के निधन की खबर के बाद वो तुरंत वापस लौट रहे हैं। रिंकू टूर्नामेंट में आगे टीम इंडिया का हिस्सा बनेंगे इसको लेकर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है।

रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र गैस एजेंसी पर सिलिंडर वितरण का काम करते थे। वह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक गैस एजेंसी में काम करते थे। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने अपने बेटे रिंकू के क्रिकेटर बनने के सपने को पूरा करने में सहयोग किया। रिंकू की कामयाबी के बाद भी उन्होंने यह काम नहीं छोड़ा। रिंकू ने खुद शुरुआत में सिलिंडर वितरण के काम में पिता का हाथ बंटाया और गरीबी से लड़ते हुए क्रिकेट के मैदान पर अपनी जगह बनाई।

रिंकू सिंह ने हाल के वर्षों में भारतीय क्रिकेट में अपनी एक खास पहचान बनाई है।

आठ दिन का होलाष्टक शुरू

बलिया, एजेंसी। होलाष्टक दो शब्दों से मिलकर बना है, होली व अष्टक जिसका अर्थ है आठ दिनों की अवधि। यह फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से लेकर होलिका दहन तक रहता है। होलाष्टक 24 फरवरी से शुरू होकर 3 मार्च तक रहेगा। इस दौरान कोई भी मांगलिक कार्य करना निषेध होता है। आचार्य पं. अखिलेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि होलाष्टक के साथ मौसम परिवर्तन शुरू हो जाता है। सूर्य का प्रकाश तेज होता है। हवाएं ठंडी रहती हैं। ऐसे में व्यक्ति रोग की चपेट में आ जाता है। इस समय मन की स्थिति अवसाद ग्रस्त रहती है। होलाष्टक के समय सभी ग्रह उग्र अवस्था में होते हैं। इसलिए इस दौरान जो शुभ कार्य किये जाते हैं, उनका उत्तम फल प्राप्त नहीं होता है। इसलिए मांगलिक कार्य करना निषेध माना जाता है। होलाष्टक में विवाह, गृहप्रवेश, नामकरण, मुंडन संस्कार व नये व्यवसाय की शुरुआत नहीं करनी चाहिए।

होलाष्टक में क्या करें : यह समय भगवान विष्णु व नरसिंह भगवान की पूजा के लिए उत्तम माना जाता है। भगवान नरसिंह की पूजा करें व सूर्य भगवान को जल अर्पित करें। ग्रह दोष शमन के लिए सूर्य की पूजा, हनुमान चालीसा का पाठ करें व तामसिक भोजन न करें।

होलाष्टक को क्यों माना जाता है अशुभ : आचार्य पं. अखिलेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि होलिका दहन से पहले प्रहलाद पर अनेकानेक अत्याचार किए गए थे, जिनकी पीड़ा के कारण इन आठ दिनों को नकारात्मक ऊर्जा से भरा माना जाता है। इसलिए इस दौरान किये गए अशुभ कार्यों का प्रभाव लंबे समय तक रहता है। होलाष्टक 24 फरवरी से शुरू होकर 3 मार्च तक रहेगा। इस दौरान मांगलिक कार्यों पर रोक रहती है।

दो मार्च की रात 12.50 बजे होलिकादहन व चार को होली : आचार्य पं. अखिलेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि 2 मार्च को रात्रि पर्यन्त भद्रा होने से भद्रा पुच्छ में रात्रि 12 बजकर 50 मिनट से रात्रि 2 बजकर 02 मिनट के मध्य होलिका दहन किया जाएगा। इसके दूसरे दिन ग्रस्तोदित चन्द्र ग्रहण लग रहा है। इसी दिन ग्रहण के उपरांत प्रदोषकाल में प्रतिपदा के होने से काशी में चतु:षष्टि यात्रा तथा दर्शन होगा तथा चैत्र कृष्ण प्रतिपदा दिन बुधवार दिनांक 4 मार्च को होली-वसन्तोत्सव मनाया जाएगा।

भगवान झूलेलाल जयंती पर निकलेगी भव्य शोभा यात्रा, बैठक में आयोजन को लेकर हुई चर्चा

लखनऊ, एजेंसी। भगवान झूलेलाल जयंती पर भव्य आयोजन की तैयारियों में सिन्धी समाज जुट गया है। लगातार हो रही बैठकों में इसे भव्य बनाए जाने पर विचार विमर्श किया जा रहा है।

भगवान झूलेलाल जयंती पर भव्य आयोजन की तैयारियों में सिन्धी समाज जुट गया है। लगातार हो रही बैठकों में इसे भव्य बनाए जाने पर विचार विमर्श किया जा रहा है साथ ही झूले लाल जयंती वाले दिन राजधानी लखनऊ में भव्य शोभा यात्रा सिन्धी बाहुल्य क्षेत्रों से निकली जाएगी जिसमें महिलाएं बड़ी संख्या में स्कूटर से शोभा यात्रा में शामिल होंगी। शोभायात्रा में सिन्धी डांडिया और नित्य सिन्धी भांगड़ा सहित भगवान झूलेलाल जी की बड़ी प्रतिमा आकर्षण का केंद्र रहती है। जगह-जगह स्वागत द्वार लगाए जाएंगे।

बैठक में कमेटी के प्रवक्ता अशोक मोतियानी ने बताया कि बैठक में मौजूद सभी ने अपने-अपने सुझाव दिए। इसके अलावा 20 मार्च को जयंती से 10 दिन पूर्व हर एक रोज सिन्धी बाहुल्य क्षेत्रों में जैसे शिव शान्ति आश्रम, वीआईपी रोड, गोदड़ी वाला धाम सेवा मंडल, एस एस धाम एल डी ए, अलीगंज पूज्य सिन्धी पंचायत विकास नगर, शुभम सिटी झूले लाल मंदिर, पूज्य झूलेलाल पंचायत मवैया, झूले मन्दिर राजा जी पुरम, सिंधु

नगर सिन्धी पंचायत कृष्णानगर, इंद्रा नगर झूले लाल मंदिर, हरिओम मंदिर सहित सभी मंदिरों में लगातार पूजा अर्चना और भंडारे के आयोजन कार्यक्रम चलते रहेंगे।

मेले में स्वादिष्ट पकवानों के व्यंजन के बड़ी संख्या में स्टॉल लगेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। समाज के कुछ वरिष्ठ लोगों को सम्मान मिलेगा। बैठक में मुख्य रूप से मोहन दास लदानी, नानक चंद लखमानी, राजा राम भावननी, मेला कमेटी अध्यक्ष रतन मेघानी, महामंत्री संजय जसवानी, कोषाध्यक्ष सतेन्द्र भावनानी, श्याम कृषनानी, सुरेश छबलानी, राजू जसवानी, सतीश लखमानी, हंसराज राजपाल, सतीश लखमानी, सुदाम चंद, विक्की दयालनी, आनंद खत्री, भीमेश अठवानी, कपिल सवलानी, मुकेश केवलानी, नितेश मद्यान, पुनीत बतरा, इंदर कालाणी, चरण अहुजा, पुलकित राजपाल, राजा राजपाल मुखी, कन्हैयालाल चांदवानी, संतोष हिरवानी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

कानपुर जीएसवीएम की रिपोर्ट : दुलार भरी पैरेंटिंग कम कर रही बर्दाश्त की क्षमता, किशोरों में बढ़ रहा सुसाइडल रिस्क

कानपुर, एजेंसी। किशोरों और युवाओं में बर्दाश्त करने की क्षमता कम हो रही है। जरा सी बात पर वे अवसाद में आ जाते हैं। आवेगी निर्णय पर भी नियंत्रण नहीं रख पाते और घातक कदम उठा लेते हैं। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विभाग के बाल एवं किशोरावस्था क्लीनिक में ऐसे मामले लगातार आ रहे हैं। मनोरोगियों के हिस्ट्री से पता चला है कि इसके लिए दुलार भरी पैरेंटिंग भी जिम्मेदार है।

हर चीज तुरंत सुलभ होने पर वे कोई अनचाही घटना होने पर तनाव में आ जाते हैं। किशोरों और युवाओं के बदलते पर मिजाज पर जो अध्ययन किया गया है, उसमें हर एक मामले में मोबाइल की स्क्रीन का दखल भी मिला है। मनोरोग प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय चौधरी का कहना है कि संयुक्त परिवार टूटने और एकाकी परिवार होने से मां-बाप दुलार में बच्चों की हर बात जल्दी मान लेते हैं।

डेढ़ साल में ओपीडी में 250 रोगी आए : किसी एक बात के इनकार पर उनमें क्रोध भर जाता है। इस क्रोध से बर्दाश्त की क्षमता कम हो गई है। इसके अलावा स्क्रीन इसे और बढ़ा रहा है। गेमिंग में मारधाड़ देखते हैं। यह भी उनमें आवेगी प्रवृत्ति बढ़ाने लगता है। ऐसे बच्चों की फ्रेंड सर्किल विस्तृत नहीं होती। अब उन्हें दादा-नानी की दंत कथाएं कोई नहीं सुनाता। साइकेट्रिस्ट डॉ. कृतिका चावला ने बताया कि डेढ़ साल में ओपीडी में 250 रोगी आए हैं। इनका आयु वर्ग पांच साल से 17 वर्ष रहा है।

1.08 करोड़ की जमीन खरीदने से पहले महिला ने की बड़ी गलती

आगरा, एजेंसी। आगरा में पीपल मंडी की विवादित संपत्ति को 1.08 करोड़ रुपये में बेचने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर थाना छत्ता में मुकदमा दर्ज हुआ है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने जमीन को निर्विवाद बताकर बैनामा कराया और सच्चाई सामने आने पर धमकी दी।

आगरा के थाना छत्ता में कोर्ट के आदेश पर धोखे से 1.08 करोड़ में विवादित संपत्ति बेचने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीड़िता का कहना है कि चार लोगों ने संपत्ति अपनी बताकर झांसे में लिया। तहसील में बैनामा करा दिया। जब वो संपत्ति पर कब्जे के लिए पहुंची तो विवाद का पता चला। आरोपियों ने धोखाधड़ी की कहने पर धमकाया।

अपर्णा गार्डन, नेहरू नगर निवासी आशी अग्रवाल ने बताया कि वह एक संपत्ति खरीदना चाहती थी। इसके लिए नॉर्थ विजय नगर कॉलोनी निवासी पवन कुमार गुप्ता और अनिल कुमार गुप्ता ने उनसे संपर्क किया। उन्होंने कहा कि वह पीपल मंडी में अच्छी संपत्ति दिलवा सकते हैं। इस पर किसी तरह का विवाद भी नहीं है। उन्होंने जमीन के मालिक से मिलने की इच्छा जताई।

इस पर वो लोग प्रियांक गुप्ता और अजय गुप्ता को ले आए। उन्हें जमीन का मालिक बताया। कहा कि दो अन्य भी संपत्ति में हिस्सेदार हैं। वह भी बैनामे में

शामिल होंगे। इसका सौदा 1.08 करोड़ रुपये में तय हो गया। बाद में चारों मालिकों शंकर ग्रीन कॉलोनी निवासी अजय, प्रियांक, शशांक और मयंक गुप्ता आदि ने मुलाकात की। 29 मई 2024 को तहसील में रकम अदा करने पर आरोपियों ने बैनामा कर दिया। वह जब संपत्ति पर गई तो कुछ लोग आ गए। उन्होंने बताया कि जमीन पर विवाद है। मामला कोर्ट में चल रहा है।

2023 से मामला है कोर्ट में, साक्ष्य संकलन के बाद कार्रवाई

वर्ष 2023 से देवेंद्र कुमार बनाम अजय कुमार गुप्ता आदि केस विचाराधीन है। इस बारे में जब आरोपियों से बात की तो वह धमकी देने लगे। रकम वापस करने से इंकार कर दिया। इस संबंध में पुलिस से शिकायत की। मगर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। मामले में कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया। कोर्ट के आदेश पर थाना छत्ता में अजय गुप्ता, शशांक कुमार गुप्ता, प्रियांक कुमार गुप्ता और मयंक गुप्ता के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, जान से मारने की धमकी और षड्यंत्र की धारा में प्राथमिकी दर्ज की गई है। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि मामला संपत्ति की बिक्री में धोखाधड़ी से संबंधित है। मामले में जांच की जाएगी। साक्ष्य संकलन किया जाएगा। इसके आधार पर कार्रवाई होगी।

डंपर की टक्कर से घायल ट्रक चालक की इलाज के दौरान मौत, प्राथमिकी दर्ज

वाराणसी, एजेंसी। आजमगढ़-वाराणसी मार्ग पर बुधवार तड़के हुए सड़क हादसे में ट्रक के खलासी की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल है। लालपुर पांडेयपुर पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर डंपर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

निजामाबाद थाना क्षेत्र के हुसामपुर बड़गांव निवासी दुर्गेश यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके भाई दिनेश यादव ट्रक पर खलासी थे। बुधवार 25 फरवरी की भोर करीब तीन बजे वह चालक रमन यादव निवासी नटवली थाना शाहगंज जौनपुर के साथ आजमगढ़ से वाराणसी की ओर जा रहे थे। आजमगढ़ रिंग रोड अंडरपास के पास सामने से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे डंपर ट्रक में टक्कर मार दी। ट्रक के परखच्चे उड़ गए और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को डित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय भेजा गया, जहां इलाज के दौरान बृहस्पतिवार को दिनेश यादव की मौत हो गई, जबकि चालक का उपचार जारी है। लालपुर पांडेयपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि सीसी कैमरों की फुटेज से जांच कर डंपर चालक और वाहन की पहचान की जा रही है।

भारत, यूरोपीय संघ के व्यापार समझौते में मध्यस्थता से जुड़ा परिशिष्ट शामिल

- समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना

नई दिल्ली।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने हाल ही में बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के निष्कर्ष की घोषणा की। समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना है और इसे अगले वर्ष लागू किया जा सकता है। एफटीए में मॉडल मध्यस्थता प्रक्रिया पर एक अलग परिशिष्ट शामिल है, जिसका उद्देश्य विवादों का त्वरित और आपसी सहमति से समाधान करना है। समझौते के अनुसार भारत या ईयू कोई भी पक्ष ऐसे उपाय के खिलाफ मध्यस्थता की मांग कर सकता है, जो द्विपक्षीय व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव डालता हो।

हालांकि प्रक्रिया केवल दोनों पक्षों की आपसी सहमति से ही शुरू होगी। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर मध्यस्थ की नियुक्ति पर सहमति नहीं बनती, तो मध्यस्थता का अनुरोध स्वतः निरस्त माना जाएगा। मध्यस्थता आम तौर पर उस पक्ष के क्षेत्र में होगी, जिसके पास अनुरोध भेजा गया है, या आपसी सहमति से किसी अन्य स्थान या माध्यम से भी इसे आयोजित किया जा सकता है।

मध्यस्थ की नियुक्ति के 60 दिनों के भीतर समाधान तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। करीब दो दशक चली वार्ताओं के बाद संपन्न एफटीए के तहत भारत के 93 प्रतिशत निर्यात को 27 देशों में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जबकि ईयू से लक्जरी कार और वाइन का आयात सस्ता होगा। दोनों पक्ष वैश्विक जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का एक-तिहाई हिस्सा नियंत्रित करते हैं।

समझौते में कुल 20 अध्याय शामिल हैं, जिनमें डिजिटल व्यापार पर अलग अध्याय भी है। यह कागज-रहित व्यापार, नियामकीय सहयोग और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देता है।

इसके अलावा विवाद निपटान पर अलग अध्याय विवादों के शीघ्र और प्रभावी समाधान की व्यवस्था करता है।

तेल की कीमतें भू-राजनीतिक तनाव में मारती हैं उछाल

नई दिल्ली ।

पिछले 50 वर्षों में बड़े युद्ध और भू-राजनीतिक संकट अक्सर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल लाते रहे हैं। 1970 के दशक में अरब देशों द्वारा निर्यात रोकने से तेल 3 से 12 डॉलर~ तक बढ़ा। 1990 में इराक-कुवैत युद्ध और 2003 में दूसरे इराक युद्ध में भी कीमतें 40 फीसदी तक बढ़ीं, लेकिन सप्लाई बढ़ने पर जल्द सामान्य हुईं। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान तेल 80 से डालर 120 प्रति बैरल तक गया, फिर वैकल्पिक खरीदारों के आने से छह महीनों में दाम सामान्य हुए। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान का उत्पादन वैश्विक तेल सप्लाई का केवल 3 फीसदी है, लेकिन इसका भू-राजनीतिक महत्व बड़ा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते दुनिया की लगभग 20 फीसदी तेल और गैस सप्लाई गुजरती है। इस मार्ग में कोई बाधा आने पर सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई की सप्लाई सीधे प्रभावित हो सकती है। हाल के तनाव के कारण कीमतों में लगभग 10 फीसदी की तेजी देखी गई। विश्लेषकों का कहना है कि हर 1 फीसदी सप्लाई झटके से तेल की कीमत 3-5 फीसदी बढ़ती है। अगर ईरान का 3.3 मिलियन बैरल प्रति दिन उत्पादन रुकता है, तो 70 डॉलर के

बेस प्राइस पर दाम 76-81 डॉलर तक जा सकते हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर गंभीर खतरे के मामले में अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम 20-40 डॉलर जुड़ सकता है, जिससे कीमत 95-110 डॉलर या उससे ऊपर पहुंच सकती है। इतिहास और विशेषज्ञों की राय यही दर्शाती है कि तेल की कीमतें भू-राजनीतिक तनाव में तेजी दिखा सकती हैं, लेकिन वास्तविक सप्लाई बाधा अक्सर अस्थायी होती है। बाजार में भय और अनिश्चितता ही दामों को अस्थायी रूप से ऊंचा करती है, जबकि संतुलन बहाल होने पर कीमतें सामान्य स्तर पर लौट आती हैं।

फरवरी में सीमेंट की औसत कीमत 342 रुपये प्रति बोरी पहुंची

- कुछ राज्यों में मार्च में फिर बढ़ोतरी की तैयारी

नई दिल्ली ।

फरवरी में सीमेंट बाजार ने मिलीजुली तस्वीर पेश की। जनवरी में बढ़ी कीमतों के बाद उम्मीद थी कि रुझान और मजबूत होगा, लेकिन स्थिति न तो बहुत तेज रही और न ही पूरी तरह सुस्त। पूरे देश में औसत ट्रेड कीमत 2 रुपये बढ़कर 342 रुपये प्रति बोरी हो गई। क्षेत्रीय तौर पर हालात अलग रहे। पश्चिम भारत में दाम 7 रुपये प्रति बोरी तक बढ़कर सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। पूर्व में 4 रुपये और उत्तर में 3 रुपये की तेजी रही। मध्य भारत में कीमतें लगभग स्थिर रहीं, जबकि दक्षिण भारत में औसतन 2 रुपये प्रति बोरी की गिरावट दर्ज की गई। कुछ बाजारों में महीने की शुरुआत में बढ़ी कीमतें बाद में सामान्य हो गईं। जनवरी और फरवरी मिलाकर चालू तिमाही में औसत दाम पिछली तिमाही से करीब 1 प्रतिशत अधिक रहे। इससे कंपनियों को थोड़ी राहत मिली। बाजार को इस बार बड़े निर्माण और सरकारी प्रोजेक्ट्स का सहारा मिला। खुदरा बाजार में दाम 0 से 15 रुपये प्रति बोरी ऊपर-नीचे रहे, जबकि बड़े ऑर्डर वाले सौदों में 0 से 20 रुपये तक बढ़त दर्ज हुई। ज्यादातर जगहों पर मांग जनवरी की तुलना में बेहतर रही, लेकिन खुदरा खरीदार अभी पूरी ताकत से नहीं उतरे। मार्च के पहले 10 दिन होली के कारण कामकाज धीमा रह सकता है। मार्च में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना ज्यादातर इलाकों में कम है। हालांकि बिहार, पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में 10-15 रुपये प्रति बोरी तक दाम बढ़ाने की तैयारी चल रही है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल मांग ठीक है, इसलिए अचानक बड़ी गिरावट की संभावना कम है। असली परीक्षा यह होगी कि कंपनियां बढ़े हुए दाम को कितने समय तक संभाल पाती हैं।

क्रेडिट कार्ड नियमों में संभावित बदलाव 1 अप्रैल से

क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को पहचान और पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने पर विचार

नई दिल्ली। क्रेडिट कार्ड अब आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरत बन चुके हैं। खरीदारी, यात्रा, ऑनलाइन बिल और टैक्स भुगतान में उनका उपयोग तेजी से बढ़ा है। 1 अप्रैल से इन कार्डों से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव हो सकते हैं, जो सीधे उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करेंगे। नए नियमों के तहत सालभर में किए गए बड़े भुगतान पर विशेष नजर रखी जा सकती है। यदि कोई निर्धारित सीमा से अधिक क्रेडिट कार्ड बिल जमा करता है, तो इसकी जानकारी संबंधित विभाग को दी जा सकती है। इसका उद्देश्य वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता और अनियमित गतिविधियों पर नियंत्रण रखना है। डिजिटल और नकद भुगतान के लिए अलग-अलग सीमा तय की जा सकती है। तय सीमा से अधिक नकद जमा करने पर इसकी रिपोर्टिंग अनिवार्य हो सकती है। इससे बड़ी रकम को बिना रिकॉर्ड के चुकाना मुश्किल होगा और नकद भुगतान करने वालों को पहले से योजना बनानी होगी। क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को पहचान और पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने पर विचार किया जा रहा है। यह नए कार्ड आवेदन या अपडेट के समय लोगों को अतिरिक्त विकल्प देगा, खासकर उनके लिए जिनके पास सीमित दस्तावेज हैं। सरकार कार्ड को टैक्स और जीएसटी भुगतान के लिए आधिकारिक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम बनाने की तैयारी कर रही है। हालांकि प्रोसेसिंग शुल्क लग सकता है। कंपनियों द्वारा दिए गए कॉर्पोरेट कार्ड पर भी खर्च का पूरा रिकॉर्ड रखना और निजी व ऑफिस खर्च अलग दिखाना अनिवार्य हो सकता है। नए कार्ड के लिए पैन नंबर अनिवार्य हो सकता है। कार्डधारकों को बड़े लेन-देन की सीमा, नकद भुगतान नियम, प्रोसेसिंग फीस और खर्च का रिकॉर्ड ध्यान से रखना चाहिए।

पीपीएफ में एक व्य क्ति अपने नाम पर खोल सकता है केवल एक खाता

- संयुक्त खाते की अनुमति भी नहीं

नई दिल्ली ।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) भारत में सबसे भरोसेमंद बचत योजनाओं में से एक है। वित्त मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय बचत संस्थान के नियमों के अनुसार एक व्यक्ति अपने नाम पर केवल एक ही पीपीएफ खाता खोल सकता है। यह खाता बैंक में हो या डाकघर में, फर्क नहीं पड़ता। संयुक्त खाते की अनुमति भी नहीं है। अगर किसी के नाम पर एक से अधिक खाते पाए जाते हैं, तो अतिरिक्त खाते को अनियमित माना जा सकता है और उसमें जमा राशि बिना ब्याज के वापस की जा सकती है। पीपीएफ खाते व्यक्ति के पैन नंबर से लिंक होते हैं। इसलिए अलग-अलग बैंक या डाकघर में खाते खोलकर अधिक टैक्स फायदा लेने की कोशिश सिस्टम में पकड़ी जा सकती है। अभिभावक अपने नाबालिग बच्चे या मानसिक रूप से अक्षम व्यक्ति के लिए पीपीएफ खाता खोल सकता है। लेकिन नियम स्पष्ट करते हैं कि एक बच्चे पर सिर्फ एक खाता ही खोला जा सकता है और दूसरे अभिभावक को उसी बच्चे के नाम पर खाता खोलने की अनुमति नहीं है। पीपीएफ में न्यूनतम जमा 500 और अधिकतम 1.5 लाख रुपए प्रति वित्त वर्ष है। यह सीमा कुल मिलाकर लागू होती है, यानी अभिभावक अपने खाते और नाबालिग बच्चों के खातों में मिलाकर भी 1.5 लाख रुपए से अधिक नहीं जमा कर सकता। नाबालिग खाते खोलने से कुल टैक्स लाभ की सीमा बढ़ती नहीं है। पीपीएफ योजना लंबी अवधि के लिए डिज़ाइन की गई है। एक से अधिक खाते खोलकर अधिक टैक्स लाभ लेने की कोशिश नियमों के खिलाफ है। अगर निवेशक 1.5 लाख रुपये से अधिक बचत करना चाहता है, तो उसे अन्य वित्तीय साधनों में निवेश करना होगा।

टाटा संस में चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर फैसला टला

- प्रस्ताव को लेकर समूह में मतभेद की अटकलें बढ़ीं

नई दिल्ली । टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर निदेशक मंडल ने फैसला टाल दिया। यह बैठक ऐसे समय हुई जब टाटा ट्रस्ट, जो टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, ने पिछले साल सर्वसम्मति से उन्हें तीसरा कार्यकाल देने की सिफारिश की थी। सूत्रों के अनुसार टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने पुनर्नियुक्ति को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं, जो इस प्रकार हैं- एयर इंडिया का अधिग्रहण और कंपनी के घाटे को लेकर चिंता, सेमीकंडक्टर और बैटरी उत्पादन जैसे नए क्षेत्रों में भारी पूंजीगत जोखिम, नियामकीय बाध्यता और टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने संबंधी स्पष्ट आश्वासन की मांग। इन शर्तों और चिंताओं के कारण बोर्ड ने निर्णय को स्थगित कर दिया। टाटा ट्रस्ट का सर्वसम्मत प्रस्ताव अभी भी कायम है लेकिन पर्यवेक्षकों ने सवाल उठाया कि क्या ट्रस्ट के नामित निदेशक निदेशक मंडल में अलग रुख अपना सकते हैं। यह स्थिति समूह के उच्चस्तरीय मतभेद और रणनीतिक चिंताओं का संकेत देती है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने किया होली ऑफर्स का ऐलान; शॉपिंग और ट्रैवल पर मिलेगी भारी छूट

क्रेडिट और डेबिट कार्ड ग्राहकों के लिए फेस्टिव सीजन में बचत का अवसर; 31 मार्च तक वैध रहेंगे ऑफर्स

मुंबई/इंदौर । भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू एसएफबी ने रंगों के त्योहार होली के उपलक्ष्य में अपने ग्राहकों के लिए विशेष फेस्टिव ऑफर्स की घोषणा की है। बैंक ने ग्रोसरी, फैशन शॉपिंग और ट्रैवल जैसी प्रमुख श्रेणियों में कैशबैक और डिस्काउंट के माध्यम से बचत के अवसर प्रदान किए हैं। यह पहल उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर की गई है जो त्योहार के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए खरीदारी और यात्रा की योजना बना रहे हैं। बैंक द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, ग्रोसरी श्रेणी में स्विगी इंस्टामार्ट पर 111 रू. तक की छूट और ब्लिंकिट, जेप्टो व जियोमार्ट पर एयू क्रेडिट कार्ड के जरिए 5त्न की बचत की जा सकती है। फैशन शॉपिंग के लिए एजीओ (AJIO) पर 10त्न की विशेष छूट उपलब्ध है। वहीं, घर जाने या पर्यटन की योजना बना रहे ग्राहकों को रेडबस और अभिबस पर एयू क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 10त्न तक की राहत मिलेगी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, जिसे हाल ही में यूनिवर्सल बैंक में बदलने की सैद्धांतिक मंजूरी मिली है, अपने इन ऑफर्स के जरिए ग्राहकों के त्योहारी खर्च को किफायती बनाना चाहता है। ये सभी विशेष लाभ लाइव हो चुके हैं और ग्राहक इनका फायदा 31 मार्च 2026 तक उठा सकते हैं। बैंक का उद्देश्य उत्सव के इस माहौल में अपने कार्ड धारकों को वित्तीय लचीलापन और बेहतर बैंकिंग अनुभव प्रदान करना है।

विशाल मेगा मार्ट की प्रवर्तक इकाई ने 13.96 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । समायत सर्विसेज एलएलपी ने खुले बाजार में दो किस्तों में 65.25 करोड़ शेयर बेचे, जो कंपनी की कुल 13.96 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर हैं। शेयरों का मूल्य 117-117.03 रुपए प्रति शेयर रहा, जिससे कुल लेनदेन मूल्य 7,635.55 करोड़ रुपए हुआ। इस बिक्री के बाद समायत सर्विसेज की विशाल मेगा मार्ट में हिस्सेदारी 54.09 फीसदी से घटकर 40.13 फीसदी रह गई। अभी भी यह सबसे बड़ा शेयरधारक है, लेकिन नियंत्रण पहले की तुलना में कम हुआ। समायत सर्विसेज एलएलपी एक विशेष-प्रयोजन इकाई है, जिसका स्वामित्व केदारा कैपिटल और पार्टनर्स ग्रुप, स्विट्जरलैंड के पास है। इस लेनदेन से निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं, और बाजार में स्थिर प्रतिक्रिया देखने को मिली।

सोने की बढ़ती कीमतों से गोल्ड लोन बाजार में रिकॉर्ड उछाल

- जनवरी में गोल्ड लोन में 128 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई

नईदिल्ली ।

सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी का सीधा असर बैंकिंग सेक्टर में दिखाई दे रहा है। जनवरी में गोल्ड लोन में 128 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो पिछले साल जनवरी (91 फीसदी) से काफी अधिक है। रिजर्व बैंक आफ इं डिया (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, गोल्ड जूलरी के बदले बैंकों का आउटस्टैंडिंग लोन पहली बार 4,00,517 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। सोने की कीमतों में 152 फीसदी की बढ़ोतरी ने इस लोन की मांग को मजबूत आधार दिया है। बैंक क्रेडिट में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी 9 फीसदी रही। जनवरी में कुल बैंक क्रेडिट ग्रोथ 14.4 फीसदी रही। पर्सनल लोन बैंक क्रेडिट का सबसे बड़ा सेगमेंट बना, जिसमें हिस्सेदारी 34.5 फीसदी रही। रिटेल लोन में 15 फीसदी की तेजी आई, जबकि एजुकेशन लोन दूसरे सबसे तेज बढ़ने वाले सेगमेंट के रूप में सामने आया, जिसमें 14 फीसदी वृद्धि हुई। सेक्टरवार आंकड़ों में रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में 62 फीसदी की उछाल दर्ज हुई, जिसे आरबीआई ने अनिवार्य कर्ज श्रेणी में शामिल किया है। इसके अलावा, जेम्स एंड जूलरी तथा इंजीनियरिंग सेक्टर में 36 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई, जो इन्हें सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में शामिल करता है। कॉरपोरेट सेक्टर में कर्ज वृद्धि 12 फीसदी रही, जबकि नॉन-फूड क्रेडिट 14 फीसदी बढ़ा। अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के कारण जनवरी में एक्सपोर्ट क्रेडिट 17.2 फीसदी घट गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में इसमें 7 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई थी। यह वैश्विक आर्थिक बदलाव का असर भारतीय क्रेडिट मार्केट पर भी दिखाई दे रहा है।

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह मिलाजुला रुझान देखा गया

सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ता हिक आधार पर एक फीसदी से अ धिक तेजी रही

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुझान दिखाया, जिसमें शुरुआती मजबूती के बाद मध्य और अंत में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार के कमजोर संकेतों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच भारतीय बाजारों में स्थिरता बनी रही, निवेशकों का नजरिया तेजी से सतर्क हो गया। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष ने भी बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है। इस तनाव की वजह से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। जिससे सप्ताह के ओ खिर में शेयर बाजार में एक फीसदी से अे धिक की गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हरे निशान से हुई, जब वैश्विक बाजारों में तेजी और बैंक एवं सेवा क्षेत्र में खरीदारी के चलते प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने 621.78 अंकों की बढ़त के साथ 83,436.49 पर, जबकि एनएसई निफ्टी 180.05 अंकों की तेजी के साथ 25,751.30 पर कारोबार शुरू किया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 479.95 अंक और निफ्टी 141.75 अंक ऊपर बंद हुए। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने वैश्विक व्यापार की धाराओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे निवेशकों का मनोबल बढ़ा। मंगलवार को बाजार में अचानक गिरावट देखने को मिली। एआई से जुड़े संभावित व्यवधानों और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते सेंसेक्स 525.29 अंक गिरकर 82,769.37 पर और निफ्टी 145.85 अंक घटकर 25,567.15 पर खुला। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,068.74 अंक और निफ्टी 288.35 अंक गिरकर सप्ताह के शुरुआती उत्साह को झटका लगा। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में थोड़ी बढ़त देखी गई, लेकिन दिन के अंत में सूचकांक केवल मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। गुरुवार को आईटी शेयरों में खरीदारी और विदेशी फंड प्रवाह ने शुरुआती कारोबार में बाजार को बढ़त दिलाई। हालांकि, दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 27.46 अंक गिरकर और निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर सपाट बंद हुए। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों में कमजोरी और विदेशी फंडों की नई निकासी के

चलते दोनों प्रमुख सूचकांकों में गिरावट रही। सेंसेक्स 961.42 अंक गिरकर 81,287.19 पर और निफ्टी 317.90 अंक घटकर 25,178.65 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह अत्यधिक अस्थिरता दिखाई। शुरुआती उत्साह के बाद मध्य सप्ताह में आईटी शेयरों और वैश्विक जोखिमों के कारण गिरावट देखी गई, जबकि सप्ताह के अंत में विदेशी फंड निकासी और वैश्विक दबाव ने बाजार को लाल निशान में बंद करवाया। निवेशकों के लिए यह सप्ताह सीखने और सतर्क रहने का रहा।

अमेरिका और ईरान में जंग.......सोना 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 300000 लाख रुपये

मुंबई ।

इजरायल ने फिर ईरान पर हमला कर दिया है। इजरायली रक्षामंत्री ने इसकी पुष्टि कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। हमले पर ईरान की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आ गई है। ईरान की प्रतिक्रिया जिस तरह से सामने आई है उससे साफ है कि यह तनाव शायद ही जल्द समाप्त हो। अगर अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ता है, तब इसका सीधा असर सोने और चांदी की कीमतों पर होगा। आने वाले समय में गोल्ड और सिल्वर के दाम इजाफा देखने को मिल सकता है। जानकारों का मानना है कि घरेलू बाजार में सोने का भाव 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी फिर से 300000 लाख रुपये के स्तर तक पहुंच सकती है। सेबी रजिस्टर्ड मार्केट एक्सपर्ट बताते हैं, ÷अमेरिका-ईरान तनाव की वजह से अनिश्चितता के दौर में इजाफा होगा। निवेशक ऐसी परस्थिति में सुरक्षित निवेश की तलाश करेगा। हम सोने और चांदी की कीमतों में तेजी की उम्मीद कर रहे हैं। एक्सपर्ट कहते हैं, ÷सीओएमईएक्स गोल्ड रेट 5300 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसके ऊपर जाने पर भारत में सोने का भाव 168000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक जा सकता है।÷

शुक्रवार को सीओएमईएक्स सिल्वर रेट 93 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतें 95 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर चुनौतियों का सामना कर रही हैं। एक्सपर्ट मानते हैं, ÷अगर सीओएमईएक्स सिल्वर रेट 95 डॉलर प्रति आउंस के स्तर को क्रॉस करने

में सफल रही तब यह फिर से 100 डॉलर प्रति आउंस के स्तर तक पहुंच सकती है। भारत में चांदी की कीमतें फिर से 300000 लाख रुपये के स्तर तक जा सकता है।÷ हालिया समय में सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिली है। हालांकि, उस हिसाब से फरवरी का महीना नहीं बीता है।

गोल्ड और सिल्वर एटीएफ का एनएवी अब भारतीय बाजार की कीमत पर

-अब ईटीएफ का एनएवी ज्यादा पारदर्शी और भारतीय बाजार के अनुकूल होगा

नई दिल्ली । अभी तक गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ अपने पास रखे सोने और चांदी की कीमत तय करने के लिए एलबीएमए (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) की एएम फिक्सिंग का इस्तेमाल करते थे। इसके बाद कई चरणों में बदलाव किया जाता था, जैसे डॉलर से रुपये में बदलना, आयात शुल्क, कस्टम ड्यूटी, ढुलाई खर्च और अन्य टैक्स या फीस। इस वजह से निवेशकों के लिए ईटीएफ का एनएवी वास्तविक भारतीय बाजार की कीमत से थोड़ा अलग दिखाई देता था। 1 अप्रैल 2026 से यह प्रक्रिया बदल जाएगी। अब ईटीएफ ,को अपने बुलियन होल्डिंग की कीमत तय करने के लिए भारतीय एक्सचेंजों द्वारा जारी डॉमेस्टिक स्पॉट प्राइस का उपयोग करना होगा। ये वही कीमतें हैं जिन पर एमसीएक्स और एनएसई पर फिजिकल सोना-चांदी के सौदे होते हैं। इसका मतलब एनएवी सीधे भारत के बाजार की वास्तविक कीमत को दिखाएगा। इस बदलाव से ईटीएफ का एनएवी ज्यादा पारदर्शी और भारतीय बाजार के अनुकूल होगा। डॉलर-रुपये के बदलाव या अतिरिक्त शुल्क जोड़ने की जरूरत खत्म हो जाएगी। निवेशकों के लिए सुरक्षा में कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बस रोज़ाना की कीमतें अब भारत के फिजिकल मार्केट के हिसाब से तय होंगी।

सरकार ने फोर्टिफाइड चावल वितरण अस्थायी रूप से रोका

लंबे समय तक गोदाम में रखने पर आ रही पोषक तत्वों में कमी

नई दिल्ली। सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाय) और अन्य योजनाओं के तहत मिलने वाले फोर्टिफाइड चावल में पोषक तत्व मिलाने की प्रक्रिया अस्थायी रूप से रोक दी है। खाद्य मंत्रालय के अनुसार लंबे समय तक गोदामों में रखने से चावल में जो विटामिन और मिनरल्स मिलाए जाते हैं, उनमें कमी आ रही थी। सरकार ने आईआईटी खड़गपुर को यह अध्ययन करने का काम सौंपा था कि अलग-अलग मौसम और वातावरण में चावल कितने समय तक सुरक्षित रहता है। रिपोर्ट में पाया गया कि चावल रखने का स्थान, तापमान, हवा में नमी और पैकिंग सामग्री फोर्टिफाइड चावल की गुणवत्ता पर बड़ा असर डालते हैं। लंबे समय तक भंडारण और बार-बार परिवहन से पोषक तत्व जल्दी घट जाते हैं और चावल जल्दी खराब होने लगता है। राशन का चावल अक्सर 2-3 साल तक सरकारी गोदामों में रखा जाता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के लिए सालाना 372 लाख टन चावल की जरूरत होती है। जबकि सरकारी भंडार में कुल उपलब्धता लगभग 674 लाख टन है, जिसमें 2025-26 की खरीफ फसल भी शामिल है। खाद्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पोषक तत्व मिलाने की प्रक्रिया रोकने से राशन की मात्रा या स्कूलों और आंगनवाड़ी में मिलने वाले मध्याह्न भोजन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

आवासीय प्लॉट के कथित दुरुपयोग पर महेंद्र सिंह धोनी को नोटिस, हाउसिंग बोर्ड ने मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड की ओर से रांची में आवासीय प्लॉट के कथित दुरुपयोग के मामले में नोटिस जारी किया गया है। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। धोनी जहां एक ओर आईपीएल 2026 में खेलने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर यह विवाद उनके पुराने आवास से जुड़े उपयोग को लेकर चर्चा में है। हाउसिंग बोर्ड के अनुसार धोनी को जो प्लॉट आवंटित किया गया था, वह केवल आवासीय उपयोग के लिए था, लेकिन आरोप है कि वहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। इसे आवंटन की शर्तों का उल्लंघन माना जा रहा है। बोर्ड की ओर से भेजे गए नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि व्यावसायिक उपयोग की अनुमति नहीं थी।

झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष संजयलाल पासवान ने बताया कि क्षेत्र में कई प्लॉट आवासीय उद्देश्य से दिए गए थे, लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि कुछ भूखंडों पर व्यवसायिक कार्य किए जा रहे हैं। इसी आधार पर धोनी सहित कई अन्य लोगों को स्पष्टीकरण के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। हाउसिंग बोर्ड के मुताबिक यह अंतिम नोटिस है और यदि निर्धारित समय के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो प्लॉट के आवंटन को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। मामले की जांच जारी है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। धोनी फिलहाल रांची के रिंग रोड स्थित अपने नए आवास में रहते हैं। विवादित संपत्ति उनका पुराना घर है, जो हरमू रोड पर स्थित है। आरोप है कि इस संपत्ति में एक डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित किया जा रहा था, जिसके बाद हाउसिंग बोर्ड ने जांच आरंभ की। इसी क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के राज्य कार्यालय को भी आवासीय भूखंड के कथित दुरुपयोग पर पहले नोटिस जारी किया जा चुका है। इधर, धोनी मैदान पर वापसी को लेकर भी सुर्खियों में हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके धोनी 28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 में एक बार फिर खेलते नजर आएंगे। उनकी उपस्थिति को लेकर प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

रणजी ट्रॉफी जीत के बाद भावुक हुए पारस डोगरा, बोले 'यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी उपलब्धि'

हुबली। हुबली में इतिहास रचने के बाद पारस डोगरा अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए। कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल ड्रॉ रहने के बावजूद पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीत दर्ज करने वाली जम्मू-कश्मीर के कप्तान ने कहा कि इस सफलता को शब्दों में बयां करना उनके लिए मुश्किल है। मैच के बाद डोगरा ने कहा, 卐सच कहूं तो मैं इसे समझा नहीं सकता। मेरे पास अभी कोई शब्द नहीं हैं। यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी चीज है और मैं इसके लिए बहुत शुक्रगुजार हूं।卐 उन्होंने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ, सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि यह जीत सामूहिक मेहनत का नतीजा है। जम्मू-कश्मीर ने फाइनल में पहली पारी में 291 रन की भारी बढ़त लेकर मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली थी। कर्नाटक के लिए वापसी का एकमात्र रास्ता था कि दूसरी पारी में विरोधी टीम को जल्दी आउट किया जाए। शुरुआती झटकों के बाद स्थिति चुनौतीपूर्ण लग रही थी, जब टीम 11/2 पर लड़खड़ा गई थी।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: सेमीफाइनल की राह तय करेगा कोलकाता का महामुकाबला, मौसम देगा पूरा साथ

कोलकाता (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का सबसे अहम मुकाबला 1 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा, जहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच विजेता ही सेमीफाइनल में पहुंचेगा। यह मैच किसी क्वार्टरफाइनल से कम नहीं माना जा रहा है क्योंकि दोनों टीमों के पास आगे बढ़ने का यही आखिरी मौका है। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की दमदार जीत के साथ अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। अब टीम इंडिया को शाई होप की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज को हराना अनिवार्य है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज भी जीत के साथ सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकती है, जिससे मुकाबला और भी रोमांचक बन गया है।

मुकाबला रविवार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस 6¬30 बजे होगा। ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स इस हाई-वोल्टेज मैच का गवाह बनने जा रहा है। फैंस के मन में सबसे बड़ा सवाल मौसम को लेकर है क्या बारिश मैच बिगाड़ सकती है? शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, राहत की खबर है कि 1 मार्च को कोलकाता में बारिश की कोई संभावना नहीं है। मैच के दौरान आसमान साफ रहने की उम्मीद है। दिन में तापमान लगभग 34 डिग्री सेल्सियस तक और शाम को 25-26 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। कुल मिलाकर मौसम क्रिकेट के लिए आदर्श माना जा रहा है और फैंस को पूरे 40 ओवर का खेल देखने को मिल सकता है।

हालांकि बारिश की संभावना कम है, लेकिन यदि मैच किसी कारणवश रद्द होता है तो स्थिति दिलचस्प हो जाएगी। फिलहाल दोनों टीमों के पास 2-2 अंक हैं। मैच रद्द होने पर दोनों को एक-एक अंक मिलेगा और अंक तीन हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में बेहतर नेट रन रेट होने के कारण वेस्टइंडीज सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती है, जिससे भारत का सफर यहीं समाप्त हो सकता है। ऐसे में भारत को न सिर्फ जीत, बल्कि मौसम के पूरी तरह साथ देने की भी उम्मीद रहेगी। अब देखना है कि ईडन गार्डन्स में कौन सी टीम अपना 'करो या मरो' मुकाबला जीतकर अंतिम-चार में जगह बनाती है।

टीम इस प्रकार है

भारत: अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज।

वेस्टइंडीज : ब्रैंडन किंग, शाइ होप (विकेटकीपर/कप्तान), शिमरन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड, अकील होसेन, गुडाकेश मोटी, शमार जोसेफ, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रोस्टन चेस, जॉनसन चार्ल्स।

वानखेड़े में रवि शास्त्री के नाम पर स्टैंड, तीन दिग्गज खिलाड़ियों के नाम पर होंगे स्टेडियम के गेट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने मुंबई और भारतीय क्रिकेट की गौरवशाली विरासत को सम्मान देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में लेवल-1 स्टैंड का नाम पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रवि शास्त्री के नाम पर रखा जाएगा। इसी के साथ स्टेडियम के तीन प्रमुख गेट भी शहर के कुछ महान खिलाड़ियों को समर्पित किए जाएंगे। यह फैसला एमसीए की हालिया एपेक्स काउंसिल बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

एमसीए ने बताया कि प्रेस बॉक्स के ठीक नीचे स्थित लेवल-1 स्टैंड अब रवि शास्त्री के नाम से जाना जाएगा। खिलाड़ी, कप्तान, कोच और कमेंटेटर के रूप में भारतीय क्रिकेट को उनके अमूल्य योगदान के सम्मान में यह निर्णय लिया गया है। भारतीय क्रिकेट में चार दशक से अधिक समय तक उनकी भूमिका ने उन्हें खेल का एक बड़ा चेहरा बनाया है। स्टेडियम के गेट भी मुंबई क्रिकेट के तीन दिग्गजों को सम्मानित करेंगे। गेट नंबर 3 का नाम महान बल्लेबाज दिलीप सरदेसाई के नाम पर रखा जाएगा, जिन्होंने 30 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। गेट नंबर 5 महिला क्रिकेट की अग्रणी हस्तियों में शामिल डायना एडुल्जी को समर्पित होगा, जिन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम योगदान दिया। वहीं गेट नंबर 6 अब प्रसिद्ध ऑलराउंडर और क्लोज-इन फील्डर एकनाथ सोलकर के नाम से जाना जाएगा, जो अपनी फुर्ती और साहसिक फील्डिंग के लिए याद किए जाते हैं। एमसीए अध्यक्ष अजींक्य नाइक ने कहा कि मुंबई क्रिकेट की मजबूत आधारशिला इन खिलाड़ियों ने अपने खेल और अनुशासन से तैयार की है। उन्होंने कहा कि इन दिग्गजों का सम्मान करना न केवल अतीत की विरासत को सलाम करना है, बल्कि भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देना भी है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में प्रवेश करने वाले हर दर्शक को अब मुंबई क्रिकेट की गौरवशाली यात्रा और इन महान खिलाड़ियों के योगदान की याद ताजा होगी। एमसीए के इस फैसले को क्रिकेट जगत में सराहनीय कदम माना जा रहा है, क्योंकि इससे शहर की क्रिकेट संस्कृति और खिलाड़ियों की विरासत को नए सिरे से

टी20 वर्ल्ड कप 2026: दक्षिण अफ्रीका की जीत की लय पर जिम्बाब्वे की चुनौती

-अरुण जेटली स्टेडियम में होगा हाई-स्टेक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में रविवार दोपहर नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका जिम्बाब्वे आमने-सामने होंगी। प्रोटियाज अपनी अजेय लय को सात मैचों तक बढ़ाना चाहेंगे, जबकि जिम्बाब्वे टूर्नामेंट का समापन सम्मानजनक तरीके से करना चाहेगा। दक्षिण अफ्रीका इस वर्ल्ड कप में अब तक अपने सभी छह मुकाबले जीत चुका है और 10 के नेट रन रेट के साथ सबसे दमदार टीम के रूप में उभरा है। टीम अगर जिम्बाब्वे को मात देती है, तो यह टी20 प्रारूप में उसकी दूसरी सबसे लंबी जीत की श्रृंखला बन जाएगी। कप्तान एडन मार्क्रम बेहतरीन फॉर्म में हैं। वे 178 की स्ट्राइक रेट से 264 रन बना चुके हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। पावरप्ले में उनका स्ट्राइक रेट 200 रहा है, जो 50 से ज्यादा गेंद खेलने वाले बल्लेबाजों में सबसे ऊंचा है। मार्कराम के पास बाबर आजम (303 रन, 2021) के रिकॉर्ड को तोड़कर एक वर्ल्ड कप संस्करण में कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का मौका भी है।

दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी स्पिन के खिलाफ सबसे प्रभावी रही है, जहां टीम ने 9.9 रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए। डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक को छोड़कर लगभग सभी बल्लेबाज 140+ के स्ट्राइक रेट पर खेल रहे हैं। गेंदबाजी में भी टीम का प्रदर्शन शानदार है। तेज गेंदबाज 37 विकेट चटका चुके हैं, जो इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक हैं। लुंगी एंगीडी 11 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से सिर्फ एक विकेट दूर हैं। मार्को जानसेन के नाम भी 11 विकेट हैं, जबकि कगिसो रबाडा ने शुरुआती मैचों के बाद जोरदार वापसी की है।

जिम्बाब्वे की टीम भले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी है, लेकिन उनके अभियान में कई यादगार पल शामिल रहे। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया को हराकर उन्होंने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया था, हालांकि सुपर-8 में भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली हार से टीम की रफ्तार टूट गई। जिम्बाब्वे के ओपनर ब्रायन बेनेट ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है। वे अभी तक पांच पारियों में 277 रन बना चुके हैं और केवल एक बार आउट हुए हैं। उन्हें इस वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने वाले विराट कोहली (319 रन) के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल 43 रन की जरूरत है।

नई दिल्ली की पिच पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को ज्यादा सफलता मिली है। यहां खेले गए पांच में से चार मैच दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। हेड-टू-हेड मुकाबलों में दक्षिण अफ्रीका 7-1 से आगे है, जिससे वह इस मैच में स्पष्ट रूप से मजबूत दावेदार दिखाई देता है। अब देखना यह होगा कि दक्षिण अफ्रीका अपनी जीत की लय बरकरार रखता है या जिम्बाब्वे आखिरी मुकाबले में बड़ा उलटफेर करता है।

'संजू सैमसन को अब मौका लपकना होगा' : अश्विन

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया की बल्लेबाजी पहली बार पूरी तरह चमककर सामने आई जब ग्रुप स्टेज खत्म हो चुका था और सुपर-8 का पहला मुकाबला टीम हार चुकी थी। सेमीफाइनल की उम्मीदें 'अगर-मगर' पर टिकी थीं, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने टूर्नामेंट में नई जान फूंक दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 256 रन खड़ा किया और मुकाबला 72 रन से जीत लिया। इस मैच में संजू सैमसन को मौका दिया गया और उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग में उतारा गया। दोनों ने सिर्फ 22 गेंदों में 48 रन की तेज साझेदारी की। सैमसन 15 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में वह आक्रामक शुरुआत दे दी जिसकी टीम को सख्त जरूरत थी। इस दमदार जीत और सैमसन की पारी पर दिग्गज ऑफ स्पिनर रवचन्द्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर खास प्रतिक्रिया दी। अश्विन ने कहा कि सैमसन को आक्रामक क्रिकेट के रास्ते पर चलते रहना होगा और यह उनके लिए सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा, 'मैं जिस संजू सैमसन को जानता हूं, मुझे उसकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। भारत को वर्ल्ड कप के दौरान ओपनिंग में समस्या थी, लेकिन इस मैच ने उसे दूर कर दिया। अगर सैमसन यहां से फाइनल तक 15 गेंदों में 28 या 30 रन भी बना देते हैं, तो वह टीम के लिए अपना काम कर चुके होंगे। बड़े स्कोर भी बन सकते हैं, लेकिन उनकी भूमिका यही है तेजी से टीम को शुरुआत देना।' अश्विन ने आगे कहा कि वे सैमसन को बड़ी पारी खेलते देखना चाहते हैं। 'मैं चाहता हूं कि सैमसन अच्छी शुरुआत को मैच-विनिंग पारी में बदलें। यह उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा मौका है। सालों की मेहनत के बाद इस मंच तक पहुंचे हैं, उन्हें इसे पकड़ना होगा। अगर नाकाम भी होते हैं, तो यह जरूर कह पाएंगे कि उन्होंने कोशिश की। मैं चाहता हूं कि वह इस वर्ल्ड कप में एक शतक लगाएं या मैच जिता दें वे इसके हकदार हैं।' भारत के लिए अब अगला और सबसे अहम सुपर-8 मुकाबला 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। यह मैच क्वार्टर फाइनल जैसा है जो टीम जीतेगी वही सेमीफाइनल में जाएगी। ग्रुप-1 से दक्षिण अफ्रीका पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। ऐसे में सैमसन और टीम इंडिया पर सबकी निगाहें टिकी रहेंगी।

फाफ डु प्लेसिस ने किया 2026 विश्व कप फाइनल का बड़ा प्रिडिक्शन

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप में सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को अब भी बरकरार रखा है। सुपर-8 चरण में साउथ अफ्रीका से पहला मुकाबला हारने के बाद टीम इंडिया पर उठ रहे सवाल अब इस जीत के साथ तारीफों में बदल गए हैं। अगर भारत अपने अगले मुकाबले में वेस्टइंडीज को मात दे देता है, तो उसके लिए सेमीफाइनल का रास्ता लगभग साफ हो जाएगा। वहीं, ग्रुप की अंकतालिका में दक्षिण अफ्रीका लगातार दो जीत के साथ और जिम्बाब्वे की दो हार के चलते पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने एक कार्यक्रम में बात करते हुए भविष्यवाणी की कि टी-20 विश्व कप 2026 का फाइनल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। फाफ ने कहा, 'भारत बेहद मजबूत टीम है और अपनी सरज़मीन पर कभी कमजोर नहीं पड़ती।' उन्होंने आगे कहा कि उनके अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीका फाइनल जीतकर पहली बार विश्व चैंपियन बनेगा। फाफ ने मज़ाकिया अंदाज में यह भी कहा कि फाइनल में डेविड मिलर बिलकुल वैसा ही कैच लेंगे जैसा सूर्यकुमार यादव ने टी-20 विश्व कप 2024 के फाइनल में लिया था।

पिता के निधन के बाद टीम से जुड़ें रिंकू सिंह, देश के लिए निभाई जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा स्टार रिंकू सिंह अपने जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच उनके पिता का निधन हो गया, लेकिन इस गहरे दुख के बावजूद रिंकू ने हिम्मत दिखाते हुए टीम इंडिया में दोबारा शामिल हो गए है और वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के इडन गार्डन में होने वाले मैच के लिए तैयार हैं। रिंकू 26 फरवरी को भारत और जिम्बावे के बीच खेले गए मैच में मैदान पर मौजूद थे। हालांकि वे प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं थे, लेकिन सब्सटीट्यूट फील्डर के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई। मैच खत्म होने के कुछ घंटे बाद, 27 फरवरी की सुबह उन्हें उनके पिता खानचंद सिंह के निधन की दुखद सूचना मिली। उनके पिता लिवर कैंसर के चौथे स्टेज से जूझ रहे थे। सूचना मिलते ही रिंकू चेन्नई से सीधे अपने शहर अलीगढ़ पहुँचे और अपने पिता के पार्थिव शरीर को कंधा देकर अंतिम संस्कार किया। इससे पहले भी, वह टूर्नामेंट के दौरान अपने पिता की खराब तबीयत के चलते अस्पताल गए थे, लेकिन देश की जिम्मेदारी को देखते हुए टीम के साथ ज़िम्बाब्वे मैच से पहले फिर जुड़ गए थे। भारत का अगला और बेहद अहम मुकाबला 1 मार्च को इडन गार्डन में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच किसी क्वार्टर फ़ाइनल से कम नहीं है, क्योंकि जीतने वाली टीम सीधे सेमीफाइनल में जगह बनाएगी। टीम की जरूरत को देखते हुए रिंकू का यह फैसला क्रिकेट जगत और प्रशंसकों के बीच बेहद सराहा जा रहा है। निजी त्रासदी के बावजूद देश के लिए तत्पर रहने का उनका यह साहसिक कदम युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

तीसरे वनडे में साख बचाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

-बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार की सख्त जरूरत

होबार्ट (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में एकतरफा हार झेलने के बाद मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब पूरी तरह बैकफुट पर खड़ी है। रविवार को होबार्ट में होने वाला तीसरा और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भारत के लिए केवल सम्मान बचाने का मौका है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त लेकर श्रृंखला अपने नाम कर चुका है और यह लगातार 12वीं बार है जब भारत द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस प्रतिद्वंद्वी से हार चुका है। भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी कमजोर बल्लेबाजी रही है। पहले वनडे में पावरप्ले के भीतर ही तीन महत्वपूर्ण विकेट खोने के बाद टीम 214 पर सिमट गई। दूसरे वनडे में हालांकि टीम ने 78 रनों की शानदार साझेदारी से शुरुआत की, लेकिन मध्य और निचले क्रम ने इसे भुनाया नहीं। 17वें से 31वें ओवर के बीच मात्र 52 रनों पर पांच विकेट गंवाना टीम के पतन की बड़ी वजह रहा। परिणामस्वरूप भारत नौ विकेट पर 251 रन ही बना पाया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से हासिल कर लिया।

टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जहां दो अर्धशतक जड़े, वहीं युवा सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने शून्य पर आउट होने के बाद शानदार अर्धशतक से वापसी की। स्मृति मंधाना भी दो मैचों में 31 और 58 रन बनाकर अच्छी लय में दिखीं। लेकिन अनुभवी खिलाड़ियों जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा का फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। हरमनप्रीत ने भी स्वीकार किया कि टीम ने बार-बार वही गलतियां दोहराईं और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट गंवाए जिससे बड़ा स्कोर खड़ा नहीं हो सका। भारत की गेंदबाजी की स्थिति भी उतनी मजबूत नहीं दिखी। दीप्ति ने दो मैचों में तीन विकेट जरूर लिए, लेकिन उनके अलावा तेज गेंदबाज काशवी गौतम और क्रांति गौड़ को पावरप्ले में अधिक प्रभावी होने की जरूरत है। श्री चरणी पहले मैच में दो विकेट लेने के बाद दूसरे मैच में काफी महंगी साबित हुईं। खराब फील्डिंग ने टीम की परेशानियां और बढ़ाईं गौड़, मंधाना और ऋचा घोष के कैच छोड़ने से ऑस्ट्रेलिया को और बढ़त मिली।

इसके विपरीत ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हर विभाग में अपना दबदबा कायम रखा है। दूसरे वनडे में जॉर्जिया वोल के दमदार शतक और फीबी लिचफील्ड की शानदार बल्लेबाजी ने मैच को एकतरफा बना दिया। पहले मैच में बेथ मूनी, एलिसा हीली और एनाबेल सदरलैंड ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। गेंदबाजी में मेगन शट, एशले गार्डनर, अलाना किंग और सदरलैंड ने लगातार विकेट निकालकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। भारत भले ही टी20 श्रृंखला 2-1 से जीत चुका है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की दो वनडे की जीत ने बहु-प्रारूप श्रृंखला में उसे 6-4 की बढ़त दिला दी है। भारत को न केवल तीसरे वनडे में बल्कि पर्थ में होने वाले एकमात्र टेस्ट में भी दम दिखाना होगा, ताकि इस दौरे का अंत निराशाजनक न हो और टीम अपनी प्रतिष्ठा बचा सके।

टीम इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

ऑस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फीबी लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलीसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

जम्मू-कश्मीर में क्रिकेट का नया सूरज, रणजी ट्रॉफी जीतकर मनाया जश्न, पीएम मेदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जम्मू और कश्मीर टीम को उनकी पहली रणजी ट्रॉफी जीत पर बधाई दी और उनके असाधारण साहस, अनुशासन और जुनून की सराहना की। जम्मू और कश्मीर ने 67 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए शनिवार को हुबली में खेले गए रणजी ट्रॉफी के फाइनल में मजबूत टीम कर्नाटक को हराया। पीएम मोदी ने एक पोस्ट में लिखा कि जम्मू और कश्मीर टीम को उनकी पहली रणजी ट्रॉफी जीत पर बधाई! यह ऐतिहासिक जीत टीम के असाधारण साहस, अनुशासन और जुनून को दर्शाती है। यह जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए गर्व का क्षण है और वहां के बढ़ते खेल प्रेम और प्रतिभा को उजागर करता है। आशा है कि यह उपलब्धि कई युवा खिलाड़ियों को बड़े सपने देखने और अधिक खेलने के लिए प्रेरित करेगी।

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कर्नाटक के खिलाफ ऐतिहासिक पहली रणजी ट्रॉफी जीत के लिए जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई दी है। सिन्हा ने इस उपलब्धि को केंद्र शासित प्रदेश के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के असाधारण प्रदर्शन और समर्पण की सराहना की। सिन्हा ने पत्रकारों से कहा कि जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने रणजी टूर्नामेंट में बहुत ही सराहनीय प्रदर्शन किया है। टीम को मेरी शुभकामनाएं।

X पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर का गौरवशाली क्षण आ गया है! हमारी क्रिकेट टीम को रणजी ट्रॉफी जीतते हुए देखकर मेरी भावनाएं शब्दों से परे उमड़ रही हैं। उन सभी खिलाड़ियों को जिन्होंने अपने दृढ़ संकल्प से इतिहास रचा¬ पूरे केंद्र शासित प्रदेश की ओर से आपको धन्यवाद, हम गर्व से फूले नहीं समा रहे हैं। आपने इतिहास को अमर कर दिया है - इसे सम्मान के साथ अपनाएं। मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 2019 के बाद केंद्र शासित प्रदेश में शुरू हुई खेल क्रांति के लिए आभारी हूं। सभी युवाओं से¬ इस जोश को अपने क्षितिज को प्रज्वलित करने दें¬ अथक और लगन से प्रशिक्षण लें। इस जीत को आधार बनाकर प्रभुत्व के युगों का नेतृत्व करें - जम्मू-कश्मीर का अजेय भविष्य आपसे शुरू होता है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के फाइनल में जीत के बाद जम्मू और कश्मीर क्रिकेट टीम को बधाई दी और इसे दृढ़ता और लगन का एक उल्लेखनीय उदाहरण बताया। पारस डोगरा के नेतृत्व वाली जम्मू और कश्मीर टीम ने 67 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए मजबूत टीम कर्नाटक को हराया। अपने पहले रणजी फाइनल में खेलते हुए, जम्मू और कश्मीर ने पहली पारी में 291 रनों की विशाल बढ़त के दम पर खिताब जीता। यह बढ़त आठ बार की चैंपियन कर्नाटक टीम के लिए नामुमकिन साबित हुई, जिसकी कप्तानी देवदत्त पडिक्कल कर रहे थे। शाह ने अपने खाते पर न सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि पर्दे के पीछे काम करने वाली पूरी टीम की सराहना की।

उन्होंने लिखा कि जम्मू-कश्मीर की भारतीय टीम को उनके दृढ़ संकल्प और लगन की अद्भुत कहानी के लिए हार्दिक बधाई। खिलाड़ी प्रशंसा के पात्र हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर के कोचिंग स्टाफ, प्रबंधन और प्रशासकों के योगदान को भी नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को संभव बनाने के लिए पर्दे के पीछे अथक परिश्रम किया है। मुझे विश्वास है कि यह जीत इस क्षेत्र की वर्तमान पीढ़ी के दिलों में आत्मविश्वास जगाएगी और आने वाली पीढ़ी को बल्ला या गेंद उठाने के लिए प्रेरित करेगी। हमारा खेल दुनिया भर में प्रेरणा की ऐसी कहानियों से समृद्ध है, और मुझे उम्मीद है कि इस कहानी को भी उतना ही सम्मान मिलेगा।

रंगों की बाल कविता

होली

चल निकली है रंग में डूबी
हम बच्चों की टोली,
कोई नटखट बना कन्हैया,
कोई राधिका भोली।
नीला, पीला या फिर लाल,
हर चेहरे पर सजे गुलाल,
बोल रही है हर पिचकारी
बस रंगों की बोली।

अपने हो या गैर सभी,
आज भुला दें बैर सभी,
गले लगाकर एक-दूजे को
आज मनाएँ होली।

पुआ, पूरी और पकवान,
हर होठों पे हो मुस्कान,
मानो किसी फरिश्ते ने
मिसरी हवा में घोली।

चल निकली है रंग में डूबी
हम बच्चों की टोली।

बिल्लू का छक्का

उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर में 8 साल का एक बेहद चुलबुला बच्चा रहता था, जिसका नाम था 'बिल्लू'। बिल्लू के अंदर क्रिकेट का ऐसा जुनून था कि सोते-जागते, खाते-पीते उसे बस बैट और बॉल ही दिखाई देते थे। वह खुद को मोहल्ले का सूर्यकुमार यादव समझता था।

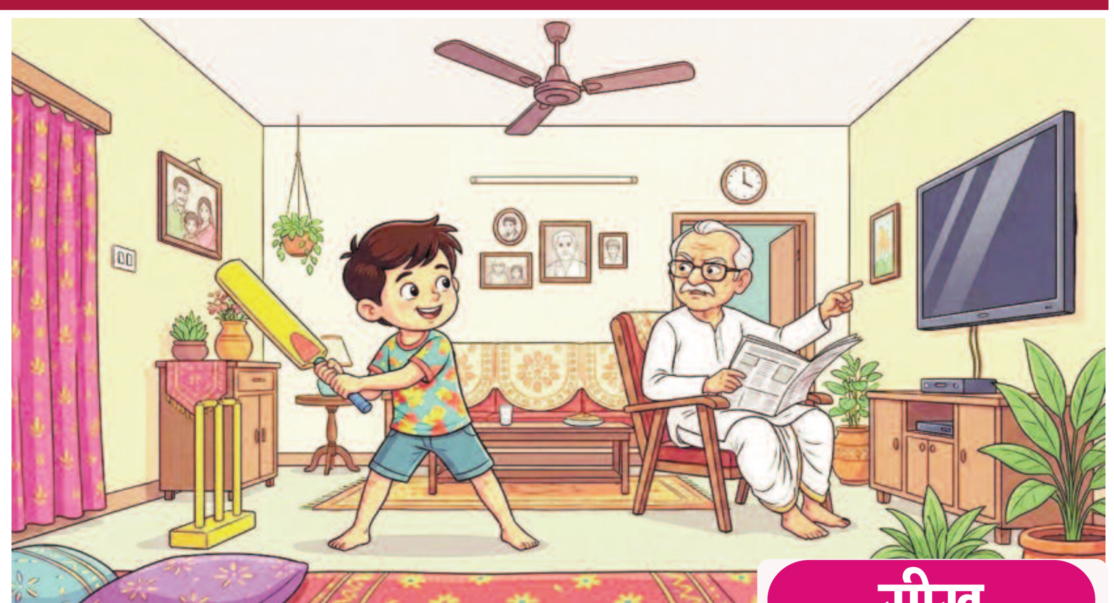

गर्मियों की छुट्टियों का दिन था। दोपहर की तेज धूप के कारण बिल्लू की मम्मी ने उसे बाहर खेलने जाने से मना कर दिया था। लेकिन बिल्लू का मन कहाँ मानने वाला था! उसने अपना प्लास्टिक का पीला बैट उठाया, एक पुरानी टेनिस बॉल ली और सीधे अपने दादाजी (जिन्हें वह बाबूजी कहता था) के कमरे में पहुँच गया।

'बाबूजी! चलिए न, मुझे थोड़ी सी बॉलिंग कराइए। आज तो मैं ऐसा बिल्लू का छक्का मारूंगा कि गेंद सीधे टीवी के पार जाएगी!' बिल्लू ने पूरे भौकाल में कहा।

बाबूजी अपनी आरामकुर्सी पर अखबार पढ़ रहे थे। उन्होंने अपना चश्मा नाक के नीचे खिसकाया और आँखें तरेरते हुए बोले, 'अरे लल्ला! दिमाग खराब हो गया है क्या? बैठक (ड्राइंग रूम) में कहीं क्रिकेट खेला जाता है? सामने नया स्मार्ट टीवी टंगा है, उधर फ्रिज रखा है। अगर तुम्हारी बॉल लग गई न, तो तुम्हारी मम्मी मेरा और तुम्हारा, दोनों का छक्का छुड़ा देंगी।'

बिल्लू ने थोड़ा मुँह फुलाया, 'तो बाबूजी, बाहर आँगन (पार्किंग) में खेल लेते हैं। वहां तो कोई टीवी नहीं है।'

बाबूजी ने अखबार मोड़ते हुए कहा, 'बेटा, आँगन में भी नो एंट्री है। वहां तुम्हारे पापा की नई कार और मेरा पुराना 'बजाज चेतक' स्कूटर खड़ा है। अगर तुम्हारी गेंद से गाड़ियों के शीशे (मिरर) चटक गए, तो फिर मरम्मत के पैसे क्या तुम्हारी गुल्लक से आएंगे?'

बिल्लू को लगा कि बाबूजी तो हर जगह बस बहाने बना रहे हैं। वह चिढ़कर बोला, 'आप भी न बाबूजी, सीधे कह दो कि आपके घुटनों में दर्द है और आप खेल नहीं सकते। मैं खुद ही खेल लूँगा।' बाबूजी मुस्कुराए और उसे कमरे में खेलने से सख्त मना करके नहाने चले गए।

बाबूजी के बाथरूम में घुसते ही बिल्लू का 'क्रिकेटर' जाग गया। उसने सोचा, 'धीरे से मारूंगा, किसी को पता भी नहीं चलेगा।' उसने गेंद को हवा में उछाला और पूरे जोश के साथ बैट घुमा दिया।

ठहाक... छन्नन्न! एक ज़ोरदार आवाज आई। बिल्लू का शॉट सीधा टीवी के ऊपर रखे उस खूबसूरत चीनी मिट्टी के गमले पर लगा, जो उसकी मम्मी कल ही बाजार से लाई थीं। गमला ज़मीन पर गिरकर चकनाचूर हो गया।

बिल्लू के पसीने छूट गए। उसका सारा भौकाल हवा हो गया। जब बाबूजी नहाकर तौलिया लपेटे बाहर आए, तो उन्होंने देखा कि बिल्लू ज़मीन पर बैठा फेविकोल से गमले के टुकड़ों को जोड़ने की नाकाम कोशिश कर रहा है।

'लग गया बिल्लू का छक्का? मैंने कहा था न कि अंदर मत खेलो!' बाबूजी ने सख्त आवाज में पूछा।

बिल्लू लगभग रोने वाली शक्ल बनाकर बाबूजी के पैरों से लिपट गया, 'बाबूजी, मुझे बचा लो! मम्मी मुझे बहुत डांटेंगी। आप किसी को मत बताना। मैं कसम खाता हूँ, आज के बाद कभी घर के अंदर बैट नहीं उठाऊंगा।'

बाबूजी को अपने पोते की घबराई हुई शक्ल देखकर दया आ गई। उन्होंने कहा, 'ठीक है, मैं किसी से कुछ नहीं कहूँगा।'

शाम को जब मम्मी ने चाय देते वक्त टूटा हुआ गमला देखा, तो पूरे घर में भूचाल आ गया। 'ये मेरा सबसे महँगा गमला किसने तोड़ा?' मम्मी ने गुस्से में पूछा।

दादी ने बिल्लू की तरफ देखा, 'बिल्लू, तू यहीं खेल रहा था न? तूने तोड़ा है क्या?'

बिल्लू ने बिना पलक झपकाए बहुत ही सफाई से झूठ बोल दिया, 'नहीं दादी! मैंने नहीं तोड़ा। वो... पड़ोस वाली काली बिल्ली खिड़की से आई थी, उसी ने छलांग मारी और गमला गिर गया। मैंने खुद अपनी आँखों से देखा है।'

बिल्लू ने देखा कि किसी ने उसे नहीं डांटा। सबने बिल्ली को कोसा और बात खत्म हो गई। बिल्लू मन ही मन अपनी होशियारी पर बहुत खुश हुआ। उसे लगा कि उसने कितना शानदार झूठ (स्द्धद्ग) बोलकर खुद को बचा लिया।

रात को सोने से पहले बाबूजी ने बिल्लू को अपने पास बुलाया। बाबूजी ने बड़े ही शांत स्वर में कहा, 'बिल्लू, आज शाम को जब तुम ट्यूशन गए थे, तो मैंने तुम्हारी मम्मी और दादी को सच बता दिया था कि गमला तुम्हारी गेंद से टूटा है। मैंने उनसे यह भी कह दिया था कि वो तुम्हें न डांटें।' बिल्लू की आँखें फटी की फटी रह गईं। 'क्या? आपने सबको सच बता दिया था? पर मुझे तो किसी ने कुछ नहीं कहा! और आपने तो मुझसे वादा किया था कि आप किसी को नहीं बताएंगे।'

बाबूजी ने प्यार से बिल्लू के सिर पर हाथ फेरा और प्रेरणादायक कहानी वाले अंदाज़ में समझाया, 'लल्ला, जब तुमने मुझसे वादा लिया था, तब तुम डरे हुए थे। मुझे लगा तुम अपनी गलती समझ गए हो। लेकिन शाम को मैंने देखा कि तुम कितनी बेबाकी से सबके सामने बिल्ली का बहाना बनाकर झूठ बोल रहे थे। तुम्हारी आँखों में कोई पछतावा नहीं था।'

बाबूजी ने आगे कहा, 'गलती इंसान से ही होती है बेटा। अगर तुम सच बोल देते, तो शायद तुम्हें थोड़ी डांट पड़ती, लेकिन सबका तुम पर भरोसा बना रहता। आज तुमने एक टूटे गमले को छिपाने के लिए अपने परिवार का भरोसा तोड़ दिया। याद रखना, झूठ के पाँव नहीं होते, वह कभी न कभी पकड़ा ही जाता है।'

एक नई शुरुआत

बाबूजी की बातें बिल्लू के दिल में सीधे उतर गईं। उसे अपनी चालाकी पर शर्म आने लगी। उसे समझ आ गया कि सच्चाई और ईमानदारी से बढ़कर कोई होशियारी नहीं है।

बिल्लू तुरंत अपनी मम्मी के पास गया, उनके गले लगा और रोते हुए माफ़ी मांगी, 'मम्मी, वो बिल्ली ने नहीं, मेरे छक्के ने गमला तोड़ा था। मुझे माफ़ कर दो, मैं अब कभी झूठ नहीं बोलूंगा।'

मम्मी ने मुस्कुराकर उसे गले लगा लिया। उस दिन के बाद से घर के अंदर कभी बिल्लू का छक्का नहीं लगा। अब वह रोज़ शाम को अपनी किट उठाकर बाहर मैदान में ही खेलने जाता था।

सीख

सच बोलने की हिम्मत: गलती हो जाना आम बात है, लेकिन उसे झूठ बोलकर छिपाना सबसे बड़ी गलती है। सच बोलने से लोग हमेशा माफ़ कर देते हैं।

बड़ों की सलाह मानें: घर के बड़े अगर किसी काम के लिए मना करते हैं, तो उसमें हमारा ही भला छिपा होता है।

जगह का चुनाव: खेलने-कूदने के लिए सही जगह (जैसे मैदान या पार्क) का ही इस्तेमाल करना चाहिए ताकि घर का नुकसान न हो।

चॉकलेट और टॉफी से बच्चे हो रहे हैं चिड़चिड़े, खिलाने से पहले लें डॉक्टर की सलाह

आजकल बच्चों में चिड़चिड़ापन और गुस्सा बढ़ने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, और इसके पीछे मुख्य वजह है ज्यादा मीठा और प्रोसेस्ड फूड। चॉकलेट, टॉफी, कुकीज और कोल्ड ड्रिंक जैसी चीजें बच्चों को अस्थायी रूप से खुश और हाइपरएक्टिव तो बना देती हैं, लेकिन बाद में ब्लड शुगर गिरने के कारण वे जल्दी चिड़चिड़े और गुस्सैल हो जाते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बच्चों को मीठा खिलाने से पहले डॉक्टर या न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की सलाह लेना जरूरी है, ताकि उनके स्वास्थ्य और व्यवहार पर नकारात्मक असर न पड़े।

चीनी कैसे बन रही बच्चों के लिए खतरा

जब बच्चे टॉफी या चॉकलेट खाते हैं तो उनके दिमाग में डोपामाइन हार्मोन रिलीज होता है, जिससे वह कुछ समय के लिए हाइपर एक्टिव और खुश दिखते हैं। लेकिन जैसे ही ब्लड शुगर का स्तर तेजी से गिरता है, बच्चा अचानक चिड़चिड़ा और गुस्सैल हो जाता है। पिछले दस साल में बच्चों को आसानी से प्रोसेस्ड फूड उपलब्ध होने के कारण ऐसे मामले बढ़े हैं। इसके अलावा, ज्यादा चीनी का सेवन मोटापे का कारण भी बन रहा है।

पैरेंट्स की मुश्किलें और उदाहरण

क्लास में नहीं टिक पाना: आठ साल के एक बच्चे की स्कूल से शिकायत आती थी कि वह क्लास में ध्यान नहीं दे पा रहा। जांच में पता चला कि वह रोज कुकीज, चॉकलेट और पेस्ट्री खाता था। जैसे ही रिफाइंड शुगर कम की गई, बच्चा अधिक शांत और फोकस्ड हो गया।

बचपन में मोटापा और चिड़चिड़ापन: 12 साल की एक बच्ची का वजन 75 किलो हो गया। इसके पीछे कारण था अधिक कोल्ड ड्रिंक, बिस्किट और पेस्ट्री का सेवन। धीरे-धीरे उसका स्वभाव भी चिड़चिड़ा होने लगा। डॉक्टरों ने इसकी मुख्य वजह अत्यधिक चीनी को बताया।

कैसे करें मीठे का सही सेवन

एक्सपर्ट्स और डॉक्टर्स के अनुसार बच्चों को एकदम मीठा बंद करने की बजाय धीरे-धीरे कम करना चाहिए। इसके लिए कुछ आसान उपाय हैं नेचुरल शुगर अपनाएं: रिफाइंड शुगर की जगह फल, खजूर, गुड़ दें।

फलों को प्राथमिकता दें: बच्चों के सामने खुद ताजा फलों का जूस पीएं और घर में हमेशा फल की बास्केट रखें। भूख लगने पर बच्चे फल ही खाएं।

हेल्दी स्नैक्स: चॉकलेट की बजाय नट्स और होममेड हेल्दी विकल्प दें।

स्कूल में हेल्दी विकल्प: बच्चों को स्कूल कैंटीन में भी स्वस्थ विकल्प उपलब्ध कराना जरूरी है।

इन उपायों से न केवल बच्चों की चिड़चिड़ाहट कम होगी, बल्कि उनका स्वास्थ्य और वजन नियंत्रित रहेगा।

आंवला, एलोवेरा के प्रयोग से बचाएं बालों का झड़ना

अगर आप लंबे समय से झड़ते बालों की समस्या से परेशान है तो आंवला और एलोवेरा का प्रयोग करें। ये बालों की जड़ें मजबूत करने के साथ उनको हेल्दी बनाता है।

आंवला विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर है। ये जड़ों को मजबूत करने के साथ नए बाल उगाने में मदद करता है। समय से पहले बाल सफेद होने की प्रक्रिया को भी धीमा बनाता है। इसमें मौजूद आयरन बालों में चमक लाते हैं। एलोवेरा बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है। विटामिन ए, सी, ई, जिंक और मैग्नीशियम हैं जो बालों को मजबूत बनाते हैं। डैंड्रफ और खुजली जैसी समस्या को खत्म करते हैं।

आंवला-एलोवेरा का हेयर मास्क बनाये। इसके लिए आंवला पाउडर, एलोवेरा जेल,नारियल तेल का पेस्ट बना लें और बालों की जड़ों पर मालिश करें। इसके बाद 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। इसके आवा आंवला-एलोवेरा हेयर ऑयल का इस्तेमाल करे। इसे इस प्रकार बनायें।

रोज 10-12 किशमिश खाएं, शरीर की बड़ी समस्याएं दूर भगाएं

किशमिश, ये छोटी सी मीठी चीज सिर्फ स्वाद बढ़ाने के काम नहीं आती, बल्कि शरीर की कई बड़ी परेशानियों का हल भी है। अक्सर हमारे घरों में ये आसानी से मिल जाती है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसमें इतनी जबरदस्त ताकत होती है कि अगर आप रोज 10-12 किशमिश खाएं, तो कुछ ही दिनों में शरीर की बड़ी समस्याएं दूर होने लगती हैं और पॉजिटिव बदलाव दिखने लगते हैं। दरअसल, किशमिश सूखे अंगूर होते हैं, जिनमें पोषक तत्व बहुत ज्यादा मात्रा में होते हैं। इसमें आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और फाइबर भरपूर होता है। इतना ही नहीं, किशमिश एनर्जी का बहुत अच्छा सोर्स भी है क्योंकि इसमें नेचुरल शुगर और कार्बोहाइड्रेट होते हैं। अगर आप सूखी किशमिश की बजाय रातभर भीगी हुई किशमिश खाते हैं, तो उसका असर और ज्यादा बढ़ जाता है। आपको बस इतना करना है कि रात को 10-15 किशमिश एक गिलास पानी में भिगो दें और सुबह खाली पेट इन्हें चबाकर खा लें। इससे पाचन अच्छा रहेगा, एनर्जी लेवल बढ़ेगा और शरीर डिटॉक्स भी होगा। किशमिश खाने से इम्यूनिटी यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। इसमें ऐसे न्यूट्रिएंट्स होते हैं जो ठंड, बैक्टीरिया और इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं। अगर आप अक्सर सर्दी-जुकाम से परेशान रहते हैं, तो किशमिश को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हड्डियों के लिए भी किशमिश बहुत फायदेमंद है। इसमें मौजूद कैल्शियम और माइक्रो न्यूट्रिएंट्स हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और जोड़ों के दर्द में भी राहत देते हैं। पाचन के मामले में भी किशमिश का जवाब नहीं। इसमें फाइबर भरपूर होता है, जो कब्ज जैसी समस्या को दूर करता है।

सुबह खाली पेट किशमिश और उसका पानी पीने से पेट साफ रहता है और डाइजेशन बेहतर होता है। इतना ही नहीं, जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उनके लिए भी किशमिश मददगार साबित होती है। अगर आप रोजाना एक्सरसाइज के साथ किशमिश खाते हैं, तो ये फैट बर्न करने में मदद करती है और शरीर को अंदर से हेल्दी बनाती है।

बच्चों का मुंडन करवाना क्यों होता है जरूरी?

हिंदू धर्म में मुंडन संस्कार (चूड़ाकर्म) 16 संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार माना जाता है। यह शिशु के जन्म के बाद किए जाने वाले प्रमुख धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल है। मान्यता है कि जन्म के समय आए बाल पूर्व जन्म के संस्कारों और अशुद्धियों का प्रतीक होते हैं। मुंडन करने से नकारात्मकता दूर होती है और बच्चे का जीवन शुभ बनता है।

मुंडन के संभावित लाभ

मुंडन करने से बच्चे में की बल बुद्धि का विकास होता है। ज्योतिष शास्त्र में माना गया है कि यदि बच्चे के बाल नहीं कटवाएं गए हैं और बच्चा बाहर जाता है तो उसे पर ऊपरी साया लगने का खतरा रहता है. जिससे बच्चे को बहुत सी परेशानियां से गुजरना पड़ सकता हैं। मुंडन से बालों की गुणवत्ता और त्वचा में सुधार होता है, हमेशा चेहरा सूर्य की तरह चमकता रहता है। सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार का दिन मुंडन के लिए बिल्कुल सही है।.हीं अगर उत्तम माह की बात करें तो हिंदू पंचांग के अनुसार, माघ माह, फाल्गुन माह मुंडन के लिए उत्तम माने जाते हैं।

मुंडन करवाने का सही समय

शास्त्रों में जन्मकालीन बालों का बच्चे के प्रथम, तीसरे या पांचवे वर्ष में या कुल की परम्परानुसार शुभ मुहुर्त में मुण्डन करने का विधान है । जन्म से तीसरे वर्ष में मुण्डन संस्कार उत्तम माना गया है । पांचवे या सातवें वर्ष में मध्यम और दसवें व ग्यारहवें वर्ष में मुण्डन संस्कार करना निम्न श्रेणी का माना जाता है । बच्चे का मुण्डन शुभ मुहुर्त में किसी देवी-देवता या कुल देवता के स्थान पर या पवित्र नदी के तट पर कराया जाता है । अपने गोत्र की परम्परानुसार मुंडन करके बालों को नदी के तट पर या गोशाला में गाड़ दिया जाता है । कहीं-कहीं कुल देवता को ये बाल समर्पित कर फिर उन्हें विसर्जित किया जाता है ।

फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के साथ प्रोजेक्ट करने वाले हैं विजय वर्मा

विजय वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एक जानकारी साझा की। जिसमें उन्होंने अपने अपकमिंग फिल्म प्रोजेक्ट के बारे में बताया। एक्टर ने एक कैप्शन भी लिखा, 'इसे लेकर काफी उत्साहित हूं।'

विजय वर्मा फरहान अख्तर के साथ करेंगे अगला प्रोजेक्ट

जल्द ही विजय वर्मा, फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ काम एक प्रोजेक्ट करने वाले हैं। विजय वर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी से मिले एक कार्ड की तस्वीर शेयर की। एक्टर ने प्रोजेक्ट का नाम थोड़ा छिपाकर रखा। लेकिन इस प्रोजेक्ट को लेकर वह काफी एक्साइटेड हैं, इस बात का जिक्र विजय वर्मा ने किया है।

इन फिल्मों में भी नजर आएंगे विजय वर्मा

विजय वर्मा के पास कई और फिल्में हैं। वह 'मटका किंग' नाम की एक फिल्म कर कर रहे हैं। इसके अलावा वह एक और फिल्म 'फैमिली बिजनेस' कर रहे हैं, इसमें अनिल कपूर भी नजर आएंगे। इसके अलावा वह 'लस्ट स्टोरी 3' में भी दिखाई देंगे।

निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में विजय वर्मा?

बड़े पर्दे पर 'गुस्ताख इश्क' जैसी फिल्म साथ करने वाले विजय वर्मा और फातिमा सना शेख असल जिंदगी में भी प्यार में गुस्ताखियां कर रहे हैं। इनके रिलेशनशिप में होने की खबरें, अफवाहें लगातार सामने आ रही हैं। दोस्तों की पार्टी, अवॉर्ड फंक्शन में दोनों को साथ देखा गया है। अपने इश्क का इजहार दोनों ने अब तक दुनिया के सामने नहीं किया है।

धर्मा की फिल्म 'बेधड़क' से डेब्यू न कर पाने पर शनाया कपूर ने खोले राज

शनया कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'तू या मैं' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। 2025 में आई रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से शनाया ने बतौर अभिनेत्री डेब्यू किया था। लेकिन इन फिल्म से पहले वो 'बेधड़क' से डेब्यू करने वाली थीं। लेकिन यह फिल्म किसी कारण बंध हो गई थी। हाल ही में शनाया ने अपने शुरुआती करियर को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए हैं।

डेब्यू फिल्म को लेकर शनाया की राय

पहले शनाया धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'बेधड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली थीं, लेकिन वो प्रोजेक्ट रुक गया। बाद में उन्होंने विक्रांत मैसी के साथ रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। शनया ने हाल ही में 'स्क्रीन' को दिए एक इंटरव्यू में अपने करियर की शुरुआत के बारे में बात की और कहा कि वो खुश हैं कि चीजें ऐसे ही हुईं। उस अनुभव ने उन्हें एक बेहतर अभिनेत्री बनने में बहुत मदद की है। 'बेधड़क' रुकने पर कैसा हुआ महसूस शनाया ने कहा, 'हर चीज किसी न किसी कारण से होती है। जो होना होता है, वही होता है। अब पीछे मुड़कर देखती हूं तो गर्व महसूस होता है। इन सबने मुझे आज का इंसान बनाया है। (बेधड़क) प्रोजेक्ट्स रुकने से मुझे और मेहनत करने की प्रेरणा मिली।'

हमेशा मानती हैं पिता की सलाह

शनाया ने बताया कि उनके पिता संजय कपूर हमेशा उन्हें सलाह देते थे कि परिस्थितियों की चिंता मत करो, बस अपने काम पर फोकस करो। अगर फिल्म नहीं मिल रही तो कोई सीन चुनकर प्रैक्टिस करो। उन्होंने कहा कि कुछ चीजें हमारे बस में नहीं होतीं, उनकी चिंता बेकार है। बस काम करते रहो और खुद को बेहतर बनाते रहो।

तू या मैं

इन दिनों शनया 'तू या मैं' में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव हैं। यह फिल्म बेजॉय नंबियार ने डायरेक्ट की है और आनंद एल राय ने प्रोड्यूस किया है। यह 2018 की थाई फिल्म 'द पूल' का रीमेक है। फिल्म को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसने करीब 4 से 5 करोड़ रुपये की कमाई की है।

कॉकटेल 2 में किस किरदार में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना और कृति सेनन?

अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर लोगों में उत्सुकता है। रिलीज से पहले इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा होने लगी है। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'कॉकटेल' को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। अब इसके सीक्वल 'कॉकटेल 2' में रश्मिका मंदाना, कृति सेनन और शाहिद कपूर लीड रोल में हैं। इसमें रश्मिका मंदाना और कृति सेनन के रोल को लेकर एक अपडेट सामने आई है।

क्या होगा कृति और रश्मिका का रोल?

फिल्म 'कॉकटेल 2' की कहानी को लेकर लोगों में दिलचस्पी बढ़ रही है। इस बीच फिल्म में रश्मिका मंदाना और कृति सेनन के रोल को लेकर अपडेट आई है। फिल्म में कृति सेनन और रश्मिका मंदाना एक लेस्बियन कपल का रोल करेंगी।

कब पूरी हुई फिल्म की शूटिंग?

हालांकि, प्रोडक्शन टीम ने फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। इसलिए दर्शकों को कोई नतीजा निकालने से पहले प्रोडक्शन हाउस की तरफ से दी गई जानकारी का इंतजार करना होगा। डायरेक्टर होमी अदजानिया ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी थी कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है।

दर्शकों को क्यों हैं उम्मीदें?

ओरिजिनल फिल्म 'कॉकटेल' (2012) में दीपिका पादुकोण, डायना पेंटी और सैफ अली खान ने अहम किरदार निभाया था। इस फिल्म ने अपनी अलग कहानी के लिए तारीफें बटोरी थीं। ऐसे में फिल्म के सीक्वल से लोगों को काफी उम्मीदें हैं।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला में दमदार किरदार निभाएंगी मिथिला पालकर

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपने गेम रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में व्यस्त हैं। वहीं अभिनेता अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर भी चर्चाओं में हैं। इस फिल्म के जरिए एक बार फिर अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी बड़े पर्दे पर वापस लौट रही है। अब फिल्म की कास्ट में एक नई अभिनेत्री का नाम सामने आया है। अक्षय की बहन का किरदार निभाएंगी मिथिला अक्षय कुमार और वामिका गब्बी स्टारर 'भूत बंगला' में अब एक नया नाम शामिल हो गया है। इस नाम के बारे में खुद अक्षय ने जानकारी दी है। ये नाम है अभिनेत्री मिथिला पालकर का। हाल ही में मिथिला अक्षय की होस्टिंग वाले गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में नजर आई थीं। इसी दौरान अक्षय ने ये खुलासा किया कि मिथिला भूत बंगला का हिस्सा हैं। अक्षय ने बताया कि मिथिला फिल्म में उनकी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी। एक्टर ने कहा, मिथिला ने अपना सफर इंटरनेट से शुरू किया था और आज वह कई फिल्मों में काम कर रही हैं। जल्द ही वह एक ऐसे एक्टर के साथ नजर आएंगी, जिसे मैं बहुत अच्छी तरह जानता हूं, गेस कीजिए कौन? मैं खुद। 'भूत बंगला' में मिथिला 'भूत' का नहीं, बल्कि मेरी बहन का किरदार निभाती दिखेंगी।

16 साल बाद साथ लौट रही अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी

'भूत बंगला' 2026 की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल है। इसकी सबसे बड़ी वजह अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी का 16 साल बाद एक साथ आना है। अक्षय और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 'हेरा फेरी' समेत कई कल्ट कॉमेडी फिल्में दी हैं। ऐसे में अब 'भूत बंगला' के जरिए निर्देशक-अभिनेता की ये जोड़ी एक बार फिर नई कॉमेडी फिल्म के साथ तैयार है। यह एक कम्पलीट फैमिली एंटरटेनर होने वाली है। दर्शक अक्षय कुमार को उनके पुराने अंदाज और जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग में देखने के लिए उत्साहित हैं।
बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर हैं। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

कंगना से दोस्ती को तैयार हैं तापसी पन्नू

तापसी पन्नू और कंगना रनौत बॉलीवुड की दो ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने आउटसाइडर होने के बावजूद अपनी दम पर अपनी पहचान बनाई है। दोनों ही अपनी दमदार एक्टिंग के लिए भी सुर्खियां बटोरती हैं। लेकिन दोनों के बीच कैट फाइट भी काफी पुरानी है और अक्सर चर्चा में भी रहती है। हालांकि, तापसी पन्नू का कहना है कि उनकी तरफ से कोई झगड़ा या मनमुटाव नहीं है। यहीं नहीं वो कंगना को अपना सीनियर बताते हुए उनसे दोस्ती करने को भी तैयार हैं।

मैंने कभी लड़ाई की ही नहीं

बातचीत के दौरान तापसी पन्नू ने कंगना के साथ अपने विवाद पर प्रतिक्रिया दी। कंगना की बहन द्वारा तापसी को कंगना की 'सस्ती कॉपी', 'बी ग्रेड एक्ट्रेस' और 'शी-मैन' कहने के बाद ये विवाद शुरू हुआ था। हालांकि, इस विवाद पर अब तापसी का कहना है कि उन्होंने कभी झगड़ा शुरू नहीं किया और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मैंने कभी लड़ाई की है या नहीं। लड़ाई तब होती है जब दो लोग आपस में भिड़ते हैं। मैं कभी नहीं भिड़ी।

मुझे सस्ती कॉपी कहे जाने पर कोई दिक्कत नहीं

कंगना की सस्ती कॉपी वाली टिप्पणी पर तापसी ने कहा कि उनकी बहन ने मुझे 'सस्ती नकल' कहा। उनका कहना था कि चूंकि मैं यहां उतनी कमाई नहीं करती, इसलिए मैं सस्ती हूं। अगर वह (कंगना रनौत) इतनी प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, तो मुझे उनकी नकल कहे जाने से कोई आपत्ति नहीं है। आप मेरा कोई भी बयान निकाल सकते हैं, मैंने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा है।
बातचीत के दौरान जब यह कहा गया कि अगर तापसी और कंगना रनौत जैसी दो शानदार एक्ट्रेस एकसाथ आएंगी, तो वाकई कमाल हो जाएगा। इस पर तापसी ने कहा कि बिल्कुल ऐसा हो सकता है। शायद कोई है जो ये नहीं चाहता कि दो अच्छी एक्ट्रेस एक साथ काम करें। मुझे नहीं पता किसी ने उन्हें क्या बताया है। जबकि हम दोनों ही आउटसाइडर हैं, हम दोनों ही एक ही बात कहते हैं। इस दौरान कंगना से दोस्ती करने के सवाल पर तापसी पन्नू ने स्पष्ट कहा कि मैं तैयार हूं। वो (कंगना) मुझसे सीनियर हैं और मुझे उनके साथ काम करने या दोस्ती करने में कोई दिक्कत नहीं। हालांकि, तापसी ने कहा कि वह इस बात की गारंटी नहीं दे सकतीं कि कंगना उनसे क्या कहेंगी, लेकिन उनकी तरफ से उनका रुख स्पष्ट है।

आपस में भिड़ते हैं आउटसाइडर

जब तापसी से पूछा गया कि क्या उनके झगड़े से नेपोटिज्म के विवाद के दौरान स्टार किड्स को अप्रत्यक्ष रूप से फायदा हुआ? तो तापसी ने कहा कि मुझे उनके बारे में तो नहीं पता, लेकिन किसी न किसी को तो किसी न किसी तरह से फायदा जरूर हुआ होगा। उन्होंने आगे कहा कि इंडस्ट्री में गुटबाजी सिर्फ इनसाइडर और आउटसाइडर तक ही सीमित नहीं है। आउटसाइडर भी अक्सर एक ही बात करते हैं और अपनी चुनौतियों के बारे में बात करने के बावजूद एक-दूसरे का साथ नहीं देते। लोग अक्सर आउटसाइडर होने का रोना रोते हैं, लेकिन एकजुट होने के बजाय आपस में ही लड़ते रहते हैं।

एनसीआर में 1 मार्च से तेज सतही हवाएं चलेंगी, बढ़ेगा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीआर में मौसम स्थिर बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, हालांकि 1 मार्च से दिन के समय तेज सतही हवाएं चलने का पूर्वानुमान है। इससे तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी और दिन में गर्मी का अहसास होने लगेगा। आईएमडी की वेबसाइट पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। सुबह वातावरण में हल्की धुंध छाई रही। वहीं 1 मार्च को भी अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हल्की धुंध रहने की संभावना है। आर्द्रता का स्तर अधिकतम 80 फीसदी और न्यूनतम 30 फीसदी रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक 2 मार्च को भी अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा, लेकिन दिन में तेज सतही हवाएं चलेंगी। इधर, एनसीआर में एक्यूआई में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। नोएडा के सेक्टर-125 में एक्यूआई 255, सेक्टर-1 में 205, सेक्टर-62 में 182 और सेक्टर-116 में 304 दर्ज किया गया। गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में एक्यूआई 315, इंदिरापुरम में 276, वसुंधरा में 233 और संजय नगर में 200 रहा। दिल्ली के आनंद विहार में 332, चांदनी चौक में 276, बवाना में 244, अशोक विहार में 237 और अलीपुर में 219 दर्ज किया गया। कई क्षेत्रों में यह 'खराब' से 'बहुत खराब' श्रेणी में बना रहा। मौसम विभाग के मुताबिक दिन में तेज धूप के कारण लोगों को अब हल्की गर्मी का अहसास होने लगा है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में आगामी दिनों में क्रमिक बढ़ोतरी की संभावना है। हालांकि 1 मार्च से चलने वाली तेज हवाएं प्रदूषण के स्तर को कुछ हद तक नियंत्रित कर सकती हैं।

कुरुक्षेत्र जिले के सरकारी स्कूल डेस्क की भारी कमी... जमीन पर बैठकर पढ़ रहे बच्चे

कुरक्षेत्र (एजेंसी)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के सरकारी स्कूल इन दिनों डेस्क की भारी कमी से जूझ रहे हैं। बालवाटिका से लेकर बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को पर्याप्त डेस्क न मिलने के कारण फर्श पर बैठना पड़ रहा है। कई स्कूलों में 10 से 12 वर्ष पुराने डेस्क ही उपयोग में हैं, जिन्हें बार-बार मरम्मत कर चलाया जा रहा है। शिक्षा विभाग हर दो माह में स्कूलों से डेस्क की मांग संबंधी रिपोर्ट तो मांग लेता है, लेकिन आपूर्ति समय पर नहीं हो पा रही है। हाल ही में शिक्षा निदेशालय ने एमआईएस पोर्टल पर गूगल फॉर्म के माध्यम से फिर डिमांड मांगी है। आंकड़ों के अनुसार जिले के करीब 779 स्कूलों में कुल 5594 डेस्क की आवश्यकता है। इसमें बालवाटिका से पांचवीं तक 2269, छठी से आठवीं तक 1726, नौवीं से बारहवीं तक 767 तथा ग्यारहवीं-बारहवीं के लिए 832 डेस्क की जरूरत बताई गई है। सबसे अधिक समस्या प्राथमिक विद्यालयों में है, जहां करीब 50 प्रतिशत स्कूलों में डेस्क का अभाव है। छोटे बच्चों को टाट-दरी पर बैठकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। गांव थाना के राजकीय प्राइमरी स्कूल में 184 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और वहां 80 डेस्क की मांग भेजी गई है। उपलब्ध डेस्क को मरम्मत कर उपयोग किया जा रहा है। हरियाणा प्राइमरी हेड टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा सरकार सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों के बराबर लाने की बात करती है, लेकिन मूलभूत सुविधाओं की कमी बनी हुई है। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक के अनुसार स्कूलों से ड्यूल डेस्क का डाटा प्राप्त हो चुका है और टीमें सत्यापन के लिए निरीक्षण करेंगी।

अविमुक्तेश्वरानंद को अंतरित राहत, खुश होकर बोले बटुक... हम अपने गुरु पर पूरा भरोसा

वाराणसी(एजेंसी)। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दो बटुकों से कथित यौन शोषण के आरोप में दर्ज एफआईआर के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई कर गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई मार्च के तीसरे सप्ताह में तय की है। इस आदेश के बाद फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक बनी रहेगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद वाराणसी स्थित श्री विदया मठ में उत्साह का माहौल देखा गया। मठ में अध्ययनरत करीब 400 बटुक वेद, धर्म और आध्यात्म की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। कई बटुकों ने अदालत के फैसले पर संतोष जताकर अपने गुरु के प्रति विश्वास व्यक्त किया। उनका कहना है कि उन्हें अपने गुरु पर पूरा भरोसा है और उन्हें फंसाने की साजिश रची गई है। उन्होंने न्यायपालिका पर आस्था जताकर कहा कि सत्य अंततः सामने आएगा। गौरतलब है कि दो बटुकों की शिकायत के आधार पर शंकराचार्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद यह प्रकरण चर्चा में आया। हालांकि, अदालत द्वारा अंतरिम राहत दिए जाने के बाद मठ प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शैक्षणिक और धार्मिक गतिविधियां पूर्ववत जारी हैं। परिसर में सुरक्षा व्यवस्था सामान्य बताई जा रही है और किसी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति नहीं है। कानूनी जानकारों के अनुसार, अग्रिम जमानत पर अंतिम निर्णय अगली सुनवाई में होगा। तब तक सभी पक्ष अदालत के आदेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं और काशी के धार्मिक व सामाजिक हलकों में इस मामले को लेकर चर्चा जारी है।

उत्तरप्रदेश में मोदी-योगी छाप पिचकारियां की धूम

लखनऊ (एजेंसी)। 2027 के उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव से करीब 1 साल पहले होली से माहौल बन रहा है। लखनऊ की दुकानों में पिचकारियां आ गई हैं। इसमें मोदी-योगी छाप और धनुष-बाण छाप पिचकारी की धूम है। गुलाल वाले पटाखे भी आ गए हैं। बच्चों को ये सभी पिचकारियां भा रही हैं। होली की पिचकारी पर पीएम मोदी की तस्वीर के साथ 'हिंदुस्तान की बोली-घर-घर होली' जैसे स्लोगन प्रिंट हैं। पिचकारी में पीएम मोदी, ब्रह्मोस, कुल्हाड़ी, हथौड़ा और म्यूजिकल ट्रेंड में हैं। इसके अलावा ऐसी सफेद टीशर्ट आई है जो पानी पड़ते ही रंगीन हो जाएगी। होली के इस खास मौके पर सर्राफा मार्केट भी चहक रहा है। चांदी से बनी पिचकारी, बाल्टी, लड्डू गोपाल, काजू कतली और लड्डू खूब चर्चा में हैं। इस होली पर दिवाली का फील देने के लिए कलर पटाखे लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। रंगीन विग के साथ अलग-अलग डिजाइन के फेस मास्क मार्केट में आए हैं। कुल्हड़ अनार, 5 से लेकर 16 शॉट वाला स्मोक पटाखा मिल रहा है। इसके साथ ही तीन फ्लेवर वाला आइसक्रीम पटाखा लोगों को खूब भा रहा है, जिसमें से वैनिला, स्ट्रॉबेरी और चॉकलेट के तीन रंगों के साथ खुशबू भी फूटती है।

अब ईरान-अमेरिका जंग पर कांग्रेस का पीएम मोदी से सवाल... क्या वे इस युद्ध का समर्थन करते हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच कई दिनों से जारी तनाव के बाद आखिरकार इजरायल के साथ मिलकर अमेरिका ने ईरान पर हमला कर दिया है। तेहरान के साथ-साथ इजरायल में भी कई जगह पर विस्फोट होने की खबर है। मध्य-पूर्व में चल रहे संघर्ष का असर भारत की राजनीति पर भी देखने को मिल रहा है। हाल ही में इजरायल की यात्रा करके लौटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस ने हमला बोलकर पूछा है कि क्या पीएम मोदी इजरायल और ईरान के बीच में जारी युद्ध का समर्थन करते हैं?

कांग्रेस पार्टी के मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा ने पोस्ट कर पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री मोदी के दोस्त बेंजामिन नेतन्याहू ने अब भारत के पुराने दोस्त ईरान पर हमला बोल दिया है। यह प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से

लौटने के बमुश्किल दो दिन के बाद हुआ है। रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के बारे में तमाम दिखावे के बाद, पीएम मोदी ने अपनी इजराइल यात्रा का उपयोग इजराइल और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए क्यों नहीं किया? क्या वे इस युद्ध का समर्थन करते हैं?

गौरलतब है कि प्रधानमतंत्री मोदी दो दिन के इजरायल के दौरे पर थे। इस दौरे पर भारत और इजरायल के बीच में कई अहम समझौते हुए और पीएम मोदी ने इजरायली संसद को संबोधित किया था। हालांकि, पीएम मोदी के इस दौरे से ईरान पर किए जा रहे हमले को कोई लेना-देना नहीं था। क्योंकि अमेरिका और इजरायल के बीच पीएम के दौरे के बहुत पहले से ही ईरान के खिलाफ मोर्चाबंदी की थी। जिनेवा में चल रही बातचीत के बीच जब ईरान, अमेरिकी की शर्तों पर खड़ा नहीं उतरा, इसके बाद इजरायल और यूएस ने मिलकर तेहरान के ऊपर हमला बोल दिया। मध्य-पूर्व में इस संकट के बादल पिछले कई महीनों से मंडरा रहे थे।

कश्मीर के बड़गाम में शिया मुस्लिमों ने ईरान के समर्थन में और अमेरिका-इजरायल के विरोध में प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले को लेकर भारत में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। भारत में शिया मुस्लिम संगठनों ने इस हमले की निंदा की है। कश्मीर के बड़गाम में शिया मुस्लिमों ने खामेनेई के बड़े-बड़े पोस्टरों के साथ ईरान के समर्थन में और अमेरिका-इजरायल के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका मुर्दाबाद और इजरायल मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। शिया धर्मगुरुओं ने भी इस हमले की निंदा की है। ऑल इंडिया शिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि जिस तरीके से इजरायल ने ईरान पर हमला किया है वो अफसोसजनक है। रमजान का महीना चल रहा है। जिस महीने में जंगें रोक दी जाती हैं, उस महीने में ये काफीर और शातिर इजरायल ने जिस तरीके से हमला किया है, अब इजरायल और अमेरिका को ईरान के पलटवार के लिए तैयार रहना चाहिए। खाड़ी के अंदर अमेरिका के जितने भी अड्डे हैं, उन्हें तबाह कर देगा। पहले भी खामेनेई साब ने अमेरिका और इजरायल को घुटनों पर लाकर खड़ा कर दिया था और ट्रंप को सीजफायर करना पड़ा था।

एआई समिट मामला : यूथ कांग्रेस के चीफ चिब को कोर्ट ने दी सशर्त जमानत

-पुलिस नहीं बता पाई पर्याप्त ठोस कारण, कांग्रेस ने ली राहत की सांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को पटियाला हाउस कोर्ट के ड्यूटी मजिस्ट्रेट ने शनिवार को जमानत दे दी। यह मामला 20 फरवरी को भारत एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम में हुए शर्टलेस विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की सात दिन की पुलिस रिमांड बढ़ाने की अर्जी खारिज कर दी, क्योंकि पुलिस पर्याप्त ठोस कारण नहीं बता पाई। रिपोर्ट के मुताबिक जमानत पर चिब को 50,000 रुपए का पर्सनल बॉन्ड भरना होगा। साथ ही अपना पासपोर्ट और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स कोर्ट में सरेंडर करने होंगे। उनके वकील ने बताया कि कोर्ट ने पुलिस की अर्जी पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि रिमांड बढ़ाने के लिए कोई मजबूत आधार नहीं है। पुलिस का आरोप है कि चिब इस प्रदर्शन के मुख्य साजिशकर्ता थे। 20 फरवरी को एआई समिट के आखिरी दिन युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शर्टलेस होकर पीएम मोदी और सरकार के खिलाफ नारे लगाए थे। इनमें पीएम मोदी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरें और भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ स्लोगन शामिल थे। पुलिस का कहना है कि चिब ने कृष्णा हरि, कुंदन यादव, नरसिम्हा यादव, अजय कुमार यादव समेत अन्य के साथ मिलकर गैरकानूनी जमावड़ा किया, पुलिस अधिकारियों को ड्यूटी में बाधा डाली और हमला किया। साथ ही पूछताछ में सहयोग नहीं किया और फरार आरोपियों व टी-शर्ट छपवाने के स्रोत की जानकारी नहीं दी। चिब को 24 फरवरी को तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन पर 15 घंटे से ज्यादा पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया था। क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार रात देर से कोर्ट में रिमांड एक्सटेंशन मांगी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दी। इस घटना ने बड़ा राजनीतिक बवाल खड़ा किया। बीजेपी ने इसे भारत की ग्लोबल इमेज खराब करने की साजिश बताया, जबकि कांग्रेस ने इसे युवाओं की बेरोजगारी और एआई से नौकरियां छिनने जैसी चिंताओं को दिखाने वाला शांतिपूर्ण विरोध बताया। खास बात यह है कि इंडिया गठबंधन के कुछ सहयोगी दलों ने भी 'शर्टलेस' तरीके की आलोचना की। अब जांच जारी है, लेकिन चिब की जमानत से कांग्रेस को बड़ी राहत मिली है।

अगर फैसला गलत लिया जाता है तो सही करने ऊपरी अदालतें होती हैं

-केजरीवाल-सिसोदिया के शराब घोटाले में बरी होने पर रिजिजू ने दी प्रतिक्रिया

धर्मशाला (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दिल्ली के तथाकथित शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को बरी किए जाने पर कहा कि अगर फैसला गलत लिया जाता है तो उसको सही करने के लिए ऊपरी अदालतें होती हैं। रिजिजू शनिवार को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला पहुंचे। यहां केजरीवाल और सिसोदिया को लेकर उन्होंने कहा कि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। निचली अदालत के फैसले में अगर कोई गलती रह जाती है तो उसके सुधार के लिए ऊपरी अदालत में मामले को ले जाया जाता है। गलत फैसला दिया गया या अगर तथ्यों की ठीक से जांच नहीं की गई, तो ऊपरी अदालत में अपील फाइल की जा सकती है, जहां से सही फैसला लिया जाता है। इसी बीच किरेन रिजिजू ने एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर कहा कि मुझे मामले की ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन मुझे बताया गया है कि इसके पीछे कोई षड्यंत्र रचा गया है और जिसमें कुछ तार जुड़े हुए हैं। हालांकि, मैं अभी गृह मंत्रालय नहीं संभाल रहा हूं, इसलिए मुझे इस मामले की पूरी जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी मामला है, उसे सुलझा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिमाचल एक पहाड़ी राज्य है और मुझे तो बहुत अच्छा लगता है। मैं तो यहां आता रहता हूं। इस बार चंबा साइट के क्षेत्र में कुछ प्रोजेक्ट हैं, जो उनके मंत्रालय से जुड़े हुए हैं। उन प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने का कार्य जारी है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले समय मैंने लाहौल-स्पीति का दौरा किया था। वहां भी मंत्रालय की ओर से कई प्रोजेक्ट चल रहे हैं। फिलहाल, वे चंबा का दौरा करेंगे और उसके बाद वापस दिल्ली लौटेंगे।

राज्यसभा चुनाव: टीएमसी ने चार उम्मीदवारों के नामों का किया एलान, बाबुल सुप्रियो को मौका

कोलकाता (एजेंसी)। आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पश्चिम बंगाल से उच्च सदन के लिए अपने चार उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने इस बार अपने चयन में राजनीतिक अनुभव, प्रशासनिक कुशलता, कानूनी विशेषज्ञता और सांस्कृतिक लोकप्रियता का एक अनूठा संतुलन बनाने का प्रयास किया है।

पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस सूची को साझा करते हुए विश्वास जताया कि ये उम्मीदवार पार्टी की विरासत को आगे बढ़ाएंगे और हर भारतीय के अधिकारों व सम्मान की रक्षा के लिए संसद में आवाज उठाएंगे। पार्टी द्वारा घोषित नामों में सबसे प्रमुख नाम पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो का है, जो पहले भाजपा में थे और नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री रह चुके हैं।

सितंबर 2021 में भाजपा छोड़कर टीएमसी में शामिल होने के बाद पार्टी ने अब

उन्हें राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया है। इनके साथ ही पश्चिम बंगाल पुलिस के पूर्व महानिदेशक राजीव कुमार को भी उम्मीदवार बनाया गया है। प्रशासनिक गलियारों में अपनी धाक रखने वाले राजीव कुमार के अनुभव से पार्टी को मजबूती मिलने की उम्मीद है। कानूनी मोर्चे पर अपनी बात मजबूती से रखने के लिए टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी पर भरोसा जताया है, जो देश के कई महत्वपूर्ण कानूनी मामलों में अपनी विशेषज्ञता के लिए जानी जाती हैं। वहीं, ग्लैमर और बंगाल की सांस्कृतिक पहचान को जोड़ते हुए टॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री कोएल मलिक को भी राज्यसभा का टिकट दिया गया है। कोएल मलिक की जमीनी लोकप्रियता पार्टी के लिए नई ऊर्जा का संचार कर सकती है।

हालांकि, इस घोषणा के साथ ही पार्टी के भीतर बड़े बदलाव भी देखने को मिले हैं। टीएमसी ने अपने उन चार सांसदों को दोबारा नामांकित नहीं किया है जो सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इनमें महासचिव सुब्रत बख्शी, रितब्रत बनर्जी और साकेत गोखले शामिल हैं, जबकि मौसम नूर पहले ही कांग्रेस का दामन थाम चुकी हैं। इस बीच, विपक्षी दल भाजपा ने इन उम्मीदवारों के चयन पर तीखा हमला बोला है। भाजपा की बंगाल इकाई ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की बंगाल पहले वाली नीति महज एक दिखावा है, क्योंकि घोषित उम्मीदवारों में से आधे गैर-बंगाली हैं। भाजपा का दावा है कि टीएमसी केवल चुनावी लाभ के लिए बंगाली अस्मिता का इस्तेमाल करती है और असल में बंगालियों को नजरअंदाज कर रही है। चुनाव आयोग की अधिसूचना के अनुसार, पश्चिम बंगाल सहित 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान होना है। यह चुनाव परिणाम राज्य की भविष्य की राजनीतिक दिशा तय करने में बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे।

अब यातायात नियमों का उल्लंघन किया तो कटेंगे अंक, रद्द होगा लाइसेंस

-सरकार ग्रेड-आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लागू करने की बना रही योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार अब ग्रेड-आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लागू करने की योजना बना रही है। इसके तहत यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंक काटे जाएंगे और गंभीर या बार-बार उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निलंबित या रद्द किया जा सकता है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में हर साल करीब 1.8 लाख लोगों की मौत मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए वाहन चलाने, तेज रफ्तार, गलत दिशा में जाने या नशे में गाड़ी चलाने जैसे कारणों से होती है।

दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सम्मेलन में गडकरी ने गुरुवार को कहा कि लोगों का जीवन अत्यंत अहम है और सरकार सड़क सुरक्षा के लिए कई कदम उठा रही है। गडकरी ने बताया कि सरकार पहले ही यातायात नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना बढ़ा चुकी है, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन है। उन्होंने कहा कि हम ड्राइविंग लाइसेंस में 'ग्रेडेड अंक प्रणाली'

ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में हर साल करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और 1.8 लाख लोगों की जान जाती है।

उन्होंने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में से 72 फीसदी 18 से 45 साल आयु वर्ग के लोग हैं। 18 वर्ष से कम आयु के 10,119 लोगों की दुर्घटनाओं में जान गई। हेलमेटय नहीं पहनने से 54,122, सीट बेल्ट नहीं लगाने से 14,466 जबकि तेज रफ्तार के कारण 1.2 लाख लोगों की जान गई। अन्य प्रमुख कारणों में गलत दिशा में व नशे में वाहन चलाना और मोबाइल फोन पर बात करना शामिल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नितिन गडकरी ने लोगों से अपील की है कि वे दुर्घटना पीड़ितों की मदद करें और उपचार खर्च या कानूनी औपचारिकताओं की चिंता न करें। पीएम राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए आपातकालीन सहायता प्रणाली उपलब्ध है। योजना के तहत किसी भी श्रेणी की सड़क पर दुर्घटना के शिकार को हादसे की तारीख से सात दिन तक 1.5 लाख तक का कैशलेस इलाज मुहैया कराया जाएगा।

ग्रेड-आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली में तेज गति, लापरवाही से गाड़ी चलाना, सिग्नल तोड़ना और शराब पीकर गाड़ी चलाना जैसे अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर कुछ अंक काटे जाएंगे। यदि सभी अंक समाप्त हो जाते हैं तो दोषी का लाइसेंस छह महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है या अपराध दोहराने पर रद्द भी किया जा सकता है।

ओडिशा में युवती के साथ रेप के बाद चौथी मंजिल से फेंका, प्रेमी और मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जगतसिंहपुर (एजेंसी)। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में एक 23 वर्षीय युवती के साथ दरिंदगी और हत्या का एक ऐसा दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस ने इस जघन्य अपराध के सिलसिले में युवती के प्रेमी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है जिन पर युवती को धोखा देने, उसके साथ बलात्कार करने और साक्ष्य मिटाने के लिए उसे एक इमारत की चौथी मंजिल से नीचे फेंकने का गंभीर आरोप है। जगतसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक अंकित कुमार वर्मा ने शुक्रवार को घटना का खुलासा करते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए प्रेमी की उम्र 31 साल है, जबकि दूसरा मुख्य आरोपी 24 वर्षीय युवक है जो मूल रूप से झारखंड के धनबाद का निवासी है और पारादीप की एक निजी कंपनी में कार्यरत है।

पुलिस जांच के अनुसार इस दुखद घटनाक्रम की शुरुआत पिछले रविवार को हुई थी जब पीड़िता अपने प्रेमी के साथ विवाह करने के उद्देश्य से तिरतोल

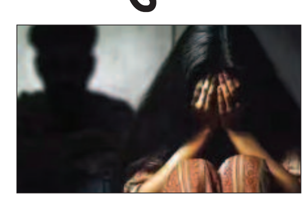

स्थित एक मंदिर गई थी, लेकिन वहां उसके प्रेमी ने उसे शादी का झांसा देकर धोखा दे दिया और सुनसान जगह का फायदा उठाते हुए युवती के साथ मारपीट की तथा उसे एक बस स्टैंड पर असहाय स्थिति में अकेला छोड़कर वहां से फरार हो गया। रविवार की शाम जब पीड़िता बस स्टैंड पर अकेली और परेशान खड़ी थी, तभी नशे में धुत झारखंड निवासी दूसरे आरोपी ने उसे अपनी मोटरसाइकिल पर लिफ्ट देने का झांसा दिया। अनजान शहर में खुद को असुरक्षित पाकर युवती ने उस पर भरोसा कर लिया लेकिन आरोपी उसे सहायता देने के बजाय अपने किराए के मकान पर ले गया और वहां उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। जब पीड़िता ने इस हैवानियत के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराने की हिम्मत दिखाई और आरोपी को कानूनी कार्रवाई की धमकी दी, तो वह घबरा गया और पकड़े जाने के डर से उसने युवती को इमारत की चौथी मंजिल से नीचे धक्का दे दिया। सिर में गंभीर चोटें आने और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण युवती की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई और सोमवार तड़के उसका शव बरामद किया गया जिस पर चोट के कई गहरे निशान मौजूद थे। इस ब्लाइंड मर्डर केस की गुत्थी सुलझाने में सीसीटीवी फुटेज ने अहम भूमिका निभाई जिसमें युवती को रविवार रात संदिग्ध आरोपी की इमारत में जाते हुए देखा गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी युवती के साथ यौन उत्पीड़न की पुष्टि हुई है जिसके बाद पुलिस ने झारखंड निवासी आरोपी की मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। मृतका के भाई द्वारा दर्ज कराई गई गुमशुदगी की रिपोर्ट और शव की शिनाख्त के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया है और मामले की गहनता से जांच जारी है।

अमेरिका-ईरान जंग में अगर बंद हुआ होर्मुज जलडमरूमध्य... तब तेल सप्लाई पर क्या करेगा भारत

-भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा गुजरता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में चिंता पैदा कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से कड़े संकेतों के बाद आशंका है कि यदि सैन्य टकराव होता हैं तब ईरान रणनीतिक रूप से बेहद अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित कर सकता है।

यह वहीं समुद्री मार्ग है, जिससे होकर भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। ओमान और ईरान के बीच स्थित यह जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ÷ऑयल चोक पॉइंट÷ माना जाता है। वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा यहीं से गुजरता है। एशियाई देशों खासकर इंडिया और चीन के लिए यह जीवनरेखा है। अमेरिका की अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के अनुसार, 2024-25 में प्रतिदिन करीब 20 मिलियन बैरल तेल और पेट्रोलियम उत्पाद इस मार्ग से गुजरे है।

बात दें कि भारत अपनी जरूरत का लगभग 85-90 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। खाड़ी देशों से आने वाला तेल मुख्य रूप से इसी मार्ग से गुजरता है। हालांकि रूस से आने वाला तेल होर्मुज से नहीं गुजरता, लेकिन खाड़ी सप्लाई रुकने से वैश्विक कीमतें उछल सकती हैं, जिसका सीधा असर भारत के आयात बिल और महंगाई पर पड़ेगा।

अगर होर्मुज बंद होता हैं तब क्या होगा

इसके बाद कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है। भले ही भारत को वैकल्पिक स्रोत मिल जाएं, लेकिन वैश्विक कीमतों में तेज उछाल तय माना जाता है। ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जा सकता है। इससे रुपये पर दबाव बढ़ेगा, चालू खाता घाटा (सीएडी) बढ़ सकता है। इसके बाद ईंधन, परिवहन और लॉजिस्टिक्स महंगे होगा, जिससे मंहगाई बढ़ेगी और आम जनता पर इसका सीधा असर होगा। युद्ध क्षेत्र घोषित होने पर जहाजों के बीमा प्रीमियम कई गुना बढ़ जाते हैं।

क्या विकल्प हैं भारत के पास?

सऊदी अमराको पूर्व-पश्चिम पाइपलाइन (5 मिलियन बैरल/दिन क्षमता) चलाता है, जो लाल सागर तक जाती है। यूएई की 1.8 मिलियन बैरल/दिन क्षमता वाली पाइपलाइन फुजैराह तक तेल पहुंचाती है, जो होर्मुज को बाईपास करती है। लेकिन इनकी क्षमता सीमित है पूरी खाड़ी सप्लाई को प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। भारत के पास आपातकालीन भंडार मौजूद हैं, जो कुछ हफ्तों की जरूरत पूरी कर सकते हैं। भारत ने रूस, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका से आयात बढ़ाकर जोखिम कम करने की कोशिश की है। यदि होर्मुज बाधित होता है, तब इसका असर केवल भारत तक सीमित नहीं रहेगा। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे बड़े आयातक भी प्रभावित होगा। वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ेगी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)